भारत सरकार एवं राजस्थान सरकार से सरकारी विज्ञापनों के लिए स्वीकृत

सकारात्मक साप्ताहिक हिन्दी अखबार

जागरूक जनता

16 अक्टूबर - 22 अक्टूबर, 2024

jagrukjanta.net

आश्विन, पक्ष - शुक्ल, तिथि - चतुर्दशी, संवत 2081 पृष्ठ : 8 जयपुर बुधवार वर्ष-10, अंक-33, मूल्य ₹ 5/- वार्षिक मूल्य : ₹ 250/-

बता सकता है कोई पानी की मैन्यूफैक्चरिंग और एक्सपायरी डेट?

आज पूरे विश्व में 'पानी बचाओ', 'जल है तो जीवन है' आदि श्लोगन से लोगों को पानी बचाने के लिए कहा जा रहा है। और यह सही भी है कि पानी बचाना चाहिए। देश-दुनिया में तालाब और झीलें गायब होते जा रहे हैं। अगर बड़ी-बड़ी झीलों की बात करें तो वे अस्तित्व में हो सकती हैं, वरना छोटी-मोटी झीलें तो अब इतिहास बन गई हैं या बनने की ओर अग्रसर हैं। खैर, बात पानी के ताजा या बासी होने की चल रही है। अब देखते हैं कि प्रातः जैसे ही नल में पानी आता है या गांवों में महिला-पुरुष बोरिंग पर पानी भरने जाते हैं तो घर में भरा हुआ पानी को बासी मानते हुए फैला दिया जाता है। क्यों फैला दिया जाता है क्योंकि अब ताजा पानी भरा जाएगा। मैं कहता हूं कि जहां नल में पानी हर दिन आता है, वहीं पानी हर दिन बासी हो जाता है और हर दिन बहा दिया जाता है। इस पानी की समाप्ति समय अवधि एक दिन हुई। जहां दो दिन में पानी आता है वहां दो दिन बाद उसे बासी मानकर बहा दिया जाता है। जहां सप्ताह में पानी आता है वहां सप्ताह बाद वह बासी हो जाता है। इसी तरह विवाह समारोह या अन्य कार्यों में आजकल बिसलरी की बड़ी-छोटी बोतलें आने लगी हैं। कई जगह कैंपर भी आते हैं। अब कोई मेहमान आधी बोतल पानी पीता है तो आधी को फेंक दिया जाता है। इसी तरह समारोह समाप्ति के बाद जो पानी कैंपरों में होता है उसे फेंक दिया जाता है क्योंकि वह अब बासी हो गया है। हम कहीं यात्रा पर जाते हैं, दूर-दराज या फिर ऐसे स्थान पर जहां पानी की समस्या हो, तो हमारे पास जब तक पानी होता है उसे हम फेंकते नहीं है चाहे कितने ही दिन हो जाए। जब तक वह खत्म नहीं होता है उसे हम पीते रहते हैं। वह बासी होता ही नहीं है। बिसलरी बोतलों में पता नहीं कितना पुराना पानी भरा होता है, मगर उसे भी हम ताजा मानकर पीते रहते हैं। मगर, बोतल खुल गई और उसमें पीने के बाद जो पानी बच गया, वह अगले दिन बासी हो गया। बांध में कई सालों तक पानी भरा रहता है वह सप्लाई के लिए टंकी में जाता है टंकी से घरों में जाता है वह ताजा पानी होता है। अगर बोरवेल से पानी निकालते हैं तो वह ताजा होता है जबकि जमीन के नीचे तो पता नहीं वह पानी कितने समय पुराना होता है। जमीन के अंदर तो पता नहीं लाखों करोड़ों वर्षों से पानी भरा हुआ है वह भी ताजा माना जाता है। ग्लेशियर को पानी का स्त्रोत मानें तो ग्लेशियर भी पता नहीं कब के जमा होते हैं। वे भी नदियों में बहकर कई दिनों बाद आबादी क्षेत्र में पहुंचते हैं। उस जल को भी ताजा माना जाता है। समुद्र तो पता नहीं कब से इस पृथ्वी पर है मगर वह पानी भी शुद्ध ही माना जाता है। समुद्र से वाष्पीकरण द्वारा बादल बनते हैं और बादल जमीन पर बरसते हैं वह पानी भी ताजा माना जाता है तो फिर घर में रखे पानी को कुछ समय बाद ही बासी क्यों मान लिया जाता है। इस यह समझने की बात है कि पानी कभी बासी नहीं होता। उसकी कोई मैन्यूफैक्चरिंग डेट नहीं है तो एक्सपायरी डेट कैसे हो जाती है।

सटीक

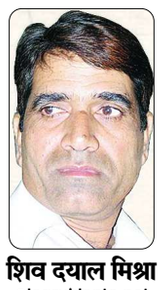

शिव दयाल मिश्रा
@jagrukjanta.net
shivdayalmishra@gmail.com

चुनाव आयोग की घोषणा : महाराष्ट्र में विधानसभा चुनाव एक चरण में होगा संपन्न

झारखंड में 13 और 20 नवम्बर महाराष्ट्र में 20 नवम्बर को चुनाव

महाराष्ट्र, झारखंड में मतगणना 23 को

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

नई दिल्ली। भारत के चुनाव आयोग ने आज यानी 15 अक्टूबर को महाराष्ट्र और झारखंड विधानसभा चुनाव के लिए तारीखों का ऐलान कर दिया। उनके इस ऐलान के साथ दोनों राज्यों में आचार संहिता भी लागू हो गई। मुख्य चुनाव आयुक्त राजीव कुमार ने बताया कि महाराष्ट्र में 20 नवंबर को चुनाव होंगे और 23 नवंबर को मतगणना की जाएगी। महाराष्ट्र में कुल पात्र मतदाताओं की संख्या 9.63 करोड़ है। यहां सभी 288 विधानसभा सीट के लिए एक चरण में ही मतदान संपन्न होगा। महाराष्ट्र विधानसभा का कार्यकाल 26 नवंबर को समाप्त हो रहा है। निर्वाचन आयोग की तरफ से घोषित चुनाव कार्यक्रम के अनुसार, महाराष्ट्र में 22 अक्टूबर को नोटिफिकेशन जारी किया जाएगा और नामांकन की आखिरी तारीख 29 अक्टूबर होगी। राजीव कुमार ने बताया कि नामांकन पत्र चार नवंबर, 2024 तक वापस लिए जा सकते हैं।

मुख्य चुनाव आयुक्त ने बताया कि झारखंड में कुल 81 विधानसभा सीटें है। इसके लिए चुनाव दो चरणों में संपन्न होगा। झारखंड में पहले चरण का चुनाव 13 नवंबर को और दूसरे चरण का चुनाव 20 नवंबर को होगा। झारखंड विधानसभा चुनाव की मतगणना 23 नवंबर 2024 को होगी। निर्वाचन आयोग की तरफ से घोषित चुनाव कार्यक्रम के अनुसार, झारखंड में 18 अक्टूबर को नोटिफिकेशन जारी किया जाएगा और उम्मीदवारों के लिए नामांकन की आखिरी तारीख पहले चरण के लिए 25 अक्टूबर और दूसरे चरण के लिए 29 अक्टूबर होगी। राजीव कुमार ने बताया कि नामांकन पत्र पहले चरण के उम्मीदवारों के लिए 30 अक्टूबर को और दूसरे चरण के लिए 1 नवंबर 2024 तक वापस लिए जा सकते हैं। उन्होंने कहा कि झारखंड विधानसभा चुनाव में नॉमिनेशन में सुधार के लिए तारीख पहले चरण के उम्मीदवारों के लिए 28 अक्टूबर और दूसरे चरण के लिए 30 अक्टूबर होगी। झारखंड में कुल मतदाताओं की संख्या 2.6 करोड़ है। इनमें 1.29 करोड़ महिलाएं और 1.31 करोड़ पुरुष मतदाता हैं। 11.84 लाख मतदाता पहली बार वोट देंगे। राजीव कुमार ने कहा कि राज्य में कुल 29,562 मतदान केंद्रों की स्थापना की जाएगी, इनमें से 5042 मतदान शहरी इलाकों में जबकि 24,520 केंद्र ग्रामीण इलाकों में होंगे। राज्य में विधानसभा की 81 सीट हैं। इनमें 44 सामान्य, 28 अनुसूचित जनजाति और नौ अनुसूचित जाति के लिए आरक्षित है।

राजस्थान विस की 7 सीटों पर उपचुनाव 13 को, नतीजे 23 को

» **जागरूक जनता @ जयपुर।** राजस्थान में 7 विधानसभा सीटों पर उपचुनाव की घोषणा चुनाव आयोग ने कर दी है। सातों विधानसभा सीटों पर 13 नंवबर को मतदान होगा, जबकि 23 नंवबर को सभी सीटों के नतीजे घोषित किए जाएंगे। सात सीटों में दौसा, देवली-उनियारा, झुंझुनू, खींवसर, चौरासी, सलूंबर और रामगढ़ विधानसभा सीट शामिल है। निर्वाचन आयोग की घोषणा के मुताबिक 18 अक्टूबर को चुनाव की अधिसूचना जारी की जाएगी। साथ ही नामांकन दाखिल करने की अंतिम तिथि 25 अक्टूबर तय की गई है। वहीं, नामांकन वापसी की अंतिम तिथि 30 अक्टूबर तय की गई है। बता दें कि लोकसभा चुनाव जीतकर सांसद बने विधायकों के चलते दौसा, देवली-उनियारा, झुंझुनू, खींवसर और चौरासी सीट खाली हुई है। इनमें तीन सीटों पर कांग्रेस तो दो पर क्षेत्रीय दल काबिज थे। इसी तरह बीजेपी विधायक अमृतलाल मीणा और कांग्रेस के विधायक जुबेर खान के निधन से सलूंबर और रामगढ़ सीट खाली हुई है, जिस पर भी मतदान होगा। राजस्थान के दोनों प्रमुख राजनीतिक दल कांग्रेस और बीजेपी ने पहले से ही इन सीटों पर होने वाले उप चुनाव की तैयारी शुरू कर दी है। बीजेपी ने तो अपने उम्मीदवारों का पैनल भी तैयार करके केंद्रीय नेतृत्व को सौंप दिया है।

9 साल बाद पहली बार भारतीय विदेश मंत्री का पाक दौरा

एससीओ सम्मेलन में शामिल होने के लिए इस्लामाबाद पहुंचे जयशंकर

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

नई दिल्ली/इसलामाबाद। भारत के विदेश मंत्री डॉ एस जयशंकर एससीओ के शासनाध्यक्षों की परिषद की 23वीं बैठक में शामिल होने के लिए पाकिस्तान पहुंच गए हैं। शंघाई सहयोग संगठन की बैठक में शामिल होने के लिए भारत के विदेश मंत्री 9 साल में पहली बार पाकिस्तान पहुंचे हैं। भारतीय विदेश मंत्री का यह दौरा काफी अहम माना जा रहा है। उन्होंने हाल ही में कहा था कि किसी भी पड़ोसी देश की तरह भारत पाकिस्तान के साथ बेहतर संबंध चाहेगा। लेकिन, यह सीमापार आतंकवाद को नजरअंदाज करके नहीं हो सकता। पाकिस्तानी प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ डिनर का आयोजन करेंगे और इसके साथ ही एससीओ समिट की शुरुआत होगी।

भारत-पाक के बीच नहीं होगी द्विपक्षीय वार्ता

यहां यह भी बता दें कि, दोनों पक्षों ने एससीओ शासनाध्यक्षों के शिखर सम्मेलन से इतर जयशंकर और उनके पाकिस्तानी समकक्ष इशाक डार के बीच किसी भी द्विपक्षीय वार्ता से इनकार किया है। पाकिस्तान की यात्रा करने वाली भारत की आखिरी विदेश मंत्री सुषमा स्वराज थीं। उन्होंने अफगानिस्तान पर एक सम्मेलन में हिस्सा लेने के लिए दिसंबर 2015 में इस्लामाबाद की यात्रा की थी। पाकिस्तान ने एससीओ शिखर सम्मेलन में हिस्सा लेने के लिए अगस्त में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को न्योता दिया था।

राजनाथ ने नौसेना के नये स्टेशन की आधारशिला रखी

» **जागरूक जनता @ नयी दिल्ली।** रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने मंगलवार को तेलंगाना के विकाराबाद में दमगुंडम रिजर्व फॉरेस्ट साइट पर 3,200 करोड़ रुपये की लागत से नौसेना के एक नए 'वेरी लो फ्रीक्वेंसी' (वीएलएफ) स्टेशन की आधारशिला रखी जो 2,900 एकड़ में फैला होगा। यह चुनौतीपूर्ण समुद्री परिदृश्य में प्रभावी कमान और नियंत्रण क्षमताओं को सुनिश्चित करते हुए नौसेना की परिचालन तत्परता को बढ़ाएगा। यह नौसेना संचार बुनियादी ढांचे को मजबूत करने, लंबी दूरी पर विश्वसनीय और सुरक्षित प्रसारण को सक्षम करने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। रक्षा मंत्री ने इस अवसर पर विश्वास जताया कि वीएलएफ स्टेशन देश की सैन्य क्षमताओं का विस्तार करेगा।

हरियाणा के बाद गहलोत को महाराष्ट्र में मिली बड़ी जिम्मेदारी, पायलट को भी बनाया गया सीनियर ऑब्जर्वर

» **जागरूक जनता @ जयपुर।** महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव में पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत और सचिन पायलट को पार्टी ने बड़ी जिम्मेदारी सौंपी हैं। गहलोत को जी परमेश्वर के साथ मुंबई और कोंकण डिवीजन का सीनियर ऑब्जर्वर नियुक्त किया है, जबकि सचिन पायलट और उत्तम कुमार रेड्डी को मराठवाड़ा डिवीजन का सीनियर ऑब्जर्वर बनाया गया है।

देश में हर महीने 4 लाख टन डीएपी का उत्पादन

स्टॉक ने बढ़ाया डीएपी संकट!

ज्ञानेन्द्र मिश्रा
jagrukjanta.net

जयपुर @ जागरूक जनता। पंजाब, हरियाणा, राजस्थान, उत्तर प्रदेश और मध्य प्रदेश समेत अनेक राज्यों में किसानों को डाईअमोनियम फॉस्फेट (डीएपी) और एनपीके खाद को लेकर किल्लत शुरू हो गई है। किसानों को डीएपी खाद मिल नहीं रहा है। जहां मिल भी रहा है तो वह नकली निकल रहा है। वहीं, केंद्र सरकार का कहना है कि उनके पास पर्याप्त मात्रा में डीएपी खाद है। ऐसे में सवाल यह उठता है कि अगर पर्याप्त मात्रा में डीएपी और एनपीके खाद है तो किसानों को मिल क्यों नहीं रहा है? किसानों का कहना है कि वे डीएपी के लिए अधिक पैसे देने को भी तैयार हैं, फिर भी खाद नहीं मिल रहा। देश में डीएपी स्टॉक अक्टूबर में 21.76 लाख एमटी रह गया, जो पिछले साल इसी दौरान 37.45 लाख एमटी था। अंतरराष्ट्रीय बाजार में डीएपी और इसके कच्चे माल की कीमतों में तेज बढ़ोतरी से उर्वरक कंपनियां आयात में लगातार कटौती कर रही हैं। इस वित्त वर्ष के पहले 5 महीनों में अप्रैल से अगस्त में 15.9 लाख टन डीएपी का आयात हुआ, जो बीते साल इसी दौरान 32.5 लाख टन था।

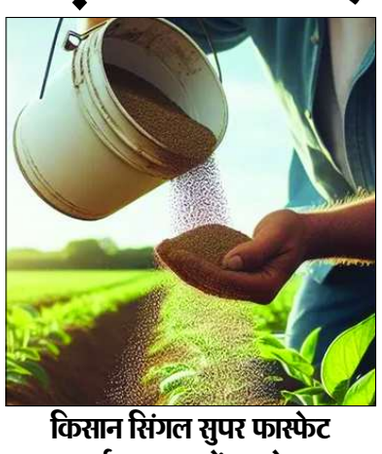

किसान सिंगल सुपर फास्फेट उर्वरक का करें उपयोग

आपके क्षेत्र में डीएपी खाद की किल्लत हो रही है तो घबराएं नहीं, डीएपी की जगह सिंगल सुपर फास्फेट उर्वरक का उपयोग किया जा सकता है। यह डीएपी के बजाय अधिक फायदेमंद और किफायती रहता है। इसलिए किसानों को सलाह दी जा रही है कि 50 किलोग्राम के एक बैग डीएपी की जगह तीन बैग सिंगल सुपर फास्फेट एवं आधा बैग यूरिया को मिलाकर बुवाई से पहले उपयोग कर सकते हैं। इससे फसलों को फॉस्फोरस व नत्रजन के साथ ही सल्फर की आवश्यक मात्रा मिल जाएगी।

उत्पादन + आयातित डीएपी की मांग अनुसार उपलब्धता की सुनिश्चितता नहीं

पुरुषोत्तम खण्डेलवाल
रायडा अध्यक्ष
@jagrukjanta.net

भारत सरकार को यह देखना चाहिए था कि देश मे संभावित मांग के अनुसार उत्पादन + आयातित डीएपी उर्वरक की उपलब्धता सुनिश्चित करनी चाहिए थी, नीतिगत विफलता व अफसरशाही का दुष्परिणाम भारत के किसान व कृषि आदान विक्रेतागण खास तौर से खुदरा विक्रेता भुगत रहे है। डीएपी उर्वरक की कालाबाजारी व नकली खाद बेचने की घटनाऐ बढ रही है,संभवतया आयात मूल्य व राजकीय अनुदान के पश्चात भी उर्वरक कम्पनियो को घाटा हो रहा है शायद इसी कारण से उर्वरक निर्माता/ आयात कर्ताओ ने उर्वरक के साथ टैगिंग (अन्य उत्पाद बिना मांग के लेने को बाध्य करना)को भी अत्याधिक बढा दिया है। केन्द्र सरकार व राज्य सरकारे उपरोक्त व्यवस्था को सुधारने की बजाय खुदरा कृषि आदान विक्रेताओ का गला काटने मे लगी हुई है रोज जांच के नाम पर अभियान, नमूना आहरण, कागजात सही नही होने व अन्य बहुत ही साधारण भूल पर लाईसेंस निरस्त करना, निरस्त करना व मनमाने गैर-वाजिब आदेश जारी करना व साथ मे प्रशासनिक अधिकारियो को भी हमारे खिलाफ कार्रवाई करके इंस्पेक्टर राज कायम कर दिया गया है व इस की आड मे भारी भष्टाचार भी पनप रह है। साथियो सरकार एक कहावत के अनुसार कार्य कर रही है कि 'गलत कार्य/ समस्या को दूर करने या केन्द्र को नही पकड कर हमे बलि का बकरा बना रही है' आप सभी को संगठित होकर अन्याय के खिलाफ आवाज उठाने की जरूरत है।

ईवी उपयोग से घाटे में उर्वरक कंपनियां

» देश में प्रतिमाह 4 लाख टन का डीएपी उत्पादन होता है। बाकी 5-6.5 लाख टन आयात करते हैं।

» अंतरराष्ट्रीय बाजार में जून से सितंबर में डीएपी की कीमतें 509 डॉलर प्रति टन से बढ़कर 620 से 640 डॉलर टन हो गईं। घरेलू बाजार में डीएपी की अधिकतम खुदरा कीमत 27,000 रु. प्रति टन है। सरकार 21,676 रु./ टन की सब्सिडी देती है। 620 डॉलर प्रतिटन की आयातित कीमत पर 5% सीमा शुल्क, बैगिंग, ढुलाई, बीमा और डीलर मार्जिन समेत सभी खर्च मिलाकर लागत 61,000 रु. टन पड़ती है। जबकि कंपनियों की आमदनी 53,900 रु. टन होती है।

» डीएपी उत्पादन के लिए कच्चे माल के रूप में रॉक सल्फेट और सल्फ्यूरिक एसिड भी आयात ही करना पड़ता है।

» डीएपी की बढ़ती कीमतों व किल्लत के लिए कृषि विशेषज्ञ ईवी में फॉस्फेट आधारित बैटरी के इस्तेमाल में हो रहे इजाफा को भी एक वजह बता रहे हैं।

» टेस्ला से लेकर चीन की बड़ी ईवी कंपनियां कारों में लिथियम ऑयन फॉस्फेट बैटरी का इस्तेमाल बढ़ाती जा रही हैं। 2023 में दुनियाभर के 40 प्रतिशत ईवी में एलएफपी बैटरियों का इस्तेमाल हुआ, जबकि 3 साल पहले 6 प्रतिशत ईवी में ही इस्तेमाल हो रहा था।

किसान कैसे करें नकली डीएपी की पहचान

» डीएपी का रंग भूरा, काला और बादामी हो सकता है। डीएपी काफी सख्त होता है ऐसे में इसे नाखून से आसानी से नहीं तोड़ा जा सकता है। यदि आप असली व नकली डीएपी की पहचान करना चाहते हैं तो आप नीचे दिए गए तरीके से कर सकते हैं।

» डीएपी के कुछ दानों को हाथ में लेकर तंबाकू की तरह उसमें थोड़ा सा चूना मिलाकर अच्छे से मसलें। ऐसा करने पर इसमें से तीक्ष्ण गंध निकलेगी जिसे सूंघना आसान नहीं होता है। यदि ऐसा नहीं हो तो यह जान लेना चाहिए कि डीएपी नकली है।

» डीएपी के दानों को तवे की धीमी आंच पर गर्म करने पर दाने फूल जाते हैं, यदि यह ऐसा हो तो डीएपी में किसी प्रकार की मिलावट नहीं है।

राजस्थान, गुजरात, हरियाणा, उत्तर प्रदेश में प्रसारित | जागरूक जनता www.jagrukjanta.net | बी-132, जे.पी. कॉलोनी, सैक्टर-4, विद्याधर नगर, जयपुर-302039 फोन : 0141-3587886 | सम्पर्क करें | विज्ञापन प्रकाशित करवाने के लिए 9928022718 jagrukjantanews@gmail.com | समाचार प्रकाशित करवाने के लिए 9829329070 jagrukjantanews@gmail.com

जागरूक जनता
ऑन लाइन पढ़ने के लिए स्कैन करें
ई-पेपर देखें
jagrukjanta.net

जागरूक खबरें

जयपुर एवं जयपुर ग्रामीण जिला स्तरीय जनसुनवाई एवं समाधान कार्यक्रम 17 को

» जागरूक जनता @ जयपुर। जनभावना के अनुरूप पारदर्शी एवं संवेदनशील वातावरण में आमजन की परिवेदनाओं एवं समस्याओं की सुनवाई एवं त्वरित समाधान के लिए 17 अक्टूबर को जयपुर एवं जयपुर ग्रामीण जिला की जिला स्तरीय जनसुनवाई एवं समाधान कार्यक्रम आयोजित होगा। जिला कलक्ट्रेट सभागार में प्रातः 11 बजे से दोपहर 2 बजे तक आयोजित होने वाले जनसुनवाई कार्यक्रम में जिले के जनप्रतिनिधि एवं समस्त संबंधित विभागों के जिला स्तरीय अधिकारी भाग लेंगे। जिला कलक्टर डॉ. जितेन्द्र कुमार सोनी ने बताया कि जिलास्तरीय जनसुनवाई कार्यक्रम में वीडियो कान्फ्रेंस के माध्यम से मुख्य सचिव या प्रभारी सचिव भी जुड़ेंगे। जिले के सभी उपखण्ड अधिकारी सहित सभी ब्लॉक स्तरीय अधिकारी भी वीडियो कान्फ्रेंस के माध्यम से हिस्सा लेंगे। इस दौरान जिले के सभी विभागों के अधिकारी जनसुनवाई में भाग लेकर आमजन की समस्याओं का निस्तारण करेंगे।

विशेष योग्यजनों को मिलेगी निशुल्क इलेक्ट्रिक पावर व्हीलचेयर की सौगात

» जागरूक जनता @ जयपुर। राजस्थान सरकार की लोक कल्याणकारी योजनाएं दिव्यांगजनों के जीवन को बेहतर एवं आसान बनाने में मददगार साबित हो रही हैं। जिला कलक्टर डॉ. जितेन्द्र कुमार सोनी ने बताया कि जयपुर जिले में आवासी मांसपेशीय दुर्विकास से ग्रसित विशिष्ट विकलांगता पीला अथवा नीला दिव्यांग प्रमाण पत्र धारक दिव्यांगजनों को निःशुल्क इलेक्ट्रिक पावर व्हीलचेयर उपलब्ध करवाने हेतु दिनांक 31 अक्टूबर तक आवेदन पत्र आमंत्रित किये गये हैं। जिला कलक्टर ने जयपुर जिले में आवासी मांसपेशीय दुर्विकास से ग्रसित पीला (40 प्रतिशत से 79 प्रतिशत तक) नीला (80 प्रतिशत से 80 प्रतिशत से अधिक) से पीड़ित विशेष योग्यजनों को चलने की क्षमता प्रदान कर आत्म निर्भर बनाने हेतु इलैक्ट्रीक पावर व्हीलचेयर प्राप्त करने हेतु अपील की है।

प्रदेश मेआंगनबाड़ी केंद्र अब सुबह 10 से दोपहर 2 बजे तक होंगे संचालित

» जागरूक जनता @ जयपुर। निदेशक समेकित बाल विकास सेवाएँ (आईसीडीएस) ओ.पी. बुनकर ने बताया कि वर्तमान मौसम को ध्यान में रखते हुए प्रदेश के समस्त आंगनबाड़ी केंद्र दिनांक 16 अक्टूबर से 31 मार्च 2025 तक प्रातः 100 बजे से दोपहर 2 बजे तक संचालित होंगे। शेष गतिविधि पूर्व की भांति यथावत रहेंगी।

राहत की खबर: दो वर्ष से अजमेर रोड पर जाम से जूझ रहे वाहन चालक, 200 फीट बायपास चौराहा होगा सिग्नल फ्री, नवंबर में कमला नेहरू नगर और जनवरी में भांकरोटा फ्लाईओवर होगा शुरू

जयपुर-अजमेर रोड पर टोल प्लाजा तक पांच ट्रैफिक लाइट हटेंगी

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

जयपुर। करीब दो वर्ष से जयपुर-अजमेर रोड पर जाम का सामना कर रहे प्रदेश के लोगों को नए साल की शुरुआत में राहत मिलेगी। राजधानी जयपुर से अजमेर की राह सुगम होने जा रही है। नवम्बर में कमला नेहरू नगर और जनवरी में भांकरोटा फ्लाईओवर शुरू हो जाएगा। 200 फीट बाइपास से ठिकरिया टोल प्लाजा तक वाहन चालकों की राह आसान हो जाएगी। नेशनल हाईवे अथॉरिटी ऑफ इंडिया (एनएचएआइ) के अनुसार 200 फीट बाइपास से ठिकरिया टोल प्लाजा तक पांच ट्रैफिक लाइट खत्म हो जाएंगी। इससे 15 मिनट की दूरी आठ मिनट में ही पूरी हो सकेगी। कमला नेहरू पुलिया और भांकरोटा फ्लाईओवर का काम अंतिम चरण में है। सेज सम्पर्क सडक़ पर फ्लाईओवर पर यातायात शुरू हो चुका है। रिंग रोड पर क्लोवर लीफ बनाने का काम भी शुरू हो गया है।

सिग्नल फ्री होगा 200 फीट बायपास चौराहा

शहर के व्यस्त चौराहों में से एक 200 फीट बायपास सिग्नल फ्री होगा। इससे लाखों वाहन चालकों की राह सुगम होगी। डिटेल प्रोजेक्ट रिपोर्ट (डीपीआर) बनाने का काम चल रहा है। माना जा रहा है कि इस प्रोजेक्ट पर नेशनल हाईवे ऑथोरिटी ऑफ इंडिया (एनएचएआइ) करीब 300 करोड़ रुपए खर्च करेगा। 200 फीट बायपास चौराहे पर दो फ्लाईओवर और दो अंडरपास बनाए जाएंगे।

कुछ ऐसे होगा बदलाव

- मानसरोवर से आने वाला ट्रैफिक चौराहे पर बिना रुके सी-जोन बायपास की सर्विस रोड होते हुए पृथ्वीराज नगर, सिरसी रोड, कालवाड़ रोड की ओर निकल जाएगा
- पुरानी चुंगी और डीसीएम चौराहे से आने वाला ट्रैफिक भांकरोटा और अजमेर की ओर बिना रुके निकलेगा
- अजमेर की ओर से आने वाला ट्रैफिक जयपुर में यथावत आता रहेगा
- अजमेर से दिल्ली की ओर जाने वाले वाहन चालक फ्लाईओवर के जरिए सी जोन बायपास पर जाएगा।

10 में से 7 ओवरब्रिज का काम पूरा

200 फीट बायपास चौराहे से अजमेर तक 10 ओवरब्रिज का काम शुरू हुआ था। इनमें से सात का काम पूरा हो गया है। पड़ासोली ओवरब्रिज का काम दिसम्बर तक पूरा हो जाएगा। कमला नेहरू पुलिया का काम 15 नवम्बर तक और भांकरोटा ओवरब्रिज का काम जनवरी में पूरा कर लिया जाएगा। 200 फीट बायपास को सिग्नल फ्री करने के लिए डीपीआर बनाने का काम चल रहा है।

नवरात्र में सजाई माँ दुर्गा की मनमोहन झांकी

» जागरूक जनता @ जयपुर। हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी युवा सेवा समिति द्वारा 39वां दुर्गा पूजा का आयोजन किया गया। जिसमें समिति के कमल गुप्ता ने बताया कि माँ दुर्गा की स्थापना की गई विधिविधान और मंत्रोच्चार से की गई। इस दौरान मन मोहक झाँकिया, डांडिया, कन्या पूजन, भंडारा का समिति की ओर से किया गया। अंतिम दिन माता की मूर्ति का शोभायात्रा निकाल कर विसर्जन किया गया।

तीन दिवसीय नवदुर्गा की चेतन्य झांकियों का आयोजन

» जागरूक जनता @ जयपुर। ब्रह्माकुमारीज़, पीस पैलेस, श्रीनिवास नगर की ओर से तीन दिवसीय नवदुर्गा की चैतन्य झांकियों का आयोजन किया गया। दुर्गा के 9 स्वरूपों का किरदार करने वाली चैतन्य देवियों की एकाग्रता, स्थिरता और अलौकिक सुंदरता ने सभी का मन मोह लिया। अध्यात्मिक चित्र प्रदर्शनी, महिषासुर वध व कुंभकरण का लाइव शो भी आकर्षण का केंद्र रहा। सेवा केंद्र संचालिका ब्र कु हेमलता ने सभी झांकियों का आध्यात्मिक अर्थ स्पष्ट किया। तीन दिनों तक चले इस कार्यक्रम में कई विशेष अतिथियों ने शिरकत की। जिसमें संतोष अग्रवाल, अध्यक्ष नगर निगम, वार्ड नंबर 7, मदन लाल शर्मा वाणिज्य कर विभागसे सेवानिवृत, डॉ आर.पी खेतान सीनियर हृदय रोग विशेषज्ञ, मीनाक्षी शर्मा अध्यक्ष नगर निगम वार्ड नंबर 15 मुरलीपुरा, सुशील शर्मा पूर्व पार्षद मौजूद रहे। ब्रह्माकुमारी कविता बहन ने मेडिटेशन द्वारा सभी को शांति की अनुभूति कराई । सैकड़ों की तादाद में भक्तों ने देवियों के दर्शन कर इस कार्यक्रम का आनंद उठाया। अतिथियों सहित सभी ने गरबा व डांडिया में भी भाग लिया। अंत में बी के मीना बहन ने सभी भक्तों को प्रसाद वितरण किया।

विप्र सेना के नि:शुल्क चिकित्सा शिविर के पोस्टर का हुआ विमोचन

» जागरूक जनता @ जयपुर। विप्र सेना प्रमुख सुनील तिवारी के जन्मदिन के अवसर पर विप्र सेना जयपुर द्वारा आयोजित विशाल रक्तदान शिविर तथा निशुल्क जांच व चिकित्सा परामर्श शिविर का पोस्टर विमोचन नगरीय विकास एवम स्वायत शासन मंत्री झाबर सिंह खर्रा ने किया । विप्र सेना जयपुर विद्याधर नगर अध्यक्ष अजीत कुमार शर्मा ने बताया कि रक्तदान शिविर तथा निशुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर का 18 अक्टूबर को सुबह 10 से सांय 4 बजे तक शेखावाटी हॉस्पिटल विद्याधर नगर में आयोजित होगा। इस अवसर पर नवीन शर्मा, अजीत जोशी, सीए अंकित पारीक, हिमांशु जोशी रविकांत गौड़, राहुल शर्मा, नीरज सोनी, राहुल सोनी आदि मौजूद रहे ।

लैंगिक असमानता के प्रति संवेदनशीलता बढ़ाने हेतु कार्यशाला

» जागरूक जनता @ जयपुर। कानोड़िया पीजी महिला महाविद्यालय में "पर्सनल इज़ पॉलिटिकल" विषय पर 10 दिवसीय कार्यशाला का उद्घाटन हुआ। कार्यक्रम का उद्देश्य लैंगिक असमानता के प्रति छात्राओं मे संवेदनशीलता बढ़ाना था। इसमें विभिन्न संकायों की 100 पंजीकृत छात्राओं को शामिल किया गया। यह कार्यक्रम समाज में व्यक्तिगत मुद्दों और उनकी राजनीतिक महत्ता पर ध्यान केंद्रित करना एवं समझाना कि व्यक्तिगत मुद्दे और अनुभव कैसे व्यापक राजनीतिक संदर्भों से जुड़े होते हैं। यह उन्हें सामाजिक न्याय, समानता और लोकतांत्रिक मूल्यों के प्रति जागरूक करेगा। कार्यशाला में विभिन्न विशेषज्ञों द्वारा व्याख्यान दिए जाएंगे, जिसमें छात्राएँ अपने विचारों को साझा कर सकेंगी। महाविद्यालय प्राचार्य डॉ. सीमा अग्रवाल ने सभी अतिथियों का स्वागत किया एवं उन्होंने कहा कि कार्यशाला का आयोजन न केवल महिलाओं के अधिकारों को बढ़ावा देने के लिए है, बल्कि यह उन्हें अपनी आवाज उठाने के लिए प्रेरित भी करेगा।

दिवाली पर 7 दिन जगमग होंगे जयपुर के बाजार

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

जयपुर। दिवाली पर बाजारों में सामूहिक सजावट को लेकर काम शुरू हो गया है। इस बार बाजार 5 से 7 दिन तक जगमग होंगे। बाजारों को अलग-अलग थीम पर सजाया जा रहा है। उधर, व्यापारियों का कहना है कि प्रशासन से अनुमति मिली तो रात 2 बजे तक रोशनी करेंगे। चांदपोल बाजार को कैंडल थीम पर सजाया जा रहा है। बाजार में 29 अक्टूबर से 2 नवंबर तक लाइटिंग होगी। बाजार में छोटी चौपड़ पर मिस्र का पिरामिड देखने को मिलेगा।

एमआइ रोड: एमआइ रोड को राइजिंग राजस्थान थीम पर सजाया जा रहा है। विधिवत लाइट का स्वीच ऑन 28 अक्टूबर को होगा। रोशनी 3 नवंबर तक रहेगी। पांच बत्ती पर दीपकों की जगमगाहट नजर आएगी।

चौड़ा रास्ता : यहां हैरिटेज लुक नजर आएगा। राजस्थानी थीम पर बाजार को सतरंगी रोशनी से सजाया जाएगा। बाजार में श्रीराम भी दर्शन देते नजर आएंगे।

बाजार में रोशनी देर तक रहेगी तो अधिक लोग देख पाएंगे। इससे भीड़ भी एक साथ बाजार में नहीं आएगी। लोग रात तक रोशनी देख पाएंगे। पुलिस प्रशासन से इस बारे में चर्चा करेंगे।

-सुभाष गोयल, अध्यक्ष
जयपुर व्यापार महासंघ

धनतेरस से दिवाली तक रात दो बजे तक रोशनी की अनुमति के लिए प्रशासन से आग्रह किया जाएगा, जिससे लोग रात तक रोशनी देख पाएंगे।

-सुरेश सैनी, महामंत्री
जयपुर व्यापार महासंघ

अस्थि रोग विभाग वरिष्ठ आचार्य डॉ अनुराग धाकड़ के नेतृत्व में हुए ऑपरेशन

एसएमएस मेडिकल कॉलेज में किए 6 घंटे में 10 घुटने जोड़ो का प्रत्यारोपण

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

जयपुर। सवाई मान सिंह चिकित्सालय के अस्थि रोग विभाग की इकाई सप्तम में दस घुटने के जोड़ो का प्रत्यारोपण किया गया । राजस्थान के किसी भी सरकारी मेडिकल कॉलेज में पहली बार एक दिन में 10 घुटने के जोड़ वो भी मात्र 6 घंटे में प्रत्यारोपित किए गए हैं। ये सभी जॉइंट रिप्लेसमेंट इकाई सप्तम के प्रभारी वरिष्ठ आचार्य डॉ अनुराग धाकड के नेतृत्व में किये गये। जॉइंट रिप्लेसमेंट टीम में डॉ राकेश सिलायच (सहायक आचार्य), डॉ राजन महला, डॉ शुभम सोमरा, डॉ सुखदेव, डॉ लिंगराज, डॉ मनीष पूनिया, डॉ विपुल झाँझडीया, डॉ संजय पाटीदार, डॉ राजदीप, डॉ उग्रसेन भादू, डॉ अजय सैनी एवं डॉ महेश थे। सभी रोगियों को एनेस्थीसिया विभागाध्यक्ष डॉ त्रिशला जैन के नेतृत्व में, डॉ श्रीफल मीना (भू.पू. विभागाध्यक्ष) डॉ ममता खंडेलवाल (वरिष्ठ आचार्य), डॉ अमित कुलश्रेष्ठ, (वरिष्ठ विशेषज्ञ निश्चेतन), डॉ हेमंत रावत (सीनियर रेज़ीडेंट) ने दिया। नर्सिंग ऑफ़िसर्स में प्रभारी रामकेश मीना, श्रीकान्त, अशोक, पूजा, प्रिंस, प्रणव एवं सुमन थे। साथ ही सेवा प्रदाता के रूप में राजेश कुड़ी ने सहयोग किया।

एक रोगी जो दूसरे राज्य से हैं उनको आर एम आर एस से राज्य सरकार द्वारा निर्धारित रियायती दर पर बाक़ी सभी रोगी जो राजस्थान के मूल निवासी है को सभी उच्च गुणवत्ता के कृत्रिम जोड़ राज्य सरकार द्वारा निःशुल्क उपलब्ध कराये गये हैं। सभी रोगी जॉइंट रिप्लेसमेंट के बाद स्वस्थ हैं।

अस्थि रोग विभाग के वरिष्ठ आचार्य एवं इकाई प्रभारी डॉ अनुराग धाकड ने बताया कि सभी रोगियों के सफलतापूर्वक स्वयं चलने के बाद अस्पताल से आवश्यक चिकित्सकीय दिशा निर्देशों के साथ छुट्टी दे दी गई है। सभी रोगी अब अपने सभी दैनिक कार्य स्वतंत्र रूप से बिना किसी की सहायता के कर सकते हैं।

जिला कलक्टर डॉ. जितेन्द्र कुमार सोनी ने ली अधिकारियों की बैठक

जिले में ज्यादा से ज्यादा निवेश आकर्षित करने के लिए हो हर संभव प्रयास- जिला कलक्टर

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

जयपुर। जयपुर, जयपुर ग्रामीण एवं दूदू जिलों की जिला स्तरीय इन्वेस्टर्स मीट का आयोजन 8 नवंबर को राजस्थान इंटरनेशनल सेंटर, जयपुर में किया जाएगा। मीट के सफल आयोजन के लिए संपूर्ण जिले के उद्यमियों से संपर्क किया जा रहा है। जिला कलक्टर ने कहा कि मीट में ज्यादा से ज्यादा निवेश प्रोत्साहन एवं एमओयू हस्ताक्षर किये जाएं इसके लिए विभागीय अधिकारी हर संभव प्रयास करें एवं निवेश के लिए अनुकूल वातावरण तैयार करें। कलेक्टर जितेन्द्र कुमार सोनी की अध्यक्षता में सोमवार को राजस्थान स्टेट इंडस्ट्रियल डेवलपमेंट एंड इन्वेस्टमेंट कारपोरेशन (रीको) की जयपुर मे स्थापित इकाईयो के इकाई प्रभारियो एवं के पदाधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में जिले के औद्योगिक विकास निवेश संभावनाओं और उद्योगपतियों को आ रही परेशानियों के बिंदुओं पर चर्चा की गई। बैठक में कलेक्टर द्वारा राईजिंग राजस्थान मीट के उद्देश्यों और संभावनाओं पर चर्चा की। उन्होने कहा कि यह आयोजन जिले के निवेश को प्रोत्साहित करने और अन्य उद्योग क्षेत्रों के विकास के लिए महत्वपूर्ण कदम है।

जंगल सफारी, टाइगर व लेपर्ड रिजर्व के वीडियो, फोटो सोशल साइट्स पर किए जाएंगे अपलोड

जंगल की सैर हुई आसान, घर बैठे 90 दिन के लिए करा सकेंगे ऑनलाइन बुकिंग

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

जयपुर। जयपुर में जंगल सफारी के लिए पर्यटक टिकट बुक अब ऑनलाइन करा सकते हैं लेकिन यह सुविधा केवल तीन माह के लिए होगी। इसके अलावा जंगल सफारी, टाइगर व लेपर्ड रिजर्व के वीडियो, शॉर्ट मूवी और फोटो ज्यादा से ज्यादा सोशल साइट्स पर अपलोड किए जाएंगे। जिससे विदेशी सैलानियों की संख्या बढ़े। यह निर्णय सचिवालय में वन विभाग की उच्च स्तरीय बैठक में लिए गए। विभाग की अतिरिक्त मुख्य सचिव अपर्णा अरोड़ा ने बताया कि वन भूमि के सीमांकन के लिए राजस्व विभाग की तर्ज पर वन विभाग में भी हाई पावर कमेटी बनाई जाएगी ताकि वन भूमि पर होने वाले अतिक्रमण को रोका जा सके।

नाहरगढ़ बायोलॉजिकल पार्क में सफारी

सीएम भजनलाल शर्मा ने 7 अक्टूबर को नाहरगढ़ बायोलॉजिकल पार्क सफारी का उद्घाटन किया था। 8 किमी. लंबा सफारी ट्रैक बनाया गया है। सैलानी अब वाहन में बैठकर 45 मिनट तक सफारी का आनंद ले सकेंगे।

'तारा' ने दिया शावक को जन्म

» जागरूक जनता @ जयपुर। राजधानी जयपुर के नाहरगढ़ बायोलॉजिकल पार्क के नाहरगढ़ लायन सफारी में शेरनी तारा ने एक शावक को जन्म दिया है। शावक की हालत गंभीर बताई जा रही है। डीसीएफ जगदीश गुप्ता ने शावक की मॉनिटरिंग बढ़ाने के निर्देश दिए हैं। शावक को नियो नेटल केयर यूनिट में रखा गया है. शेरनी तारा करीब 7 वर्ष की बताई जा रही है। वर्ष 2017 में नाहरगढ़ बायोलॉजिकल पार्क में शेरनी तारा का जन्म हुआ था। शेरनी तारा को लायन सफारी में शेर शक्ति के साथ जोड़ा बनाकर रखा गया था। डीसीएफ जगदीश गुप्ता के मुताबिक नाहरगढ़ बायोलॉजिकल पार्क में रहवास कर रही शेरनी तारा वर्ष 2017 में जन्मी थी। शेरनी तारा ने रविवार रात करीब 1:15 बजे एक शावक को जन्म दिया है। शेरनी की ओर से शावक की देख रेख और फीडिंग नहीं करने पर शावक को करीब 3:30 बजे अस्पताल में शिफ्ट किया गया।

सीएम ने रखा नाम : करीब 5 महीने पहले बाघिन रानी ने चार शावको जन्म दिया था, जिसमें से एक मृत पैदा हुआ था और दूसरे शावक की अगले दिन मौत हो गई थी। शेष दो शावकों को मां से अलग करके रेस्क्यू सेंटर में रखा गया था, जहां पर शावकों की विशेष देखभाल की गई। दोनों शावक बड़े हो चुके हैं, जिन्हें कराल में शिफ्ट किया गया है। हाल ही में नाहरगढ़ टाइगर सफारी का लोकार्पण करने के लिए पहुंचे मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने दोनों शावकों का नामकरण किया था। नर शावक का नाम भीम और मादा शावक का नाम स्कंदी रखा गया।

सिंगापुर निवेशक रोड शो से 'राइजिंग राजस्थान' ग्लोबल इन्वेस्टमेंट समिट-2024 के लिए बना माहौल

सिंगापुर को 'पार्टनर कंट्री' बनने के लिए राजस्थान ने किया आमंत्रित

पीएसए होराइजन्स, सुरबाना जुरोंग, सेम्बकॉर्प, मैपलट्री, एसटी इंजीनियरिंग, एसटी टेलीमीडिया ग्लोबल डेटा सेंटर जैसी सिंगापुर की कंपनियों ने राजस्थान में कारोबार करने में रुचि दिखायी

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

जयपुर। उद्योग एवं वाणिज्य मंत्री कर्नल राज्यवर्धन राठौड़ के नेतृत्व में राजस्थान सरकार के एक उच्च स्तरीय प्रतिनिधिमंडल के हाल के सिंगापुर दौरे से 'राइजिंग राजस्थान' ग्लोबल इन्वेस्टमेंट समिट-2024 के लिए उचित माहौल बनाने में काफी मदद मिली है। सिंगापुर के इस दौरे में राज्य सरकार के प्रतिनिधिमंडल ने वहां इन्वेस्टर रोड शो में भाग लिया और वैश्विक स्तर पर पहचान रखने वाली सिंगापुर की कई बड़ी कंपनियों से मुलाकात की। इनमें से कई कंपनियों ने राज्य सरकार के साथ आपसी सहयोग बढ़ाने, राजस्थान में व्यापार के अवसरों की जानकारी लेने और प्रदेश में कारोबार करने के प्रति इच्छा जतायी। इनमें सिंगापुर की कुछ प्रमुख कंपनियां जैसे कि सेम्बकॉर्प, पीएसए होराइजन्स, सुरबाना जुरोंग, एसटी इंजीनियरिंग, एसटी टेलीमीडिया, मैपलट्री इन्वेस्टमेंट्स आदि शामिल हैं। इनमें से कुछ कंपनियों ने उद्योग और वाणिज्य मंत्री कर्नल राठौड़ के नेतृत्व वाले प्रतिनिधिमंडल से नीमराणा स्थित जापानी निवेश क्षेत्र की तर्ज पर सिंगापुर की कंपनियों के लिए एक विशेष निवेश या औद्योगिक क्षेत्र स्थापित करने का भी अनुरोध किया। राज्य सरकार के प्रतिनिधिमंडल की इस 4-दिवसीय सिंगापुर यात्रा में उद्योग एवं वाणिज्य मंत्री के अलावा, मुख्य सचिव सुधांश पंत, चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग की प्रमुख शासन सचिव श्रीमती गायत्री राठौड़ और राजस्थान सरकार के अन्य अधिकारी शामिल थे। इसके अलावा, प्रतिनिधिमंडल के संग सिंगापुर में भारत के उच्चायुक्त डॉ. शिल्पक अम्बुले ने भी इन्वेस्टर रोड शो और कई अन्य बैठकों में हिस्सा लिया।

सिंगापुर की इस यात्रा के दौरान शहरी विकास, यूटीलिटीज और अक्षय ऊर्जा की वहां की एक प्रमुख वैश्विक कंपनी सेम्बकॉर्प के साथ एक मुलाकात में राज्य सरकार के इस प्रतिनिधिमंडल ने कंपनी के अधिकारियों को राजस्थान में उपलब्ध अवसरों की जानकारी दी और उनसे प्रदेश में निवेश के लिए आग्रह किया। इस मुलाकात के दौरान सेम्बकॉर्प के अधिकारियों ने राजस्थान में व्यावसायिक अवसरों की जानकारी लेते हुए प्रदेश में निवेश करने की इच्छा जतायी। इसी तरह की एक अन्य मुलाकात में, लॉजिस्टिक क्षेत्र की अग्रणी कंपनी पीएसए होराइजन्स ने राज्य में मल्टीमॉडल लॉजिस्टिक्स पार्क (एमएमएलपी) और इनलैंड कंटेनर डिपो (आईसीडी) विकसित करने का इरादा व्यक्त किया। वहीं सिंगापुर की अग्रणी इंजीनियरिंग और शहरी विकास कंसल्टेंसी कंपनी सुरबाना जुरोंग ने राजस्थान में औद्योगिक पार्कों के आगामी विकास के लिए कंसल्टेंसी सेवाएं देने में रुचि दिखायी।

इसके अलावा, प्रतिनिधिमंडल ने बालोतरा में बन रहे राजस्थान पेट्रो जोन में निवेश के लिए जुरोंग आइलैंड पेट्रोकेमिकल कॉम्प्लेक्स के अधिकारियों के साथ चर्चा की, जबकि एक अन्य मुलाकात में एसटी इंजीनियरिंग और एसटी टेलीमीडिया ग्लोबल डेटा सेंटर के प्रतिनिधियों ने राज्य में नए व्यावसायिक अवसरों के प्रति रुचि दिखाई। एसटी इंजीनियरिंग के अधिकारी एविएशन एमआरओ जैसे क्षेत्रों में निवेश के लिए उत्सुक थे, वहीं एसटी टेलीमीडिया ग्लोबल डेटा सेंटर जयपुर में एक को-लोकेशन डेटा सेंटर स्थापित करना चाहता है। इसी तरह की एक अन्य मुलाकात में, एक प्रमुख रियल एस्टेट डेवलपर मैपलट्री इन्वेस्टमेंट्स ने राजस्थान में एक लॉजिस्टिक्स सेंटर स्थापित करने की इच्छा जतायी। इस कंपनी की देश के पुणे, मुंबई और चेन्नई जैसे शहरों में कारोबार है और मुलाकात के दौरान इसके अधिकारियों ने कंपनी की विस्तार योजनाओं की चर्चा करते हुए कहा कि भारत में कारोबार बढ़ाने की सूची में राजस्थान अग्रिम पंक्ति में हैं। राज्य में कौशल विकास बढ़ाने के लिए इस क्षेत्र की एक अग्रणी कंपनी आईटीई एजुकेशन सर्विसेज के अधिकारियों को प्रतिनिधिमंडल ने राजस्थान का दौरा करने और अपस्किलिंग क्षेत्र में सहयोग का आमंत्रण दिया। सिंगापुर के निवेशकों और कंपनियों की उत्साहजनक प्रतिक्रिया के बारे में बताते हुए उद्योग और वाणिज्य मंत्री कर्नल राज्यवर्धन राठौड़ ने कहा, "इन्वेस्टमेंट समिट से पहले इन्वेस्टर रोड शो आयोजित करने का उद्देश्य राजस्थान में उपलब्ध नए निवेश अवसरों के लिए जानकारी देना है और सिंगापुर की कंपनियों द्वारा दिखाई गई जबरदस्त प्रतिक्रिया से साफ है हमारे प्रयास सही दिशा में हैं। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में आगामी 'राइजिंग राजस्थान' ग्लोबल इन्वेस्टमेंट समिट 2024 को शानदार बनाने के लिए हम कोई कसर नहीं छोड़ रहे हैं। सिंगापुर यात्रा के दौरान हम लोगों ने वहां की सरकार की कई एजेंसियों, जिन्होंने शहरी कायाकल्प, सार्वजनिक परिवहन, जल प्रबंधन आदि के क्षेत्रों में विश्व स्तर पर अपनी छाप छोड़ी है, के साथ भी मुलाकात की और उनसे हमारी बातचीत बहुत अच्छी रही।

'राइजिंग राजस्थान' ग्लोबल इन्वेस्टमेंट समिट 2024 एक नज़र

'राइजिंग राजस्थान' ग्लोबल इन्वेस्टमेंट समिट 2024 का आयोजन इस साल 9, 10 और 11 दिसंबर को राजधानी जयपुर में होगा। इसका आयोजन राजस्थान सरकार के तत्वाधान में उद्योग एवं वाणिज्य विभाग, ब्यूरो ऑफ इन्वेस्टमेंट प्रोमोशन (बीआईपी) और राजस्थान स्टेट इंडस्ट्रियल डेवलपमेंट एंड इन्वेस्टमेंट कॉरपोरेशन (रीको) के सहयोग से आयोजित किया जा रहा है, जिसका नोडल विभाग बीआईपी है। इस त्रि-दिवसीय मेगा समिट का उद्देश्य देश-विदेश की बड़ी-छोटी कंपनियों, अंतरराष्ट्रीय संस्थाओं और निवेशकों को राज्य में आ कर काम करने के लिए आमंत्रित करना, प्रदेश में विभिन्न तरह के उद्योग-धंधे लगाने में मदद करना और अन्य सुविधाएँ मुहैया कराना है। इस ग्लोबल समिट के दौरान कृषि, अक्षय ऊर्जा, शिक्षा और कौशल, ऑटो और ईवी (इलेक्ट्रिक व्हीकल्स), इंफ्रास्ट्रक्चर, केमिकल और पेट्रो-केमिकल, पर्यटन, स्टार्टअप, खनन और ईएसडीएम/आईटी और आईटीईएस सहित विभिन्न क्षेत्रों पर विशेष सत्र का आयोजन होगा। इन्वेस्टर रोडशो के सिंगापुर चरण का आयोजन वहां मौजूद भारतीय उच्चायोग एवं कन्फेडरेशन ऑफ इंडियन इंडस्ट्री (सीआईआई) के सहयोग से किया गया था। सीआईआई 'राइजिंग राजस्थान' ग्लोबल इन्वेस्टमेंट समिट 2024 का समिट इंडस्ट्री पार्टनर है। इसके अलावा पीडब्ल्यूसी इंडिया इस इन्वेस्टमेंट समिट का नॉलेज पार्टनर है।

राईजिंग राजस्थान ग्लोबल इन्वेस्टमेन्ट समिट 2024

समिट को सफल बनाने के लिए अधिकारी मुस्तैदी से करे काम- विशाल

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

जयपुर। शासन सचिव कृषि एवं उद्यानिकी राजन विशाल की अध्यक्षता में पंत कृषि भवन के सभा कक्ष में राईजिंग राजस्थान ग्लोबल इन्वेस्टमेन्ट समिट 2024 के आयोजन से पूर्व 24 अक्टूबर को जयपुर में आयोजित होने वाले कृषि, उद्यानिकी, पशुपालन, मत्स्य, डेयरी एवं सहकारिता विभाग की प्री समिट की व्यवस्थाओं के क्रियान्वयन हेतु विभागों को सौंपे गये दायित्वों के निर्वहन के सम्बन्ध में बैठक कर चर्चा की गई। शासन सचिव ने बताया कि इससे राजस्थान की कृषि क्षेत्र की संभावनाओं से प्री समिट में भाग लेने वाले प्रतिभागियों के साथ ही देश दुनिया के कृषि क्षेत्र से जुड़े लोग भी रूबरू हो सकेंगे।

बैठक में राईजिंग राजस्थान ग्लोबल इन्वेस्टमेन्ट समिट 2024 के 24 अक्टूबर को अयोजित होने वाली तैयारी को लेकर कृषि, उद्यानिकी, पशुपालन, मत्स्य, डेयरी एवं सहकारिता विभाग के अधिकारियों के साथ विस्तृत चर्चा हुई। शासन सचिव कृषि एवं उद्यानिकी ने समिट 2024 के प्री इन्वेस्टमेन्ट समिट हेतु नियुक्त नोडल अधिकारियों को सौंपे गये दायित्वों की प्रगति की समीक्षा की एवं दिये गये कार्यो को समय पर जिम्मेदारी के साथ पूर्ण करने के निर्देश दिये।

राजन विशाल ने बताया कि प्री समिट को बहुपयोगी बनाने के लिए अतिरिक्त निदेशक कृषि विपणन विभाग रविन्द्र कुमार शर्मा को इवेन्ट मैनेजमेन्ट कमेटी में अतिथियों की सूची एवं आमंत्रण की जिम्मेदारी सौंपी गई है। प्री समिट में निवेश प्रस्तावों के एमओयू के लिए सम्पर्क, सहयोग व समन्वय की जिम्मेदारी महाप्रबंधक कृषि विपणन बोर्ड संजय शर्मा को दी गई है। वहीं लॉजिस्टिक एवं प्रोटोकॉल कमेटी की जिम्मेदारी निदेशक राजस्थान बीज प्रमाणीकरण संस्था के.सी. मीना व साहित्य सामग्री तैयार करवाने की जिम्मेदारी अतिरिक्त निदेशक कृषि (अनुसंधान) के.सी. मीना को दी गई है। इसी तरह मीडिया एवं पब्लिसिटी की जिम्मेदारी मुख्य लेखाधिकारी कृषि विपणन विभाग कौशल्या सांकृत्य को जिम्मा दिया गया है। सभी प्रभारी अपने टीम सहयोगियों के साथ तय समय सीमा में तैयारियां सुनिश्चित करेंगे। राईजिंग राजस्थान ग्लोबल इन्वेस्टमेन्ट समिट 2024 का आयोजन 9-11 दिसम्बर को जयपुर में होगा। आयोजन राजस्थान सरकार के तत्वाधान में उद्योग एवं वाणिज्य विभाग, ब्यूरो ऑफ इन्वेस्टमेन्ट प्रोमोशन (बीआईपी) और राजस्थान स्टेट इण्डस्ट्रीयल डेवलपमेन्ट एण्ड इन्वेस्टमेन्ट कॉरपोरेशन (रीको) के सहयोग से किया जा रहा है। बैठक में आयुक्त कृषि चिन्मयी गोपाल, आयुक्त उद्यानिकी सुरेश कुमार ओला, निदेशक कृषि विपणन विभाग राजेश कुमार चौहान सहित अन्य विभागीय अधिकारी उपस्थित रहे।

जयपुर डिस्कॉम ने विद्युत बिलों के भुगतान की तिथि 17 तक बढाई

» जागरूक जनता @ जयपुर। बिलिंग सर्वर डाउन होने एवं पेमेंट गेटवे में 14 अक्टूबर को तकनीकी समस्या आने की वजह से जयपुर डिस्कॉम द्वारा बिजली बिलों की देय तिथि को 14 अक्टूबर से बढ़ाकर 17 अक्टूबर कर दिया है। उपभोक्ता अपने विद्युत बिल का बिना किसी पेनल्टी के 17 अक्टूबर, 2024 तक ऑनलाइन अथवा ऑफलाइन माध्यम से भुगतान कर सकते हैं। निगम द्वारा जारी विज्ञप्ति के अनुसार बिलिंग सर्वर डाउन होने व पेमेंट गेटवे में आई इस तकनीकी समस्या का समाधान कर दिया गया है और उपभोक्ता अब ऑनलाइन माध्यम से भी अपने बिजली बिलों का भुगतान कर सकतें हैं। इसके साथ ही उपभोक्ताओं को ऑनलाइन भुगतान सुविधा का लाभ लेने के लिए बिजली मित्र एप की सुविधा पहले से ही उपलब्ध करवाई हुई है।

आज से बदल जाएगा स्कूलों का समय

» जागरूक जनता @ जयपुर। प्रदेश के सभी सरकारी स्कूलों में बुधवार से समय परिवर्तन किया जाएगा। अब स्कूल सुबह दस बजे से शाम चार बजे तक लगेंगे। शिविरा पंचांग के अनुसार स्कूलों का शीतकालीन समय एक अक्टूबर से प्रभावी हो जाता है लेकिन इस बार 1 अक्टूबर को तापमान अधिक रहने पर पंचांग में संशोधन कर ग्रीष्मकालीन की अवधि 15 अक्टूबर तक बढ़ा दी थी। अब तापमान कम होने लग गया है। ऐसे में स्कूलों का समय 16 अक्टूबर से सुबह दस बजे से शाम चार बजे तक हो जाएगा।

शिक्षा विभाग की शिविरा पंचाग के अनुसार 1 अक्टूबर से शीतकालीन समय लागू हो जाता है। इसके अनुसार एक अक्टूबर से 30 मार्च तक स्कूलों का समय सुबह 10 बजे शाम 4 बजे तक किया जाता है। लेकिन पिछले 2 सालों से अक्टूबर की शुरूआत में भी तेज गर्मी पड़ रही है। ऐसे में शिक्षा विभाग हर बार एक अक्टूबर से स्कूल समय नहीं बदल रहा है। इस बार यह लगातार तीसरा साल है, जब अक्टूबर में स्कूलों का समय 16 अक्टूबर से बदल रहा है।

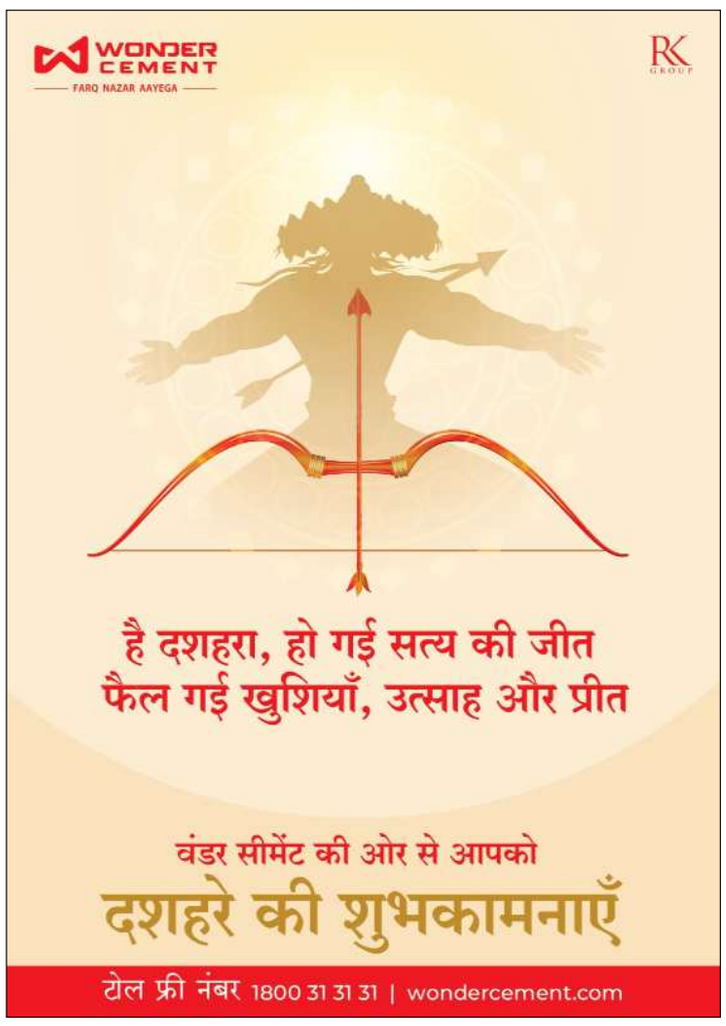

सम्पादकीय

शक्ति संस्थानों की

इस वर्ष अर्थशास्त्र का नोबेल पुरस्कार तीन ऐसे विद्वानों को दिया जा रहा है जिन्हें एक बेहद साधारण प्रश्न करने में विशेषज्ञता हासिल है, देश अमीर कैसे बनते हैं? ये विद्वान पारंपरिक संदर्भों में अकादमिक अर्थशास्त्री नहीं हैं। निश्चित तौर पर डैरन एसमोगलू अपनी पीढ़ी के सर्वाधिक प्रतिष्ठित प्रोफेसरों में से एक हैं। परंतु साइमन जॉनसन एक बिजनेस स्कूल में उद्यमिता के प्रोफेसर और अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष के पूर्व मुख्य अर्थशास्त्री हैं। जेम्स ए रॉबिनसन लंबे समय तक राजनीति विज्ञान और लोक नीति विभागों में रहे हैं। किसी देश के सफल या विफल होने से संबंधित प्रश्न के लिए तीन अलग-अलग दृष्टिकोणों का आपसी सामंजस्य जरूरी था ताकि उसे कामयाबी मिल सके। प्रोफेसर एसमोगलू, जॉनसन और रॉबिनसन (या एजेआर) ने जिस प्रेरणा के साथ अपनी जांच शुरू की वह एकदम साधारण थी, कुछ देश मध्यकाल में अमीर क्यों थे और आज वे गरीब क्यों हैं जबकि अन्य देश जो उस समय गरीब थे आज अमीर हो चुके हैं? यह 'भारी उलटफेर' यूं ही हो गया इसकी कोई ठोस वजह है? इसका उत्तर एकदम सहज था, 'संस्थान।' यह शब्द अब बहुत अधिक इस्तेमाल किया जा रहा है- आंशिक तौर पर ऐसा एजेआर के काम के कारण भी है लेकिन इसका प्रयोग बिना इसे ठीक तरह से समझे किया जा रहा है। संस्थानों से इन विद्वानों का तात्पर्य था शक्ति के प्रयोग पर सीधे और लागू किए जाने लायक प्रतिबंध। आदर्श स्थिति में देखें तो संस्थानों का उभार विभिन्न समूहों के बीच सत्ता के इस्तेमाल के संतुलन के लिए हुआ ताकि शक्ति का जरूरत से अधिक इस्तेमाल सीमित किया जा सके और यह सुनिश्चित हो सके कि दीर्घावधि में संपत्ति पर अधिकार सरीखे वृद्धि को बढ़ावा देने वाले उपायों का संरक्षण होगा। यह निवेश का मार्ग प्रशस्त करता और उद्यमिता और वृद्धि फलते-फूलते। एजेआर के मूल पर्चे में दो दशक पहले इस प्रभाव को एक चतुराईपूर्ण उपाय के जरिये दर्शाया गया था। प्रश्न यह था कि यह कैसे दर्शाया जाए कि संस्थानों के कारण वृद्धि हुई, न कि संस्थान संपत्ति निर्माण के कारण या उसके समांतर पैदा हुए। यह दिखाने का एक तरीका तो यह होता कि उन संस्थानों की पहचान की जाती जो संपत्ति के अलावा अन्य वजहों से उभरे और उसके बाद यह देखा जाता कि क्या इन संस्थानों वाले देशों का प्रदर्शन बेहतर रहा? वैसा करने के लिए एजेआर-जिसके एक सदस्य तुर्किये के हैं और दो अंग्रेज, ने स्वाभाविक रूप से उपनिवेशवाद का रुख किया। उन्होंने यह उचित धारणा बनाई कि औपनिवेशिक काल में दौरान जिन स्थानों पर यूरोपीय लोग स्वस्थ रहे वहां अधिक यूरोपीय लोग बसने लगे और यदि किसी उपनिवेश में मूल निवासियों की तुलना में यूरोपियों की तादाद अधिक थी तो उनकी संस्थाओं के शोषक और कम प्रतिनिधित्व वाला होने की संभावना कम थी। उसके बाद उन्होंने इसका इस्तेमाल यह दिखाने के लिए किया कि जिन जगहों पर यूरोपीय लोग बसे उनका प्रदर्शन समय के साथ बेहतर रहा। वास्तव में शताब्दियों पहले जब एक बार 'यूरोपीय मृत्यु दर में अंतर' को नियंत्रित कर लिया गया तो 'अफ्रीका या भूमध्य रेखा के करीब के देशों में आय कम नहीं रही।' जैसा कि उन्होंने कहा, 'तुलनात्मक विकास की औपनिवेशिक उत्पत्ति' संस्थागत ताकत की सत्ता में एक उल्लेखनीय अंतदृष्टि की तरह थी। तब से उन्होंने अपने विश्लेषण को कई क्षेत्रों में विस्तारित किया है। इसमें कृषि स्वामित्व, मताधिकार का विस्तार और विभिन्न पीढ़ियों में कुलीन सत्ता की उपस्थिति शामिल हैं। परंतु एजेआर का मुख्य तर्क बरकरार रहा है कि भाग्य या जीन नहीं बल्कि संस्थागत चयन आर्थिक सफलता के लिए जिम्मेदार हैं।

दो हैक्टेयर क्षेत्र में फैले इस मंदिर का गर्भ गृह छोटा है। मंदिर की वास्तु कला में पारंपरिक दक्षिण भारतीय शैली की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत की झलक नजर आती है। दक्षिण के अन्य मंदिरों की तरह यहाँ 4 गोपुरम हैं और कई मंडपम, स्तम्भ हैं। देवी पार्वती को यहां भ्रामरंबा के रूप में पूजा जाता है।

दक्षिण का कैलाश भी और शक्तिपीठ भी

मन्जू माहेश्वरी
पत्रकार
@jagrukjanta.net

» जागरूक जनता
jagrukjanta.net

मंदिर में स्पर्श दर्शन के टिकट 500 रुपए में, अति शीघ्र दर्शन के 300 रुपए में और शीघ्र दर्शन के 150 रुपए में उपलब्ध हैं। नि:शुल्क दर्शन में आपको लंबा इंतजार करना पड़ सकता है। विशेष दिनों या उत्सवों पर ऑनलाइन बुकिंग करवा कर दर्शन किए जा सकते हैं। सावन माह और शिवरात्रि के मौके पर यहाँ खास भीड़ होती है।

आज हम आपको लिए चलते हैं उस स्थान पर, जहां एक ही मंदिर में ज्योतिर्लिंग और शक्तिपीठ दोनों विद्यमान हैं। जी हां, मल्लिकार्जुन ज्योतिर्लिंग, जो आंध्र प्रदेश के कुरनूल जिले में कृष्णा नदी के किनारे श्रीसैल पर्वत पर स्थित है। यह भगवान शिव के 12 ज्योतिर्लिंगों में से एक और देवी के 18 शक्ति पीठों में से एक है। यह भी जान लें कि 'दक्षिण का कैलाश' पुकारे जाने वाले इस ज्योतिर्लिंग में भगवान शिव और पार्वती की संयुक्त रूप से दिव्य ज्योतियां विद्यमान हैं। मां पार्वती के नाम मल्लिका और भगवान शिव के नाम अर्जुन के साथ इसे 'मल्लिकार्जुन ' कहा जाने लगा। यह शिव और शक्ति दोनों संप्रदायों के लिए है। कहा जाता है कि मंदिर में पूजा करने से अश्वमेघ यज्ञ के पुण्य जितना फल प्राप्त होता है और जीवन में सुख- शांति, समृद्धि और सफलता आती है। कुछ लोग इसे सातवाहन राजवंश से जुड़ा बताते हैं और इसकी स्थापना दूसरी शताब्दी से पूर्व हुई मानते हैं। कुछ ऐतिहासिक सूत्र बताते हैं कि विजयनगर के राजा हरिहर राय ने इसे बनवाया था।

दो हैक्टेयर क्षेत्र में फैले इस मंदिर का गर्भ गृह छोटा है। मंदिर की वास्तु कला में पारंपरिक दक्षिण भारतीय शैली की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत की झलक नजर आती है। दक्षिण के अन्य मंदिरों की तरह यहाँ 4 गोपुरम हैं और कई मंडपम, स्तम्भ हैं। देवी पार्वती को यहां भ्रामरंबा के रूप में पूजा जाता है। मंदिर में शिव, देवी पार्वती, गणेश, कार्तिकेय और नंदी सहित कई देवताओं के मंदिर भी हैं। श्रीसैलम नगर तक ऊंचाई पर पूरे रास्ते में सड़कें बनी हैं। मंदिर में स्पर्श दर्शन के टिकट 500 रुपए में, अति शीघ्र दर्शन के 300 रुपए में और शीघ्र दर्शन के 150 रुपए में उपलब्ध हैं। नि:शुल्क दर्शन में आपको लंबा इंतजार करना पड़ सकता है। विशेष दिनों या उत्सवों पर ऑनलाइन बुकिंग करवा कर दर्शन किए जा सकते हैं। सावन माह और शिवरात्रि के मौके पर यहाँ खास भीड़ होती है।

शिव पुराण में इस मंदिर के लिए दिलचस्प कथा का जिक्र है। पहले विवाह करने की बात पर गणेश और कार्तिकेय में विवाद हो गया। पिता शिव जी और माता पार्वती ने कहा कि जो संपूर्ण दुनिया की परिक्रमा करके पहले आएगा, उसकी शादी पहले कर दी जाएगी। कार्तिकेय तुरंत अपनी मोर की सवारी पर बैठ चल पड़े। गणेश जी मूषक पर विराजमान हो गए और जहां शिव और पार्वती बैठे थे, उनकी परिक्रमा करने लगे। पूछने पर बोले कि मेरे लिए तो आप ही संपूर्ण संसार हैं। जाहिर है गणेश जी का बुद्धिमत्ता पूर्ण उत्तर सुन शिव- पार्वती ने उनकी शादी करवा दी। इधर जब कार्तिकेय पृथ्वी का चक्कर लगाकर लौटे, तो यह देख बड़े नाराज हुए और नाराज होकर क्रौंच पर्वत पर चले गए। वही पर्वत श्रीसैल पर्वत है। पुत्र को देखने की इच्छा से भगवान शिव और पार्वती वहां ज्योति रूप में प्रकट हुए। कहा जाता है कि तब से अमावस्या पर भगवान शिव और पूर्णिमा पर मां पार्वती यहां आते हैं।

मंदिर दर्शन के बाद आप आस-पास घूमने के लिए भी यहां काफी जगह हैं-साक्षी गणपति मंदिर, पंचधारा, पथालागंगा (पातालगंगा), श्रीसैलम बांध, अक्का महादेवी गुफाएं, ऑक्टोपस व्यू प्वाइंट आदि। मंदिर से पातालगंगा का रास्ता मात्र एक किलोमीटर दूर है। पातालगंगा में स्नान करने का धार्मिक महत्व है। इस पर पहुंचने के दो रास्ते हैं - 870 के करीब सीढ़ियां उतरना या रोप वे (केबल कार) से पहुंचना। रोप वे की ऊंचाई से आप हरियाली से लदे पहाड़ों और उसकी गोद में कृष्णा नदी के मंत्र मुग्ध कर देने वाले सुंदर दृश्यों को सिर्फ कैमरे में ही नहीं, आंखों में भी कैद कर लेंगे। लौटते समय या जाते समय कई व्यू प्वाइंट हैं, जहां से एक ओर श्रीसैलम बांध, तो दूसरी ओर पहाड़ों के आंचल में कृष्णा नदी (पातालगंगा) की खूबसूरती को निहारते रह जाएंगे। दिलचस्प है यह जानना कि श्रीसैलम बांध देश के जल विद्युत स्टेशनों में बड़ा बांध है। कुदरत ने दिल खोलकर हुक्क बिखेरा हैं यहां। रास्ते में ऑक्टोपस व्यू पॉइंट से मनमोहक जंगल और कृष्णा नदी के शानदार अद्भुत दृश्य देखने को मिलते हैं। यहां से नजारा पहाड़ियों के बीच ऑक्टोपस की तरह दिखता है। अगर आपके पास समय है तो रास्ते में टाइगर रिजर्व में वन सफारी की सवारी का आनंद ले सकते हैं। उसके बाद दर्शन कर वहीं गेस्ट हाउस या होटल में रात बिता सकते हैं। शॉपिंग के लिए यहां स्थानीय बाजार भी है।

प्रसिद्ध कन्नड़ कवयित्री और संत अक्का महादेवी गुफाएं यहां देखे जाने वाले स्थानों में से एक है। यहाँ यह भी जानना दिलचस्प होगा कि बारहवीं शताब्दी में जन्मीं अक्का महादेवी परम् शिव भक्त थीं। वे शिव को चेन्नमल्लिकार्जुन कहती थी। इनकी कवितायें भगवान शिव से प्रेम और आध्यात्मिक कल्याण पर रचित हैं। उत्तर भारत की भक्त मीराबाई के कृष्ण-प्रेम के समान ही अक्का महादेवी का शिव के प्रति प्रेम था। दोनों का वैवाहिक जीवन भी एक जैसा था। राजा कौशल से विवाह होने के बाद भी महादेवी शिवजी को अपना पति और आराध्य मानती थीं। उस दौर में महिलाओं के लिए अपनी राह अलग चुनने का संकल्प बहुत अलहदा बात थी।

यह भी जान लें कि मल्लिकार्जुन ज्योतिर्लिंग मंदिर तक पहुंचने के लिए घने जंगल से गुजरना पड़ता है इसलिए 6 बजे बाद जंगल वाले लंबे इलाके में गाड़ियां ले जाना माना है। यहां से निकटतम रेलवे स्टेशन मरकापुर है, जो मंदिर से 80 किलोमीटर दूर है। यहां से बस या टैक्सी ले सकते हैं। हैदराबाद का राजीव गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा निकटतम हवाई अड्डा है। हैदराबाद से सड़क मार्ग से मंदिर 214 किलोमीटर पड़ता है। यहां से टैक्सी या बस से मंदिर तक पहुंचा जा सकता है, जिसमें 4 से 5 घंटे तक लगते हैं।

(ये लेखक के अपने विचार है)

'जिंदगी भर नहीं भूलेगी वो बरसात की कालीरात....'

» जागरूक जनता
jagrukjanta.net

मनमोहन हर्ष
व्यंगकार/पत्रकार
@jagrukjanta.net

बा खबर! बमुलाहिजा!! होशियार!!! की वैधानिक चेतावनी की मुनादी संग हम आपको ठोक बजाकर ताकीद किए देते है कि 'हटकरजी' के हल्ले-गुल्लों को कहीं दिल से मत लगा बैठना। 'हटकरजी' जो कर गुजरते है या फिर मंडराती घटाओं के मध्य भी माहौल से 'किस्सों' को चुराकर गाहे-बगाहे 'किस्सागोई' की चादर तान देते है, वो हमारी नजर में केवल और केवल उनके 'बस का ही रोग' है। चादर तो क्या, हम तो कहेंगे कि ''हटकरजी' तो 'बातपोशी' का 'खूंटागाड़ देने में माहिर है। 'हटकरजी' जहां भी खांटी अंदाज में इसे गाड़ते है तो महफिल सज जाती है। फिर दूर तलक वे ही वे नजर आते हैं और जब हम जैसे निरीह और मजबूरन उनके मुरीद होचले प्राणी उनकी चपेट में आते हैं तो फिर मौका ताड़कर 'हटकरजी' अपना खोटा सिक्का जमकर चलाते है। 'हटकरजी' की 'शान में कसीदे' पढ़ते-पढ़ते ये जो कुछ हम खरे में खोट पैदा करने जैसे उलजलूल शब्दों को काम में लेकर उनका 'नैरेटिव' बिगाड़ने का 'खेला' कर बैठते है, इसे हमारी काली करतूत ही समझना, बेचारे 'हटकरजी' का इसमें कोई दोष नहीं है, वे तो डंके की चोट पर 24 कैरेट सरीखे कमाल है। अब 'हटकरजी' जैसे खरे लोगजब खरी-खरी कहने लगते है तो आज के दौर में हम जैसे नुगरे उसे कैसे बर्दाश्त कर सकते हैं। खाते भी 'हटकरजी' का है और उनकी ही थाली में छेद करने की गुस्ताखी भी करते रहते है। वैसे आप कहे तो हम इसको अपना दोष नहीं मानते हुए इसे 'जमाने का चलन' बताते हुए अपना 'पल्लाझाड़' ही लेते है।'हटकरजी' के पुराण का नया अध्याय सुनाने से पहले उनके चरित्र चित्रण में हमेशा की तरह बहक गए। खैर मुद्दे पर लौटते हुए फिर आपको सावचेत किए देते है किहम 'हटकरजी' द्वारा फिजाओं में घोल दिए जानेवाले नित नवीन-नूतन रस और करतबों को जो करीने से आपके सामने पेश करने का प्रयास करते है, उसके चक्कर में कतई मत फंसना। उनको या उनके किस्सों के कैरेक्टर्स को कॉपी करने की कोशिश में 'लेने के देने' भी पड़ सकते है। मानसून की मेहरबानी के बीच महान किस्म के जुगाड़ू 'हटकरजी' अपने 'भ्राता जुगाड़ू लाल'का किस्सा बीनकर लाए है। 'हटकरजी' बताते है कि वीकेंड में बरसात की उस रात को तकरीबन दो-ढ़ाई बजे के आसपास मूसलाधार बारिश के बीच मौहल्ले में खड़ी किसी कार का अलार्म बार-बार चित्कार करते हुए सबकी चैन की निद्रामें खलल डाल रहा था। आसमां से टपकते बेहिसाब पानी की बौछारों से पनपने वाले कलरव और शोर को तो इस बार के मानसून में इग्नोर करते हुए वे नींद में'चैन की बंशी बजाने' के आदि हो गए थे। मगर ये निगोड़े किसी कार के अलार्म ने उनकी 'नाक में दम'करदिया था। कहीं कोई कॉलोनी से किसी कार को चुराने की हिमाकत तो नहीं कर रहा है, ये जानकर 'हटकरजी' अनमने से आंखे मलते निद्रा रानी के आगोश से बमुश्किल निकले। बड़ी मशक्क से अपनी ऐनक सम्भालकर जैसे-तैसे गली में पहुंचे। उन्होंने मंजर देखा तो दंग रह गए। दूर खड़ी किसी कार के पास एक मानव अंधेरे में गले से छतरी लटकाए और एक हाथ में टॉर्च था में कार से कई चीजों को निकालकर आस-पास के घरों की नालियों से बहते पानी के नीचे डाल रहा था। 'हटकरजी' ने उसे कोई शातिर चोर जानकर मुहल्ले के कुछ यार-दोस्तों को चुपके से फोन कर जगा दिया। फिर बसरती बारिश में 'हटकरजी' और उनके चार यार उस कार की तरफ बढ़े। 'हटकरजी' ने आव देखा न तांव और सबसे पहले आगे बढ़कर कार से किलोल करते उस शख्स को पीछे से कसकर पकड़कर चोर-चोर का शोर मचाने लगे। मगर ये क्या, वह कोई 'नकबजन'नहीं बल्कि गली-मुहल्ले और गांव-गुवाड़ में सुविख्यात 'भ्राता जुगाड़ू लाल' निकले। जो बाबा आदम के जमाने की अपनी आउटडेटेड और कई अरसे से खड़ी अपनी कार के पावदान, सीट और कई इंटीरियर को बारी-बारी से निकालकर बारिश में बहती नालियों के नीचे डालकर कार वांशिंग का अद्भुत जुगाड़ काली रात के साए में कर रहे थे। 'हटकरजी' बताते है कि 'भ्राता जुगाड़ू लाल 'को सामने पाकर बारिश में पूरी तरह भीग चुके उनको और पड़ौसियों को सांप सूंघ गया। बकौल 'हटकरजी' जब'भ्राता जुगाड़ू लाल' के सताए वे मुहल्ले के दोस्तों के साथ उलटे पांव घर लौटे। ठोढ़ी को हाथ पर टिकाते हुए 'हटकरजी' ने कहा कि आज भी जब उस घटना को याद करता हूं तो मन से बरबस ही यह गीत निकलता है कि 'जिंदगी भर नहीं भूलेगी वो बरसात की कालीरात....'

'हटकरजी' लेखक के व्यंग्य पात्र है।

(ये लेखक के अपने विचार है)

सत्य दर्शन

।।श्री सद्गुरुदेव गोवर्धन पीठाधीश्वर श्री कृष्णदास कंचन महाराज।।

सत्य दर्शन के आधार श्रीसद्गुरु देव

वे ही समस्त सौंदर्य, माधुर्य और ऐश्वर्यों की खान हैं। वे ही अन्ततर्यामी द्रष्टा के रूप में हैं और वे ही दृश्यमान जगत के रूप में हैं। सर्वथा अनिर्वचनीय तथा विकल्परति होने पर भी द्रष्टा और दृश्य, व्याप्त और व्यापक के रूप में उनको बताया जाता है। वे केवल अनुभव स्वरूप, आनन्द स्वरूप एकमात्र परमेश्वर ही हैं। गुणमयी सृष्टि करने वाली माया के द्वारा ही उनका ऐश्वर्य छिपा हुआ है। माया के टूटते ही उनका दर्शन हो जाता है। जो परम सत्य वस्तु इस संसार की उत्पत्ति स्थिति और प्रलय का कारण है जो बनने वाला भी है और बनाने वाला भी है, जो स्वयं ही सब कुछ है, जो सब अवस्थाओं में उनके साक्षी रूप में विराजमान रहता है, जिसकी सत्ता से ही सत्तावान होकर शरीर, मन, प्राण आदि सब अपना-अपना काम करते हैं, वहही परमात्मा है। उस परम तत्व में इन्द्रियां, मन, बुद्धि की गति नहीं है। श्रुतियां भी उसे नेति नेति कहकर चुप हो जाती हैं। जब सृष्टि नहीं थी, तब केवल वही परमात्मा था। सृष्टि का निरूपण करने के लिए वही त्रिगुणमयी प्रकृति, ज्ञान प्रधान महतत्व,क्रिया प्रधान सूत्रात्मा और जीव की उपाधि रूप अहंकार कहलाता है। इन्द्रियां, मन, बुद्धि, चित्त, अहंकार आदि सब के अधिष्ठात्री देवताओं के रूप में सबका सब वही परमात्मा है। **क्रमशः**

ओपिनियन

टाटा की रतन स्वरूप मूल्यवान विरासत

» जागरूक जनता
jagrukjanta.net

तुषार पुरोहित
पत्रकार
@jagrukjanta.net

रतन टाटा ने करीब दो दशक से अधिक वक्त तक देश के सबसे बड़े कारोबारी समूह का नेतृत्व किया। सन 1991 में जेआरडी टाटा विरासत में 34 सूचीबद्ध और गैरसूचीबद्ध कंपनियों के एक असमान समूह को जिस हालात में छोड़ गए थे, उन्होंने उसे मजबूती प्रदान की। यह सही है कि टाटा समूह की आय और उसके लाभ का बड़ा हिस्सा पहले की तरह (रतन टाटा के टाटा संस का चेयरमैन बनने के पहले) अब भी तीन बड़ी कंपनियों टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज, टाटा मोटर्स और टाटा स्टील पर निर्भर है लेकिन आर्थिक उदारीकरण के दौर में विरासत संभालने वाले रतन टाटा ने इस विशालकाय समूह को एक दूरदर्शी और एकजुट समूह बनाया। लाइसेंस-परमिट राज में फलने-फूलने वाले अन्य प्रमुख उद्योगपतियों मसलन मोदी, सिंघानिया, रुइया व बिड़ला परिवार के कुछ सदस्यों का जहां पतन हो गया, वहीं टाटा समूह का लगातार मजबूत बने रहना कोई छोटी उपलब्धि नहीं है। समूह का नेतृत्व संभालने के पहले नेल्को में अपने कार्यकाल के दौरान रतन टाटा ने कोई उल्लेखनीय कारोबारी समझ नहीं दिखाई थी। कार्यकाल के आरंभ में ही उन्हें कई अग्नि परीक्षाओं से गुजरना पड़ा। समूह के कद्दावर लोगों ने उनका विरोध किया और टाटा मोटर्स की पुणे इकाई में सबसे बड़ी हड़ताल आरंभ हुई। उन्होंने दोनों चुनौतियों से निपटने में बहुत अधिक कौशल दिखाने के बजाय अपना ध्यान समूह के तत्कालीन कारोबारों को दुरुस्त और मजबूत बनाने में लगाया। वह उन कारोबारों से बाहर निकल गए जिनमें होड़ का कोई लाभ नजर नहीं आ रहा था। ये कारोबार थे-सौंदर्य-प्रसाधन, पर्सनल केयर, औषधि, कंप्यूटर हार्डवेयर और सीमेंट। सदी के करवट लेने के साथ ही रतन टाटा ने अपने स्वदेश केंद्रित समूह को वैश्विक बाजारों के मुताबिक ढालना आरंभ किया जिसके मिलेजुले परिणाम निकले। वर्ष 2007 में एंग्लो-डच कोरस स्टील और 2008 में वित्तीय संकट से पहले जगुआर-लैंड रोवर के अधिग्रहण ने समूह की वित्तीय स्थिति पर असर डाला। परंतु एक के बाद एक इन बड़े अधिग्रहणों ने वैश्विक स्तर पर समूह को अन्य कारोबारी समूहों के मुकाबले काफी आगे कर दिया।

विमानन और मोबाइल कलपुर्जा निर्माण पर उनके ध्यान ने समूह को भविष्य की सोचने वाला बनाया। प्रबंधकीय शैली में उन्होंने वे सभी विरोधाभास दर्शाए जो एक कारोबारी उत्तराधिकारी दिखा सकता है। उनके कुछ बड़े दांव ऐसे थे जो केवल एक मालिक द्वारा ही लिए जा सकते थे, न कि किसी ऐसे पेशेवर प्रबंधक द्वारा जो तिमाही नतीजों पर भी नजर रखता हो। ऐसे कदमों में एक था एक लाख रुपये से कम कीमत की कार बनाना और बेचना।इसके बावजूद 2008 में आई टाटा नैनो एक विफल प्रयोग साबित हुई। इसकी इंजीनियरिंग अच्छी नहीं थी और छोटी कारों के बाजार में उस समय की मजबूत होड़ के सामने वह टिक नहीं सकी। उसे 2018 में बंद कर दिया गया। देश की सबसे बड़ी ट्रक निर्माता कंपनी टाटा मोटर्स को कार निर्माण की दिशा में ले जाने के कारण भी कंपनी को कुछ समय तक नुकसान हुआ, हालांकि बाद में बेहतर इंजीनियरिंग और ब्रांडेड उत्पादों की मदद से वह देश की दूसरी सबसे बड़ी कार निर्माता कंपनी बन गई। घाटे में चल रही सरकारी विमानन कंपनी एयर इंडिया के अधिग्रहण के बाद समूह के नए-नए विमानन कारोबार पर क्या असर होगा यह अभी तक स्पष्ट नहीं है। सेवानिवृत्ति से पहले रतन टाटा ने इस सौदे पर भरपूर ध्यान दिया था। अन्य भारतीय समूहों के उलट हालात ने टाटा समूह को पेशेवर प्रबंधकों के भरोसे छोड़ दिया। इससे समूह अपेक्षाकृत कुशल ढंग से चला लेकिन वहां संगठनात्मक जांच परख या जोखिम लेने की प्रवृत्ति कम दिखी। तमाम आकर्षण और करिश्मे के बावजूद रतन टाटा आलोचना को पसंद नहीं करते थे। वर्ष 2013 में टाटा की जगह समूह के पहले गैर पारिवारिक चेयरमैन बनने वाले (अब दिवंगत) साइरस मिस्त्री के साथ उनका टकराव इस कमजोरी को रेखांकित करने वाला रहा।

जागरूक जनता Selfie विद डॉटर

लोक्षा डॉटर मुकेश शर्मा, सूरत

हमे भेजें

आप भी हमें अपने विचार, लेख, कविता, जन्मदिन की फोटो, सेल्फी विद् सन/डॉटर भेज सकते हैं।

jagrukjantanews@gmail.com

सम्पर्क करें : 9829329070, 9928022718

स्वात्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक ज्ञानेन्द्र मिश्रा के लिए जैमन प्रिन्टर्स प्राइवेट लिमिटेड, जी-1-68, रोड नम्बर-14, वीकेआई, जयपुर से मुद्रित एवं प्रशासनिक और विज्ञापन कार्यालय : बी-132, जे.पी. कॉलोनी, सैक्टर-4, विद्याधर नगर, जयपुर-302039 से प्रकाशित। फोन : 0141-3587886

पंचांग

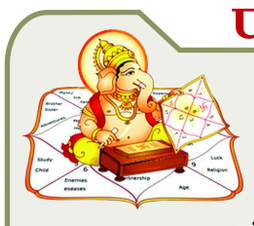

ज्योतिर्विद्
अक्षय शास्त्री

साकेत पंचांग, अन्तरराष्ट्रीय स्वर्ण पदक विजेता

जागरूक जनता पंचांग, नक्षत्र, तिथि, चौघड़िया

सूर्योदय-सूर्यास्त, तिथि

बुधवार, 16/10/2024

सूर्योदय : 06:30 **सूर्यास्त :** 17:53 **चन्द्रोदय :** 17:12 **चन्द्रास्त :** 04:54 **शक सम्वत :** 1946 क्रोधी **अमान्ता महीना :** आश्विन **पूर्णिमांत :** आश्विन **सूर्य राशि :** कन्या **चन्द्र राशि :** मीन **पक्ष :** शुक्ल **तिथि :** चतुर्दशी, 20:39 तक **वार :** बुधवार **चन्द्रमास आश्विन :** पूर्णिमान्त **विक्रम सम्वत :** 2081 पिङ्गल **आश्विन :** अमान्त **गुजराती सम्वत :** 2080 राक्षस

नक्षत्र, योग, करण

नक्षत्र : उत्तरभाद्रपदा, 19:08 तक
योग : ध्रुव, 10:04 तक
प्रथम करण : गारा, 10:30 तक
द्वितिय करण : वणिजा, 20:39 तक

शुभ समय

ब्रह्म मुहूर्त	04:42 ए एम से
प्रातः सन्ध्या	05:07 ए एम से
अभिजित मुहूर्त	कोई नहीं
विजय मुहूर्त	02:01 पी एम से
गोधूलि मुहूर्त	05:50 पी एम से
सायाह्न सन्ध्या	05:50 पी एम से
अमृत काल	03:04 पी एम से
निशिता मुहूर्त	11:42 पी एम से
रवि योग	06:23 ए एम से

निवास और शूल

दिशा शूल : उत्तर में
राहु काल वास : दक्षिण-पश्चिम में
चन्द्रवास : उत्तर में
कुंभ चक्र: पश्चिम में

चौघड़िया

दिन का चौघड़िया		रात का चौघड़िया	
लाभ	06:30 - 07:55	उद्वेग	17:52 - 19:27
अमृत	07:55 - 09:20	शुभ	19:27 - 21:02
काल काल वेला	09:20 - 10:46	अमृत	21:02 - 22:36
शुभ	10:46 - 12:11	चर	22:36 - 00:11
रोग वार वेला	12:11 - 13:36	रोग	00:11 - 01:46
उद्वेग	13:36 - 15:01	काल	01:46 - 03:21
चर	15:01 - 16:27	लाभ	03:21 - 04:55
लाभ	16:27 - 17:52	उद्वेग	04:55 - 06:30

अमृत, शुभ, लाभ और चर को शुभ चौघडिया माना जाता है एवं उदवेग, काल एवं रोग को अशुभ चौघडिया माना जाता है।

आज चतुर्थी

आज कौन सा कार्य करें

चतुर्थी, नवमी व चतुर्दशी रिक्ता तिथियां हैं। इनमें कोई भी मांगलिक कार्य नहीं करने चाहिए।

बुधवार को क्या करें

बुधवार की प्रकृति चर और सौम्य मानी गई है। यह भगवान गणेश और दुर्गा का दिन है। कमजोर मस्तिष्क वालों को बुधवार के दिन उपवास रखना चाहिए।

ये कार्य करें :- सूखे सिंदूर का तिलक लगाएं। बुधवार को दुर्गा के मंदिर जाना चाहिए। पूर्व, दक्षिण और नैऋत्य दिशा में यात्रा कर सकते हैं। इस दिन जमा किए गए धन में बरकत रहती है। मंत्रणा, मंथन और लेखन कार्य के लिए भी यह दिन उचित है। ज्योतिष, शेयर, दलाली जैसे कार्यों के लिए भी यह दिन शुभ माना गया है।

यह कार्य न करें:- उत्तर, पश्चिम और ईशान में यात्रा न करें। बुधवार को धन का लेन-देन नहीं करना चाहिए। बुधवार को लड़की की माता को सिर नहीं धोना चाहिए, ऐसा करने से लड़की का स्वास्थ्य बिगड़ता है या उसके समक्ष कोई कष्ट आता है।

नोट : शुक्ल पक्ष में एक से पंचमी तक तिथियां अशुभ कही गई हैं, क्योंकि इन तिथियों में चंद्रमा क्षीण बल होता है और चंद्र बल उन दिनों नहीं रहने से कार्य सफल नहीं होते हैं। इसी प्रकार कृष्ण पक्ष की एकादशी से अमावस्या तक तिथियों में चंद्र बल क्षीण होने से शुभ कार्य नहीं करने चाहिए।

राशिफल

आश्विन, शुक्ल, चतुर्दशी, 2081 बुधवार, 16 अक्टूबर - 22 अक्टूबर, 2024

मेष (चू, चे, चो, ला, ली, लू, ले, लो, अ)

नए कार्यो का आरंभ आज ना करें ना ही किसी को उधार दें। इसके बाद परिवार के सदस्यों का सहयोग मिलने लगेगा लेकिन घरेलू आवश्यकताओं को नजरअंदाज करने से अशांति बढ़ेगी।

वृषभ (ई,उ, ए, ओ, वा, वी, वु, वे, वो)

व्यापार में जिम्मेदारियाँ बढ़ सकती है। आपकी कर्तव्यनिष्ठा की प्रशन्सा होगी। मित्रों का सहयोग लेना हितकारी होगा। जो लोग आपके विरुद्ध थे, वे अचानक आपके पक्ष में आ सकते हैं।

मिथुन (क, की,कु,घ, ड,छ,के,को,ह)

विदेश में कार्यरत लोगों को सम्मान मिल सकता है। व्यवसाय में रुके हुये कार्यों में सफलता मिलेगी। जॉब में बदलाव करने का विचार बनायेंगे। प्रेम सम्बन्धों में कुछ प्रतिकूलता रहेगी।

कर्क (हि, हू, हे, हो, डा, डी, डू, डे, डो)

कार्य क्षेत्र या घर में परिवर्तन अथवा साज सज्जा में बदलाव भी कर सकते है समाज के प्रतिष्ठित लोगो से सम्मान मिलेगा लेकिन आर्थिक लाभ थोड़ा विलम्ब से होगा। दाम्पत्य सुख उत्तम रहेगा।

सिंह (मा, मी, मू, मे, मो, टा, टी, टु, टे)

व्यवहार कुशलता व संतोषि स्वभाव से सम्मानित होंगे। उधारी वसूलने में परेशानी आ सकती है। घर में मेहमानों के आने से वातावरण आनंदित होगा। पारिवारिक खर्च बढ़ने से परेशानी भी होगी।

कन्या (टो, पा, पी, पू, ष, ण, ठ, पे, पो)

संतान से पुराने मतभेद उभरने से पारिवारिक वातावरण अशान्त होगा। आर्थिक स्थिति बिगड़ने से कर्ज लेना पड़ सकता है।

तुला (रा, री, रू, रे, रो, ता, ती, तू, ते)

मित्र परिजनों के साथ ज्यादा समय बिताना पसंद करेंगे। फिजूल खर्ची से बचें। शारीरिक स्वास्थ्य अच्छा रहने से सप्ताह उत्साह पूर्ण रहेगा। लेकिन मिजाज का पता नही रहेगा रंग में भंग भी डाल सकती है।

वृश्चिक (तो,ना,नी, नू,या,यी,यू)

नौकरी पेशाओ को अतिरिक्त कार्य मिलने से असुविधा होगी काम लापरवाही से करेंगे। मित्रो के साथ बाहर घूमने का अवसर मिलेगा। ससुराल से लाभ होगा। पारिवारिक दायित्व बढ़ने से व्यस्तता रहेगी।

धनु (ये, यो, भा, भी, भू, धा, फ, ढ, भे)

नौकरीपेशा जातको को मेहनत का फल मिलेगा। विरोधियो पर विजय प्राप्त करेंगे। शुभ समाचार मिलने से मन प्रसन्न रहेगा। साहित्यकार, लेखक एवं पत्रकारों के लिए सप्ताह विशेष लाभदायक रहेगा।

मकर (भो, जा,जी, जू, खा, खू, गा, गी,)

परिजनों के साथ मित्रवत व्यवहार रहेगा। पारिवारिक दायित्वों की पूर्ति के कारण खर्च बढ़ने से असहज अनुभव करेंगे। उधार से बचे। सेहत ठीक रहेगी। आलस्य का वातावरण रहेगा।

कुंभ (गू, गे, गो,सा, सी, सू, से, सो, दा)

लम्बित मामलों के परिणाम आपके पक्ष में होने की सम्भावना है। व्यवसाय में सहयोगी आपके कार्यों से प्रसन्न रहेंगे। निर्माण कार्यों में आपको सफलता मिलेगी। कार्यक्षेत्र में कुछ बदलाव कर सकते हैं।

मीन (दी, दू, थे, झ, ञ, दे, दो, चा, चि)

आर्थिक लाभ के लिए अधिक प्रयत्न करना पड़ेगा मध्यान के समय किसी मनोकामना की पूर्ति होने से प्रसन्न रहेंगे।

आचार्य राजेश शास्त्री, जयपुर

दिवाली को लेकर पसोपेश, परंपरा और शास्त्रों को लेकर विद्वानों में मतभेद

दीपावली: 31 और 1 नवंबर के चक्कर में उलझन में लोग

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

जयपुर। दीपावली कब मनाएं! इन दिनों सभी एक-दूसरे से यही पूछ रहे हैं। 31 अक्टूबर और 1 नवंबर के चक्कर में लोग उलझन में है। इधर, कई विद्वान 1 नवंबर के पक्ष में हैं, तो कई 31 अक्टूबर को दीपावली मनाना श्रेष्ठ बता रहे हैं। ज्योतिषाचार्य अक्षय शास्त्री ने बताया कि 31 अक्टूबर को दीपावली मनाना धर्मशास्त्रों की अनदेखी होगी। उनका कहना है, 1 नवंबर को अमावस्या सूर्योदय और सूर्यास्त दोनों के समय विद्यमान है, इसलिए उसी दिन दीपावली मनाना शास्त्रों के अनुसार उचित होगा। उज्जैन के अधिकांश विद्वान, जिनमें उज्जैप के विक्रम विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति बालकृष्ण शर्मा भी शामिल हैं, इस मत का समर्थन कर रहे हैं। विद्वानों का मानना है, इसी आधार पर 1 नवंबर को ही महालक्ष्मी पूजन और दीपदान करना धर्मसम्मत होगा। कई जगह पर विद्वत परिषद ने भी गहन विचार-विमर्श कर 1 नवबर को दीपावली मनाने का निर्णय लिया है। पंचांगों के अनुसार 1 नवबर को प्रदोषकाल में महालक्ष्मी पूजन किया जाना शास्त्र सम्मत है। कई अन्य ज्योतिषाचार्यों का कहना है कि 31 तारीख को ही मां लक्ष्मी का पूजन करना उचित है, क्योंकि काल गणना और ज्योतिष विधि के अनुसार 31 को ही अमावस्या होना माना जा रहा है। 1 नवंबर को शाम होने से पहले ही अमावस्या खत्म हो जाएगी। हिन्दू धर्म में 5 दिन दीपोत्सव मनाने की परंपरा है। इस अनुसार 31 को दिवाली मनाना श्रेष्ठकर होगा।

यह है विवाद की जड़

विवाद की असली जड़ तिथियों की गणना में आया अंतर है। जहां सूक्ष्म गणना के अनुसार 1 नवंबर 2024 को अमावस्या और प्रदोषकाल साथ आ रहे हैं। विद्वानों का मत है कि ऐसे समय में पर्व का आयोजन प्रदोषकाल में किया जाना चाहिए।

धर्मसभा में हुआ निर्णय, 31 को होगा लक्ष्मी पूजन

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

जयपुर। गुलाबी नगर सहित सम्पूर्ण भारतवर्ष और विश्व के सभी देशों में सनातन धर्म शास्त्रों के अनुसार इस वर्ष दीपावली का पर्व 31 अक्टूबर 2024 को ही मनाया जाएगा। दीपावली पर्व निर्धारण के लिए केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय जयपुर के नवीन सभागार में मंगलवार को अखिल भारतीय विद्वत् परिषद् के तत्वावधान में दीपावली निर्णय विषय पर हुई विशेष धर्मसभा में यह निर्णय लिया गया।

देशभर के ज्योतिषाचार्य, धर्मशास्त्री और संस्कृत के विद्वानों ने विभिन्न धर्मशास्त्रों में वर्णित संदर्भों के अनुसार व्याख्या करते हुए अपने विचार व्यक्त कर इस वर्ष दीपावली पर्व को लेकर फैले भ्रम मिटाने व शास्त्र सम्मत तिथि के निर्धारण हेतु चर्चा कर यह निर्णय दिया। वहीं बुधवार को भी मदाउ स्थित राजस्थान संस्कृत विश्वविदयाल में धर्मगुरु जुटेंगे। दीपावली पर्व निर्धारण विषयक धर्मसभा के संयोजक प्रो. मोहनलाल शर्मा ने बताया कि इस धर्मसभा की अध्यक्षता जयपुर के वरिष्ठतम ज्योतिषाचार्य प्रो. रामपाल शास्त्री ने की। हाथोजधाम पीठाधीश्वर एवं विधायक बालमुकुंदाचार्य महाराज के अतिरिक्त केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय निदेशक प्रो. सुदेश शर्मा, प्रो. अर्कनाथ चौधरी, प्रो. भास्कर श्रोत्रिय, प्रो. ईश्वर भट्ट, पंडित विनोद शास्त्री सहित 100 से अधिक विद्वान इस धर्मसभा में सम्मिलित हुए। धर्मसभा में विभिन्न ज्योतिषीय गणनाओं, पंचांगों, और शास्त्रीय प्रमाणों के आधार पर गहन विमर्श कर सूर्य सिद्धान्त के आधार पर 31 अक्टूबर को ही दीपमालिका पर्व मनाने पर सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया।

धर्म सभा में उपस्थित विद्वतजनों का तर्क था कि 31 अक्टूबर को ही दीपावली मनानी चाहिए क्योंकि इस दिन अमावस्या का प्रदोष काल प्रारंभ हो रहा है, जो सम्पूर्ण दिन एवं सम्पूर्ण रात्रि रहकर 1 नवंबर को केवल अल्पकाल के लिए ही रहेगा और शास्त्रों के अनुसार प्रदोष काल में लक्ष्मी पूजन किया जाना सर्वश्रेष्ठ है।

इस साल दीपावली का त्यौहार 31 अक्टूबर को मनाए या 1 नवंबर को एसी दुविधा पूरे भारत वर्ष में चल रही हे। संपूर्ण गुजरात और राजस्थान, महाराष्ट्र ओर दक्षिणी राज्यों के पश्चिम हिस्से में दीपावली 31 अक्टूबर को मनाई जाएगी। भारत के अन्य राज्यों में 1 नवंबर को, लक्ष्मी पूजा - दीपावली रात का पर्व है और भारत के पश्चिमी भाग में अमावस्या 31 को सायं से शुरू होगी। इस लिए दीपोत्सव पर्व 31 को मनाना श्रेष्ठ होगा। लेकिन अन्य राज्यों में सूर्योदय और सूर्यास्त के समय में रहने वाले अंतर की वजह से 1 नवंबर को मनाई जा सकती है।

- पं. सत्यनारायण शास्त्री (गुजरात) ज्योतिषाचार्य , भागवताचार्य

गुरुग्राम की तर्ज पर भिवाड़ी का होगा विकास!

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

जयपुर। राजस्थान के मुख्य सचिव सुधांश पंत ने भिवाड़ी को गुरुग्राम की तर्ज पर विकसित करने के संकेत दिए हैं। जयपुर में आयोजित प्री-इन्वेस्टमेंट समिट में पंत ने कहा कि दिल्ली और गुरुग्राम के नजदीक होने के बावजूद भिवाड़ी का उस तरह का डवलपमेंट नहीं हो पाया, जिसकी जरूरत थी। यहां बहुत अच्छी संभावनाएं हैं, इसलिए इस तरफ फोकस करना होगा। निवेशकों के लिए भी बेहतर संभावना वाला एरिया है। कार्यक्रम में पंत ने नगरीय निकायों को सुदृढ़ करने की जरूरत जताते हुए कहा कि रूटीन के मामले सरकार के पास नहीं आने चाहिए। जरूरत है कि निकायों पर विश्वास जताते हुए ज्यादातर मामले उनके स्तर पर ही निस्तारण किया जाए। सरकार का काम पॉलिसी फ्रेमवर्क होना चाहिए।

'दुर्भाग्यवश द्रव्यवती नदी अभी तक विकसित नहीं हो पाई'

द्रव्यवती नदी को लेकर पंत ने कहा कि यह प्रोजेक्ट अपने उद्देश्य में सफल नहीं हो पाया है। इसमें साफ और परिशोधित पानी बहना था, लेकिन दुर्भाग्यवश अभी तक यह नहीं हो पाया है। संबंधित एजेंसी, अफसरों को देखना होगा आखिर ऐसा क्यों नहीं पाया।

इसकी भी जताई जरूरत

- शहरों में प्रभावी ड्रेनेज व सीवरेज सिस्टम होना चाहिए।
- बिल्डिंग बायलॉज में संशोधन हो और हर भूखंड का कुछ हिस्सा पौधारोपण के लिए आरक्षित हो।
- सेटबैक में निर्माण गतिविधि को सख्त से रोका जाए।
- स्लम रि-डवलपमेंट की पुख्ता प्लानिंग की जरूरत।

पिंकसिटी प्रेस क्लब में मीडिया 'कहां से कहां तक विषयक' पर संगोष्ठी आयोजित

मीडिया को अपनी विश्वसनीयता बचाए रखने की जरूरत-फारूक आफरीदी

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

जयपुर। वरिष्ठ पत्रकार साहित्यकार और प्रगतिशील लेखक संघ राजस्थान के महासचिव रहे ईश मधु तलवार के जन्म दिवस पर पिंकसिटी प्रेस क्लब जयपुर में उनकी स्मृति में मीडिया 'कहां से कहां तक विषयक' पर संगोष्ठी का आयोजन किया गया। जिसमें हरिदेव जोशी जन संचार और पत्रकारिता विश्वविद्यालय के गेस्ट फेकल्टी रहे वरिष्ठ पत्रकार त्रिभुवन ने कहा कि पत्रकारिता चुनौती भरा और जोखिम भरा काम है।

उन्होने कहा कि ईशमधु तलवार लोगों को जोड़ने का काम करते थे। उन्होने निर्भयता और निष्पक्षता के साथ पत्रकारिता की। संगोष्ठी की अध्यक्षता करते हुए वरिष्ठ व्यंग्यकार और राजस्थान प्रगतिशील लेखक संघ के कार्यकारी अध्यक्ष फारूक आफरीदी ने कहा कि देश इस समय एक संक्रमण काल से गुजर रहा है। इसमें मीडिया की विश्वसनीयता को बचाने की जरूरत है। बहुत कम मीडिया पर्सन और समाचार पत्र जन लोकपाल की भूमिका निभा रहे हैं। उन्होंने कहा कि तलवार अच्छे पत्रकार के साथ अच्छे साहित्यकार भी थे। उनकी भाषा समृद्ध थी। वरिष्ठ कवि प्रेमचन्द गांधी और स्व.तलवार के सुपुत्र डॉ.अनीश तलवार ने कहा बताया कि भारतेंदु साहित्य संस्थान को पुनर्जीवित किया जाएगा और 21 हज़ार रुपए का ईशमधु स्मृति शाकुंतलम सम्मान प्रारंभ किया जाएगा। पत्रकार सुनीता चतुर्वेदी ने संचालन किया। संगोष्ठी में बड़ी संख्या में पत्रकार, साहित्यकार, रंगकर्मी और गणमान्य नागरिक उपस्थित थे।

शिवभगवान नागा राजस्थान प्रदेश किसान कांग्रेस के कार्यकारी अध्यक्ष पद पर नियुक्त

» **जागरूक जनता @ जयपुर।** राजस्थान प्रदेश किसान कांग्रेस के कार्यकारी प्रदेशाध्यक्ष के पद पर शिवभगवान नागा को नियुक्त किया गया है। नागा की नियुक्ति अखिल भारतीय किसान कांग्रेस कमेटी के राष्ट्रीय अध्यक्ष सुखपाल खेहरा ने राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे व संगठन महासचिव के. सी. वेणुगोपाल की सहमति से की है। नागा कांग्रेस पार्टी में लम्बे समय से सक्रियता से कार्य कर रहे हैं।

लीलाधारी हनुमान मंदिर पर भाजपा सदस्यता कैंप आयोजित

» **जागरूक जनता @ जयपुर।** भाजपा सदस्यता अभियान के तहत वार्ड 24 स्थित लीलाधारी हनुमान मंदिर के सामने भाजपा सदस्यता कैंप का आयोजन किया गया। इस कैंप में वार्ड 24 के भाजपा कार्यकर्ताओं ने उत्साह पूर्ण भागीदारी निभाई वह ढाई सौ से अधिक समाज बंधुओ को भाजपा सदस्य बनाया। कैंप में मनोज शर्मा अध्यक्ष वार्ड 24, सतीश जागा युवा मोर्चा वार्ड 24, हरिओम सिंह पार्षद प्रतिनिधि वार्ड 24, हर्षा सागर महिला मोर्चा व रवि शंकर शर्मा व अन्य भाजपा कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

शांति देवी फाउंडेशन ने मनाया अपनी 5वीं वर्षगांठ का उत्सव

» **जागरूक जनता @ जयपुर।** शांति देवी फाउंडेशन अपनी 5वीं वर्षगांठ उत्सव के रूप में मना रहा है। यह एनजीओ पिछले 5 वर्षों से राजस्थान और हिमाचल प्रदेश में विभिन्न सामाजिक कार्यों में सक्रिय है। इसी क्रम में शांति देवी फाउंडेशन द्वारा हिमाचल प्रदेश के जोगिंदर नगर क्षेत्र के विभिन्न स्कूलों में बच्चों को यौन शोषण से बचाने के उद्देश्य से 'गुड टच-बैड टच' के बारे में जागरूक करने के लिए सेमिनार आयोजित किए गए। सेमिनार में एनजीओ के संस्थापक श्रवण शर्मा ने बताया कि हमारे समाज में आज भी बच्चों के साथ यौन शोषण की घटनाएं बढ़ रही हैं। यह केवल छोटी लड़कियों के साथ ही नहीं, बल्कि छोटे लड़कों के साथ भी हो रहा है, और बच्चे अनजाने में यौन शोषण का शिकार हो रहे हैं। उन्होंने ज़ोर देकर कहा कि हमें बच्चों को 'गुड टच-बैड टच' के बारे में जागरूक करना होगा ताकि वे स्वयं का बचाव कर सकें। इस अवसर पर एनजीओ के संस्थापक श्रवण शर्मा के साथ जतिन लटावा, निधि तेजपाल, गीतांजलि गोस्वामी और अन्य सदस्य भी उपस्थित थे।

सभापति ने लाभार्थीयों को वितरित किए एक दर्जन पट्टे

» **जागरूक जनता @ चूरू।** नगरपरिषद् कार्यालय में मंगलवार की सुबह सभापति पायल सैनी ने कृषि भूमि नियमन व अफोर्डेबल हाउसिंग पॉलिसी के अन्तर्गत एक दर्जन लाभार्थीयो को मालिकाना हक पट्टा व कब्जा पत्र वितरित किए गए। उन्होने बताया कि कृषि भूमि नियमन के अन्तर्गत आवेदित प्रकरणों में जिनके दस्तावेज पूर्ण है उनको परिषद् द्वारा पट्टे दिये जा रहे है साथ ही रामसरा रोड़ पर अफोर्डेबल हाउसिंग पॉलिसी के अन्तर्गत एम.आई.जी. एल.आई.जी. एवं ईडब्लूएस श्रेणी के फ्लैट बनकर तैयार हो गये है जिन फ्लेटधारियों द्वारा अपनी सम्पूर्ण किश्त की राशि निकाय कोष में जमा करवा दी गई है उनको परिषद् द्वारा लगातार फ्लेट का मालिकाना हक पट्टा व कब्जा पत्र सौपे जा रहे है। उन्होने शेष रहे समस्त फ्लेटधारियों से अपील करते हुए कहा है कि वह परिषद् कार्यालय में उपस्थित होकर अपने-अपने आवंटित फ्लेटो की बकाया किश्त राशि की जानकारी परिषद् कार्यालय से प्राप्त कर सम्पूर्ण किश्त की राशि निकाय कोष में जमा करवा देवे ताकि नगरपरिषद् चूरू द्वारा पटटा व कब्जा पत्र जारी करने की अग्रिम कार्यवाही करते हुए संबंधित को पट्टा व कब्जा पत्र दिया जा सके। इस अवसर पर पार्षद बाबू मंत्री व पार्षद प्रतिनिधि विजय शर्मा सहित बडी संख्या में पार्षदगण एवं परिषद् कर्मचारी उपस्थित रहे।

डांडिया कार्यक्रम आयोजित

» **जागरूक जनता @ जयपुर।** विद्याधर नगर एलआईसी फ्लैट्स सेक्टर 2 सोसाइटी में डांडिया कार्यक्रम का आयोजन हुआ। इसमें सभी परिसरवासियों ने पूरे जोश के साथ बढ़ चढ़कर हिस्सा लिया। मुख्य अतिथि पार्षद दिनेश, अरुण अग्रवाल महेंद्र सिंह भाटी पधारे। सोसाइटी अध्यक्ष प्रदीप सिंह दीप प्रज्वलित किया। पधारे गए सभी चीफ गेस्ट का सम्मान करके कार्यक्रम का शुभारंभ हुआ। सभी छोटे बच्चों, सभी महिलाएँ, पुरूष और सभी विजेता को, सभी सम्मानित जज के पैनल में शामिल मेंबर्स को मोमेंटो देकर सम्मानित किया गया।

कुलपति डॉ बलराज सिंह के नेतृत्व में कृषि विवि की अद्भुत उपलब्धियां

दो वर्ष के अल्प समय में विवि को दिलाई अलग पहचान

कार्यशाला में विश्वविद्यालय की 59 इकाइयों के 86 कृषि वैज्ञानिकों व अधिकारियों ने भाग लिया

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

जयपुर। श्री कर्ण नरेंद्र कृषि विश्वविद्यालय जोबनेर के कुलपति डॉ बलराज सिंह के 2 वर्ष के कार्यकाल पूर्ण करने के अवसर पर विश्वविद्यालय के अधिकारियों व वैज्ञानिकों की कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस अवसर पर कुलपति डॉ बलराज सिंह ने दो वर्ष का प्रगति प्रतिवेदन प्रस्तुत किया एवं भावी वर्ष की कार्य योजना का रोड मैप प्रस्तुत किया।

डॉ बलराज सिंह ने अपने मुख्य अतिथि उद्बोधन में बताया कि कुलपति बनने के तुरंत बाद उन्होंने सबके लिए एक ही लक्ष्य रखा है कि हर छात्र एवं किसान का चहुमुखी विकास हो। डॉ बलराज सिंह आज अपने कार्यकाल के दो वर्ष पर अपने विश्वविद्यालय के अधिकारीकगण के साथ ही वैज्ञानिकों, शिक्षकों को अपने मनोयोग से लक्ष्य प्राप्ति एवं प्रयासरत होने पर बधाई देते है। विश्वविद्यालय में अक्टूबर 2022 में कुलपति के पद पर डॉ बलराज सिंह ने कार्य भार संभालने के तुरंत बाद से ही जो सतत प्रयास किये है वो अब प्रतिफलित हो रहे है। आपने ईमानदारी और कड़ी मेहनत से विश्वविद्यालय को नयी उंचाईया प्रदान की है। विश्वविद्यालय अधिकारियों ने कुलपति डॉ बलराज सिंह की कार्यशैली, जीवंतता, तीव्रता, बिना आराम के सतत प्रयासों की सराहना की। आपके समर्पित, निष्ठापूर्वक, भलीमंसाहत से किये प्रयासो का ही नतीजा है कि दो वर्ष में ही प्रदेश में जोबनेर कृषि विश्वविद्यालय ने सबसे निचली पायदान से सबसे शीर्ष पर पहुंच बनाई है।कृषि विश्वविद्यालय, जोबनेर के कुलपति डॉ. बलराज सिंह के नेतृत्व में पिछले दो वर्षों में विश्वविद्यालय ने उल्लेखनीय प्रगति की है। उन्होंने विश्वविद्यालय के बुनियादी ढांचे के विकास, अनुसंधान कार्यों में नए आयाम, छात्रों के शैक्षिक और व्यावसायिक विकास, और किसानों के कल्याण के लिए कई नयी पहल की हैं।

आयुक्त मनरेगा ने योजनान्तर्गत चल रहे विकास कार्यो का किया औचक निरीक्षण

» **जागरूक जनता @ जयपुर।** आयुक्त मनरेगा पुष्पा सत्यानी ने मंगलवार को जयपुर जिले की आमेर पंचायत समिति के ग्राम चोप, रूण्डल, बिलोंची एवं भगवाड़ा में महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना के अन्तर्गत चल रहे कार्यो का औचक निरीक्षण किया। उन्होंने बताया कि ग्राम पंचायत रूण्डल में जोहड़ खुदाई कार्य खारड़ा में श्रमिकों द्वारा ग्रुप में आवंटित टास्क द्वारा कार्य नही किया जा रहा एवं पिछले 6 दिवस में कोई विशेष कार्य नही किये गये जिसके लिए मेट को ब्लेक लिस्ट करने के मौके पर निर्देश दिये। साथ ही ग्राम विकास अधिकारी एवं कनिष्ठ तकनीकी सहायक को विभाग स्तर से स्पष्टीकरण लिये जाने के निर्देश दिये गये।

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

उत्तराखंड में स्थित औली हिल स्टेशन की सबसे बड़ी खासियत यह है कि गर्मी हो या सर्दी, यह हर मौसम में पर्यटकों से गुलजार रहता है। यहां की खूबसूरत वादियों के दिलकश नजारे हर किसी का मन मोह लेते हैं। कुछ माह पूर्व लेखक ने वहां की यात्रा की और दुर्लभ लेडीज स्लीपर ऑर्किड को भी निहारा। अपनी उस अविस्मरणीय यात्रा अनुभवों को वे साझा कर रहे हैं अपनी जुबानी।

हर किसी को मोह लेती हैं औली की हसीन वादियां

उत्तराखंड राज्य के गढ़वाल हिमालय में 11,000 फीट की ऊंचाई पर स्थित है खूबसूरत हिल स्टेशन औली। यह ऋषिकेश से लगभग 250 किमी. के फासले पर है। इस छोटे लेकिन कल्पना से अधिक सुंदरता वाले हिल स्टेशन में अधिकतर पर्यटक नवंबर से फरवरी तक आते हैं क्योंकि तब औली बर्फ से ढंका होता है और विंटर स्पोर्ट्स के लिए विख्यात इस जगह पर एडवेंचर का मजा कुछ और ही होता है।

ट्रैकिंग का रोमांचक अनुभव

औली के निकट कुछ बेहतरीन ट्रैक रूट्स भी हैं। इन वजहों से औली उन टूरिस्ट्स का फेवरेट स्पॉट बन जाता है, जिन्हें बर्फ पर ट्रैकिंग करना पसंद होता है। इनमें सबसे मशहूर गुर्सन बुग्याल ट्रैक है, जो औली से 3 किमी. की दूरी पर मौजूद है। इस

ट्रैक का सबसे शानदार पहलू यह है कि ट्रैकिंग के दौरान ऐसा प्रतीत होता है, जैसे नंदा देवी, कामेट, माना पर्वत और डूनागिरी सब साथ चल रहे हों। हिमालय का जो खूबसूरत नजारा इस ट्रैक रूट पर मिलता है, वह दूसरे ट्रैक रूट्स पर नहीं मिलता, कम से कम मेरा अनुभव तो यही कहता है।

ऋषिकेश से शुरू औली की यात्रा

हालांकि जाड़ों में विंटर स्पोर्ट्स का आनंद लेने के लिए मैं अनेक बार औली गया हूं, लेकिन कभी गर्मियों में जाने का अवसर नहीं मिला था, जबकि मार्च से जून तक औली का मौसम बहुत सुहावना और दिलकश होता है। बीते जून के पहले सप्ताह में जैसे ही मुझे यह सूचना मिली कि इस बार लेडीज स्लिपर ऑर्किड (महिला का चप्पलनुमा फूल) खिला है तो मैंने औली जाने के लिए अपना बैग पैक कर लिया। ऋषिकेश से जोशीमठ के लिए गिनती की ही बसें हैं। इसलिए मैंने बस चलने का समय पहले से ही मालूम कर लिया था। खैर, 5 जून की सुबह जोशीमठ पहुंचने के बाद मुझे औली जाना था, जो कि वहां से लगभग 12 किमी. के फासले पर है।

रोपवे से दिखा अद्भुत नजारा

यात्रा करने के लिए मेरे पास दो विकल्प थे- सड़क या रोपवे। मैंने रोपवे का चयन किया क्योंकि यह एक अलग ही अनुभव है, जिसका आनंद मैं पहले भी ले चुका हूं, लेकिन अच्छे अनुभवों को कुछ अंतराल के बाद दोहराने का मजा ही कुछ और होता है। यह रोपवे भारत में सबसे ऊंचा और लंबा (4 किमी.) है। वेटिंग लिस्ट अकसर लंबी रहती है, इसलिए मैंने पहले ही बुकिंग करा ली थी। रोपवे का टिकट बस से महंगा पड़ता है, लेकिन तीन दिन तक वैध रहता है। रोपवे के केबिन से नजारा गजब का था, जिसे शब्दों में व्यक्त करना कठिन है, विशेषकर इसलिए कि जैसे-जैसे हम ऊपर चढ़ते हैं, नजारा बदलता रहता है। छोटे कस्बों से देवदार के जंगल और फिर दूर तक फैली हुई बर्फ देखकर आनंद ही आ गया।

दिलकश वादियों ने मोह लिया मन

रोपवे टावर से उतरने के बाद मुझे नंदा देवी ईको रिजॉर्ट (जीएमवीएन) पहुंचने के लिए, दूर तक पैदल चलना पड़ा, जो एक बहुत ही सुंदर जगह पर स्थित है। वहां ठहरने के लिए मैंने पहले से ही ऑनलाइन बुकिंग कराई हुई थी। यह रिजॉर्ट छोटा सा लकड़ी का घर है, लेकिन वहां से औली की दिलकश वादियों और गढ़वाल पर्वत श्रंखला का अति सुंदर नजारा देखने

को मिल रहा था, जिसने थकन के बावजूद मेरे दिल को बाग-बाग कर दिया।

खूबसूरत ऑर्किड का हुआ दीदार

रिजॉर्ट में कुछ देर सुस्ताने, थकान दूर करने और हल्का सा जलपान करने के बाद मैं टहलता हुआ औली की सीमा पर जो जंगल है, वहां पहुंच गया। जंगल में यूं तो तरह-तरह के पेड़, पौधे थे। कई तरह के फूल भी खिले हुए थे, लेकिन मेरी नजरें तो लेडीज स्लिपर ऑर्किड को तलाश रही थीं, जिसे मैंने पहले सिर्फ तस्वीरों में देखा था। यह पहाड़ी वनों के छाया भरे क्षेत्रों, अल्पाइन घास के मैदानों में 2,500 से 3,800 मी. की ऊंचाई पर खिलता है। चूंकि मुझे जानकारी थी कि यह ऑर्किड किन विशिष्ट परिस्थितियों में खिलता है, इसलिए मैं छांव भरे घास के मैदानों में उसकी तलाश कर रहा था। थोड़ी सी तलाश के बाद ही मेरे सामने लेडीज स्लिपर ऑर्किड के कई फूल थे, सिंडरेला के सुंदर स्लिपर्स की तरह। मैं कुछ देर उन्हें निहारता रहा। ऑर्किड फूलों की कुल संख्या 50 थी। इससे अंदाजा लगा लीजिए कि यह कितना दुर्लभ ऑर्किड है और मैं कितना खुशकिस्मत कि मुझे इसे देखने का अवसर मिला। यह जीवन में एक बार का ही अनुभव हो सकता है क्योंकि इसकी गारंटी नहीं है कि फिर कभी मुझे यह देखने को मिले।

संकटग्रस्त है दुर्लभ ऑर्किड

गौरतलब है कि औली के अलावा ऑर्किड की एक अन्य जमात 2012 में चकराता क्षेत्र के नागा टिब्बा में पाई गई थी। तब से यह लुप्त होने की कगार पर ही है। बहरहाल, ताजे घटनाक्रम में औली में जो ऑर्किड की प्रमुख साइट मिली है, वह इसके संरक्षण के लिए महत्वपूर्ण है। अगर इस लुप्तप्राय प्रजाति को बचाए रखना है तो इस साइट की सुरक्षा आवश्यक है। इन दोनों साइट्स के अतिरिक्त ऑर्किड की पॉपुलेशन गाहे-बगाहे इतनी ही ऊंचाई पर पिथौरागढ़ और नैनीताल में भी देखने को मिली है। इस ऑर्किड की उपस्थिति विशिष्ट हिमालय लैंडस्केप तक सीमित है और यह हिमाचल प्रदेश, जम्मू कश्मीर, सिक्किम, पाकिस्तान, नेपाल और तिब्बत में भी देखा गया है। औली में जहां ऑर्किड खिले हैं, वह क्षेत्र सड़क के निकट है, जिससे उन पर खतरा अधिक मंडरा रहा है। वन विभाग के अधिकारी इस साइट को सुरक्षित रखने का प्रयास कर रहे हैं।

विश्व का प्रथम महाकाव्य 'रामायण' रचने वाले आदिकवि महर्षि वाल्मीकि की जयंती आगामी गुरुवार को मनाई जाएगी। महान ऋषि होने के साथ ही काव्य जगत में भी उन्हें 'प्रथम कवि' होने का सम्मान प्राप्त है। उनकी दिव्यता के बारे में आप भी जरूर जानना चाहेंगे।

भारतीय प्रज्ञा के आदि मनीषी महाकवि महर्षि वाल्मीकि

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

महर्षि वाल्मीकि भारतीय प्रज्ञा के आदि मनीषी माने जाते हैं। उनका भारत की संस्कृति और दार्शनिक परंपरा में अत्यंत महत्वपूर्ण स्थान है। वे किसी एक भाषा के कवि भर नहीं हैं बल्कि भारत की समूची काव्य परंपरा के साथ-साथ नैतिक और सांस्कृतिक परंपरा के भी नायक माने जाते हैं।

रचा पहला महाकाव्य-रामायण: उनके द्वारा रचित 'रामायण' दरअसल, भारत की काव्य परंपरा का आधार है। इस महाकाव्य ने भारत में अनगिनत काव्य परंपराओं की नींव रखी। 'रामायण' ना केवल भारतीय बल्कि विश्व साहित्य का सबसे प्राचीन और महत्वपूर्ण काव्य ग्रंथ है। उन्होंने इस महाकाव्य की रचना श्लोक छंद में की, उन्हीं के साथ इस काव्य रचना परंपरा की शुरुआत हुई। अपने इस महाकाव्य के जरिए उन्होंने काव्य रचना का एक उत्कृष्ट मानदंड स्थापित किया। आगे चलकर उसी परंपरा में 'महाभारत' और 'रघुवंशम' जैसे महाकाव्यों की रचना हुई।

इस दिन मनाई जाएगी वाल्मीकि जयंती: महर्षि वाल्मीकि जयंती प्रत्येक वर्ष आश्विन महीने की पूर्णिमा तिथि को मनाई जाती है। इस बार यह तिथि 17 अक्टूबर को पड़ रही है। इस दिन हम सब भारतीय महर्षि वाल्मीकि का सम्मान करते हैं, जिन्होंने भारतीय समाज में अपने महाकाव्य 'रामायण' के जरिए मर्यादा, नैतिकता और उच्च आदर्श का मानदंड स्थापित किया। इस अवसर पर गोष्ठी, शोभा-यात्रा जैसे कार्यक्रमों के जरिए उस महान आदि कवि की शिक्षाओं का प्रचार-प्रसार किया जाता है ताकि लोग अपने जीवन में मर्यादा, नैतिक मूल्यों एवं उच्च आदर्शों के महत्व को समझकर इसे आत्मसात करने का प्रयास कर सकें।

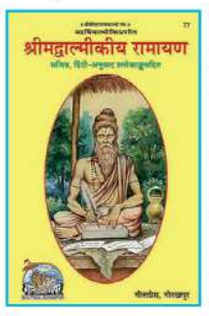

प्रेरणास्पद है वाल्मीकि जी का जीवन: कुछ मान्यताओं के अनुसार वह एक साधारण व्यक्ति थे, कुछ के अनुसार वह डाकू थे, जबकि कुछ संदर्भ उन्हें जन्मजात ऋषि भी मानते हैं। अपनी निष्ठा और संकल्प से कैसे वे महर्षि बन गए, यह बात हर जानने वाले को चुंबकीय ढंग से आकर्षित करती है। एक डाकू रहते हुए भी उनके अंदर कितनी संवेदना रही होगी कि वे कालांतर में एक सरस कवि और महर्षि बन जाते हैं। उनके इस कायांतरण ने हर युग में रचनाकारों को प्रेरित किया है।

स्थापित किया धार्मिकता-नैतिकता का उच्च प्रतिमान: महर्षि वल्मीकि ने अपने महाकाव्य 'रामायण' में धार्मिकता और नैतिकता का ऐसा प्रतिमान स्थापित किया कि संसार की कोई भी श्रेष्ठ रचना इसके आस-पास नहीं पहुंच सकती! उनका यह महाग्रंथ सिखाता है कि परिस्थितियां कितनी ही प्रतिकूल क्यों ना हों, इंसान को अपने आदर्शों का पथ नहीं छोड़ना चाहिए। रामायण के सभी पात्र चाहे वह खुद भगवान राम हों, उनके भाई लक्ष्मण हों, पत्नी सीता हों या इस ग्रंथ में आए दूसरे पात्र, सभी धर्म, नैतिकता और कर्तव्य का पालन करते हैं।

यह महान काव्य ग्रंथ विश्व समाज को दिखाया गया नैतिक पथ है। उन्होंने तपस्या के बल पर जो ज्ञान अर्जन किया, वह अपने आपमें एक ऐसा प्रेरक तत्व है, जो हर किसी को विषम परिस्थितियों में भी आगे बढ़ने को प्रोत्साहित करता है।

केवल धार्मिक ग्रंथ नहीं है रामायण: महर्षि वाल्मीकि द्वारा रचित महाकाव्य 'रामायण' सिर्फ धार्मिक ग्रंथ ही नहीं है बल्कि इसमें जीवन के गहरे दार्शनिक सूत्र और आध्यात्मिक सिद्धांत भी समाहित हैं। उनका यह असाधारण महाकाव्य कर्म और भाग्य को पूरे महत्व के साथ आपस में पिरोता है। 'भगवदगीता' से बहुत पहले महर्षि वाल्मीकि ने दुनिया को यह संदेश दिया था कि हमें अपना कर्तव्य करना चाहिए, परिणाम की चिंता नहीं करनी चाहिए, यह उस भगवान पर छोड़ देना चाहिए। इसमें सांसारिकता, आध्यात्मिकता, दार्शनिकता के वे सभी तत्व समाहित हैं, जिनका अनुसरण करके प्राणी अपना इहलोक के साथ-साथ परलोक भी सार्थक कर सकता है।

महर्षि वाल्मीकि के महाग्रंथ 'रामायण' ने देश को सांस्कृतिक एकता में बांधने का काम किया है। चाहे उत्तर भारत हो या दक्षिण, पूर्व हो या पश्चिम, देश के सभी हिस्से में उनके इस महान ग्रंथ को भरपूर सम्मान मिला है। उनके इस काव्य ग्रंथ ने भारतीय समाज को एक सूत्र में पिरोने का काम किया है। इस दृष्टि से देखा जाए तो आदिकवि महर्षि वाल्मीकि केवल महान संत या कवि नहीं थे, बल्कि वे एक महान विचारक, दार्शनिक और समाज सुधारक भी थे। वे सही मायने में भारतीय प्रज्ञा के आदि मनीषी थे।

आधुनिकता और प्रगति की अंधी दौड़ में अपने पारंपरिक जीवनमूल्यों को भूलना बिल्कुल उचित नहीं है। पारिवारिक जुड़ाव और अपनापन ऐसा ही जीवनमूल्य है, जिसे संजोने के लिए हम सभी को सदैव तत्पर रहना चाहिए।

आधुनिकता में कम ना हो पारिवारिक अपनापन

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

हमारा भारत, हमेशा से 'वसुधैव कुटुंबकम' के सिद्धांत पर विश्वास करने वाला देश रहा है। एक समय भारत ऐसा देश था, जहां संयुक्त परिवार जीवन का अभिन्न हिस्सा हुआ करते थे। यह वही देश है, जहां तीन-चार पीढ़ियां एक ही छत के नीचे रहा करती थीं। हर उम्र के लोग एक-दूसरे के साथ हंसी-खुशी के पलों को साझा किया करते थे। रिश्तों की गहराई, भावनाओं की मिठास और एक-दूसरे के साथ का जो एहसास था, वह संयुक्त परिवारों की सबसे बड़ी ताकत थी। लेकिन जैसे-जैसे हम आधुनिकता की ओर बढ़े धीरे-धीरे सब ओझल होता गया।

संयुक्त परिवार की महत्ता: आधी सदी पहले तक भारतीय समाज में संयुक्त परिवार एक सामान्य बात थी। दादा-दादी, माता-पिता, भाई-बहन और चचेरे-ममेरे रिश्तेदार एक ही घर में साथ रहते थे। बड़े-बुजुर्ग अपने अनुभव से परिवार का मार्गदर्शन करते थे और बच्चे उनकी सेवा में आत्मीयता से लगे रहते थे। सब एक-दूसरे के सुख-दुःख में साथ खड़े रहते थे। बच्चों का पालन-पोषण संयुक्त परिवार के हंसी-खुशी वाले वातावरण में होता था, जहां उन्हें माता-पिता के अलावा घर के अन्य सदस्यों का भी स्नेह मिलता था। घर में रिश्तों का एक ऐसा मजबूत ताना-बाना बुना हुआ था, जिसमें हर व्यक्ति अपने आप को सुरक्षित महसूस करता था।

लेकिन समय के साथ धीरे-धीरे परिवार छोटे होते चले गए। परिवार में केवल पति-पत्नी और उनके बच्चे ही रहने लगे। एकल परिवार की अवधारणा तेजी से फैलने लगी।

बिखरते जा रहे परिवार: वर्तमान दौर की बात करें, तो कई परिवारों में सिर्फ पति-पत्नी और उनकी एक संतान का होना ही परिवार माना जाने लगा है। अब जैसे-जैसे हम आधुनिकता की ओर और बढ़ रहे हैं, ऐसे कई दंपती भी हैं, जो संतान नहीं चाहते। उनके लिए केवल वे दोनों ही पर्याप्त हैं। बहुत से लोग अब परिवार के विस्तार की जगह एक पालतू जानवर को घर का सदस्य मान लेते हैं।

आधुनिक जीवनशैली का असर: पारिवारिक संकल्पना में परिवर्तन का मुख्य कारण सामाजिक और आर्थिक परिस्थितियों में आया बदलाव है। लोग नौकरी, शिक्षा और बेहतर जीवन स्तर की चाह में अपने गांव-घर छोड़कर शहरों की ओर पलायन करने लगे। इस प्रक्रिया में परिवारों के बीच की नजदीकियां कम होने लगीं। शहर की भाग-दौड़ भरी जिंदगी ने और उलझा दिया। साथ ही, निजी जीवन की चाहत और महंगाई ने भी एक अहम भूमिका निभाई।

पश्चिमी संस्कृति-टीवी-फिल्मों का प्रभाव: एकल परिवारों के बढ़ते चलन के पीछे पश्चिमी संस्कृति का असर भी बहुत महत्वपूर्ण है, वहां बच्चों का अपने माता-पिता से अलग रहना एक सामान्य बात मानी जाती है। देखा-देखी में हमने यह चलन भी अपना लिया। ऊपर से फिल्मों और टीवी धारावाहिकों ने भी इसमें कोई कमी नहीं छोड़ी। सास-बहु के षड्यंत्र और रिश्तों के बीच की कड़वाहट देखकर हमने भी छोटे परिवार में रहने का मन बना लिया।

ना कमजोर पड़े आपसी जुड़ाव: जो आधुनिकता हमें कई अवसर और प्रगति के रास्ते दिखा रही है, वही हमसे आत्मीयता और एकता छीनती जा रही है। कहने को तो आज हम सोशल मिडिया की जरिए हर किसी से जुड़े हुए हैं। लेकिन सच में देखा जाए तो बिल्कुल अकेले हैं। एक शहर में रहते हुए भी हम महीनों तक रिश्तेदारों से नहीं मिलते। अपनापन सिर्फ एक शब्द रह गया है। अगर हम अभी भी नहीं संभले तो भविष्य में परिवार नाम की संस्था भी खत्म हो सकती है। आधुनिकता की इस दौड़ में, हमें यह याद रखना होगा कि परिवार सिर्फ रिश्तों का बंधन नहीं, हमारे जीवन की आधारशिला है। हमारी सच्ची प्रगति अपनी सफलता और परिवार के बीच संतुलन बनाए रखने में ही निहित है।

हाल ही में सर्वोच्च फिल्म पुरस्कार दादा साहब फाल्के से सम्मानित किए गए एक्टर मिथुन चक्रवर्ती का फिल्मी सफर भी किसी फिल्मी कथानक से कम नहीं रहा। संघर्ष से सफलता की अपनी यात्रा में मिथुन ने अनेक उतार-चढ़ाव देखे। उनके फिल्मी सफर, उनके संघर्ष और उनकी सफलता पर एक नजर।

मिथुन चक्रवर्ती फिल्मी कहानी जैसा रहा फर्श से अर्श तक का सफर

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

हिंदी फिल्मों की ही तरह उसके नायकों की कहानी भी आमतौर पर आश्चर्य से भरी होती है, लेकिन ज्यादातर यह आश्चर्य फिल्मी होता है। लेकिन 16 जून 1950 को कोलकाता में जन्मे गौरांग उर्फ मिथुन चक्रवर्ती की अब तक की जीवन गाथा, अचंभे और आश्चर्य की किंवदंती जैसी है।

नक्सलाइट मूवमेंट से फिल्म एक्टर तक: जरा सोचिए, एक लड़का जो भारत के पॉलिटिकल सिस्टम से बेहद नाराज होकर 'नक्सलाइट मूवमेंट' का हिस्सा बन जाता है। लेकिन घर में बड़े भाई की आकस्मिक मौत के बाद मूवमेंट को छोड़कर घर लौट आता है। कुछ दिन घर में रहने के बाद अपना भविष्य तलाशने के लिए इंडियन फिल्म इंस्टीट्यूट पुणे में एडमिशन ले लेता है और इंस्टीट्यूट में पढ़ाई के दौरान ही 1976 में मृणाल दा (मृणाल सेन) जैसे विश्वविख्यात फिल्म निर्देशक उन्हें अपनी फिल्म 'मृगया' में हीरो के रूप में मौका दे देते हैं। फिल्म अपनी तरह की हिट भी रहती है और अपनी पहली ही फिल्म के लिए वह राष्ट्रीय अवार्ड भी हासिल कर लेता है। जी हां, कुछ ऐसी थी अभिनय की दुनिया में मिथुन दा की पहली धमक।

नहीं बदले हालात: अपने बेहतरीन अभिनय के लिए राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार प्राप्त करने के बाद भी मिथुन का फिल्मी स्ट्रगल बदस्तूर जारी रहा। उनकी आर्थिक स्थिति कुछ ऐसी थी कि उनके पास अवार्ड लेने के लिए ट्रेन से दिल्ली जाने तक के पैसे नहीं थे। वे फिल्म अभिनेत्री रेखा के स्पॉट ब्वॉय बन गए और उनके साथ दिल्ली पहुंचे।

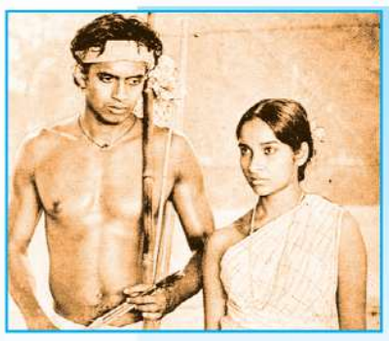

इंटरव्यू से पहले मांगा खाना

फिल्म 'मृगया' के लिए नेशनल अवार्ड मिलने के बाद एक प्रसिद्ध फिल्मी पत्रिका के पत्रकार मिथुन का इंटरव्यू लेने पहुंचे। इस पर मिथुन बोले, 'मैं आपको इंटरव्यू तभी दे पाऊंगा, जब आप पहले मुझे खाना खिलाएंगे। वर्ना भूखे होने की वजह से मेरी आवाज नहीं निकल पाएगी।' उस सहृदय पत्रकार ने मिथुन के लिए खाना मंगवाया। खाना खाने के बाद मिथुन ने अपना पहला इंटरव्यू उस पत्रकार को दिया।

'डिस्को डांसर' से चमकी किस्मत: 'मृगया' जैसी अपनी पहली ही राष्ट्रीय पुरस्कार जीतने वाली फिल्म में अद्भुत अभिनय करने के बाद भी मिथुन को काम नहीं मिल रहा था। इसकी कई वजहें थीं, उनकी दुबली-पतली काया, दबा हुआ रंग और हिंदी का साफ उच्चारण ना होना। लेकिन जैसे-तैसे करियर की गाड़ी बढ़नी शुरू हुई। मिथुन के करियर में एक महत्वपूर्ण मोड़ तब आया, जब उनकी फिल्म 'डिस्को डांसर' रिलीज हुई। इसके पहले तक उनकी गिनती नॉन-डांसिंग एक्टर के रूप में होती थी। लेकिन इस फिल्म में उन्होंने ऐसा डांस किया कि उनके फुट-स्टेप्स पूरी दुनिया में ब्रेक-डांस के इंडियन वर्जन फुट-स्टेप्स बन गए। 'डिस्को डांसर' भारत की पहली ऐसी फिल्म थी, जिसने 100 करोड़ रुपए का कलेक्शन उस दौर में किया। साथ ही यह पहली ऐसी फिल्म थी, जिसने भारत में अपनी कमाई से कई गुना ज्यादा कमाई विदेशों में, विशेषकर सोवियत संघ (अब रूस और उससे जुड़े रहे अन्य देश) में। मिथुन का क्रेज उन दिनों रूसी युवाओं के सिर चढ़कर बोलता था। मिथुन का यह जादू वहां वर्षों तक कायम रहा। इसका नतीजा यह हुआ कि उन्हें उस दौर के सुपर स्टार अमिताभ बच्चन के बराबर पारिश्रमिक मिलने लगा। उनकी एक ही वर्ष 1989 में 19 फिल्में रिलीज हुईं, जो आज भी एक रिकॉर्ड है।

फिल्म 'डिस्को डांसर' के एक दृश्य में मिथुन

मिले तीन राष्ट्रीय पुरस्कार: अपने लगभग 50 साल के फिल्मी सफर में मिथुन दा ने 350 से ज्यादा फिल्में की हैं। वह जितने लोकप्रिय हिंदी में हैं, उतने ही बांग्ला, ओड़िया, तेलुगु, तमिल, कन्नड़ और भोजपुरी भाषाओं में भी हैं। उत्कृष्ट अभिनय के लिए उन्हें तीन बार राष्ट्रीय पुरस्कार मिल चुका है। 'मृगया' के बाद दूसरी जिस फिल्म के लिए उन्हें राष्ट्रीय पुरस्कार मिला, वह एक फ्रीडम फाइटर के जीवन पर आधारित ओड़िया फिल्म 'तहादेर कथा' थी। मिथुन दा की यह फिल्म तब आई थी, जब वह देश ही नहीं पूरी दुनिया में अपनी तरह के डांसिंग फुट-स्टेप्स और मारधाड़ की फिल्मों के लिए मशहूर हो चुके थे। लेकिन 'तहादेर कथा' में उनके अभिनय में इतना ठहराव और और गंभीरता थी कि आर्ट फिल्मों को पसंद करने वाले क्रिटिक भी उनकी अभिनय क्षमता देखकर दंग रह गए थे। उन्हें तीसरा राष्ट्रीय पुरस्कार 'स्वामी विवेकानंद' फिल्म के लिए मिला था। इस फिल्म में उन्होंने स्वामी विवेकानंद के आध्यात्मिक गुरु रामकृष्ण परमहंस की भूमिका निभाई थी।

सच है कि बंगाल की धूल भरी गलियों से निकलकर चकाचौंध भरी फिल्मी दुनिया में खास मुकाम हासिल करने वाले मिथुन का जीवन और उनका फिल्मी सफर किसी रोमांचक फिल्मी पटकथा, किसी किंवदंती जैसा लगता है। ✱

दादा साहब फाल्के पुरस्कार से हुए सम्मानित

सात भाषाओं में 350 से अधिक फिल्में करने वाले मिथुन चक्रवर्ती को बीते 8 अक्टूबर को भारत के सर्वोच्च फिल्म पुरस्कार दादा साहब फाल्के से राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू द्वारा सम्मानित किया गया। उन्हें यह प्रतिष्ठित पुरस्कार देने का फैसला आशा पारेख, खुशबू सुंदर और विपुल अमृतलाल शाह की ज्यूरी ने किया। तीन-तीन राष्ट्रीय अवार्ड पाने वाले मिथुन दा को इसी साल पद्म भूषण अवार्ड से भी सम्मानित किया जा चुका है।

जागरूक खबरें

■ नवागत अति.पुलिस अधीक्षक सरिता सिंह ने पदभार ग्रहण किया

» जागरूक जनता @ चित्तौड़गढ़। नवागत एएसपी सरिता सिंह ने अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक मुख्यालय के पद पर पदभार ग्रहण कर लिया। पुलिस मुख्यालय की प्राथमिकताओं में अपराधियों पर शिकंजा कसने व परिवादियों की शिकायतों पर तत्परता से कार्य करना बताया। राजस्थान पुलिस सेवा की अधिकारी सरिता सिंह ने जिले के अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक मुख्यालय के पद पर पदभार ग्रहण के दौरान बताया कि जिले में अपराध और अपराधी पर नकेल कसने के लिए कार्य योजना बनाई जाएगी ताकि अपराध व अपराधियों पर सख्त कार्रवाई हो सके। उन्होंने कहा कि आमजन पुलिस के पास अपनी फरियाद लेकर आते हैं, जो हर शिकायत गंभीर होती है, इसलिए प्रत्येक शिकायत को गंभीरता से लेकर उस पर कार्य किया जाएगा। वहीं पुलिस कर्मियों के हितों का भी ध्यान रखा जायेगा। एएसपी सरिता सिंह सितंबर 2019 से जनवरी 2021 तक भी जिले में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक के पद पर सेवाएं दे चुकी हैं।

■ जोधपुर मेडिकल कॉलेज के प्रिंसिपल बने डॉ. जोधा

» जागरूक जनता @ जोधपुर। जाने-माने चिकित्सक डॉ. बीएस जोधा एस एन मेडिकल कॉलेज, जोधपुर के प्रिंसिपल नियुक्त कर दिए गए हैं। साथ ही डॉ. दीपक माहेश्वरी SMS मेडिकल कॉलेज, जयपुर के प्रिंसिपल बनाए गए हैं। बता दें इस बार यह नियुक्तियां इंटरव्यू प्रक्रिया पूरी करके की गई हैं। इन दोनों का कार्यकाल 3 साल या 62 वर्ष की आयु जो पहले हो तब तक रहेगा। दरअसल, डॉ. जोधा केंद्रीय पर्यटन मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत के बहनोई हैं। डॉ. बीएस जोधा महीने भर पहले भी प्रिंसिपल थे लेकिन उन्हें अचानक हटा दिया गया था।

■ जिला प्रभारी मंत्री कुमावत आज आयेगें बालोतरा जिले के दौरे पर

» जागरूक जनता @ बालोतरा। पशुपालन गोपालन, डेयरी एवं देवस्थान विभाग के मंत्री एवं जिला प्रभारी मंत्री जोराराम कुमावत आज बुधवार 8 बजे बालोतरा पहुंचेगे। निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार केबीनेट मंत्री कुमावत कल गुरूवार को जिला स्तर पर आयोजित होने वाले राइजिंग राजस्थान इन्वेस्टर मीट कार्यक्रम में भाग लेंगे। कार्यक्रम पश्चात वे दोपहर 2 बजे सुमेरपुर के लिए प्रस्थान करेंगे।

■ खाद्य प्रसंस्करण इकाई के संबंध में कार्यशाला 24 को

» जागरूक जनता @ बालोतरा। प्रधानमंत्री सूक्ष्म खाद्य उद्यम उन्नयन योजना के अन्तर्गत खाद्य प्रसंस्करण इकाई की स्थापना तथा विस्तार के लिए दिए जाने वाले अनुदान की जानकारी तथा योजना में इच्छुक उद्यमियों के पंजीकरण के लिए एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन कृषि उपज मण्डी समिति, बालोतरा के सभागार में 24 अक्टूबर को प्रातः 11 बजे आयोजित की जायेगी। कृषि उपज मंडी समिति के सचिव चेतनदान ने यह जानकारी दी।

विजयादशमी पर्व बुराई पर अच्छाई की जीत का प्रतीक-रावल सिंह

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

जसोल। राणी भटियाणी मंदिर संस्थान, जसोल में शनिवार को विजयादशमी के पावन अवसर पर संत महामंडल अध्यक्ष (दिल्ली एनसीआर) एवं पंच दशनाम जूना अखाड़ा अंतर्राष्ट्रीय प्रवक्ता तथा दूधेश्वर महादेव मंदिर (गाजियाबाद) महंत नारायण गिरी महाराज के पावन सानिध्य में भव्य धार्मिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर संस्थान अध्यक्ष रावल किशन सिंह जसोल द्वारा मंदिर परिसर स्थित समस्त मंदिरों के शस्त्रों का वैदिक रीति-रिवाज से पूजन किया गया। इस पूजा के दौरान विद्वान आचार्यों और पंडितों द्वारा वैदिक मंत्रोच्चार के साथ शस्त्र पूजन की विधि संपन्न करवाई गई। शस्त्र पूजन से पर्व जसोल सर्व समाज की कन्याओं का पूजन कर उन्हे अन्न प्रसादम करवाया गया। इस अवसर पर महंत नारायण गिरी महाराज ने कहा कि विजयादशमी पर्व अनेक सामाजिक, नैतिक संदेश देता है। ये त्यौहार हमें सिखाता है कि बुराई चाहे कितनी भी शक्तिशाली हो, अंत में सत्य और धर्म की ही जीत होती है। रावण का अंत गवाह है कि अधर्म और अहंकार का अंत निश्चित है। भगवान राम की जीवन गाथा हमें धैर्य, करुणा, त्याग और कर्तव्यनिष्ठा का महत्व सिखाती हैं। संस्थान अध्यक्ष रावल किशन सिंह जसोल ने कहा कि विजयादशमी पर्व बुराई पर अच्छाई की जीत का प्रतीक है अश्विन मास के शुक्ल पक्ष की दशमी तिथि को इसका आयोजन होता है। भगवान राम ने इसी दिन रावण का वध किया था तथा देवी दुर्गा ने नौ रात्रि एवं दस दिन के युद्ध के उपरान्त महिषासुर पर विजय प्राप्त की थी। इसे असत्य पर सत्य की विजय के रूप में मनाया जाता है।

धार्मिक अनुष्ठान पर्व सम्पन्न

शस्त्र पूजन के उपरांत, विगत नौ दिनों से चल रहे नवरात्रा पर्व अनुष्ठान का समापन विधि पूर्वक पूर्णाहुति के साथ किया गया। इस अवसर पर भक्तों ने बड़े उत्साह और श्रद्धा के साथ अनुष्ठान में भाग लिया और मां दुर्गा से अपने जीवन में खुशहाली को लेकर मंगल कामना की। विगत नौ दिनों में मां दुर्गा के नौ स्वरूपों की विधि पूर्वक पूजा अर्चना की गई तथा जसोल मां के अनन्य भक्तों की सम्पूर्ण मनोकामना पूर्ति हेतु नौ दिन जसोल सर्व समाज की कन्याओं का पूजन कर उन्हे अन्न प्रसादम करवाया गया।

हिंदुस्तान जिंक ने अल्ट्रा-रनर सूफिया सूफी को बनाया ब्रांड एंबेसडर

» जागरूक जनता @ उदयपुर। भारत की सबसे बड़ी और दुनिया की दूसरी सबसे बड़ी एकीकृत जिंक उत्पादक, हिंदुस्तान जिंक लिमिटेड ने अगले दो वर्षों के लिए विश्व प्रसिद्ध अल्ट्रा-रनर सूफिया सूफी को अपना ब्रांड एंबेसडर बनाया है। सूफिया अल्ट्रा डिस्टेंस धावक जिनके नाम कई रिकॉर्ड दर्ज है, कंपनी का उद्धेश्य आमजन में हैल्थ और फिटनेस के प्रति जागरूकता है। बुनियादी स्तर की प्रतिभाओं को आगे बढ़ाने और एथलीटों को उनके लक्ष्य हासिल करने में सहायता करने के लिए हिन्दुस्तान ज़िंक सदैव प्रतिबद्ध है। अजमेर की एथलीट सूफिया सूफी आने वाले वर्षों में कई विश्व रिकॉर्ड तोड़ने के मिशन पर हैं। कश्मीर से कन्याकुमारी तक की दूरी तय करने वाली सबसे तेज महिला धावक होने सहित कई गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड्स के साथ, सूफिया लक्ष्यों को हांसिल करने के लिये हौंसलों का उदाहरण है। दिल्ली हवाई अड्डे पर एक बैगेज हैंडलिंग अधिकारी से लेकर विश्व स्तर पर प्रसिद्ध अल्ट्रा डिस्टेंस धावक तक की प्रेरक यात्रा, हिंदुस्तान जिंक परिवार द्वारा स्वस्थ जीवन शैली अपनाते हुए सपनों को पूरा करने के लिए प्रेरित करने दृष्टिकोण के अनुरूप है।

भृगुवंशीय ब्राह्मण कर्मचारी, अधिकरी कल्याणकारी संस्थान की कार्यकारिणी का हुआ गठन

» जागरूक जनता @ बीकानेर। भृगु वंशीय ब्राह्मण कर्मचारी, अधिकरी कल्याणकारी संस्थान राजस्थान द्वारा बीकानेर में आयोजित बैठक में भार्गव समाज के सरकारी सेवारत व सेवा निवृत्त कर्मचारी, अधिकरियों की जिला कार्यकारिणी का गठन किया गया। जिसमें सर्व समिति से कार्यकारिणी का गठन करते हुए ओम प्रकाश भार्गव को जिलाध्यक्ष व विनोद भार्गव को जिलामंत्री चुना गया। इंजी. सुरेश भार्गव को वरिष्ठ उपाध्यक्ष, कमल भार्गव व गौरीशंकर भार्गव को उपाध्यक्ष, राजेन्द्र भार्गव को कोषाध्यक्ष, विकास मानव को संगठन मंत्री व अविनाश भार्गव को कार्यालय मंत्री चुना गया। प्रदेशाध्यक्ष नटवर भार्गव द्वारा सभी नवनियुक्त सदस्यों को शपथ दिलाई गई। साथ ही आगामी कार्य योजना पर विस्तार से चर्चा की गई। कार्यक्रम का संचालन गुरु प्रसाद भार्गव एवं गोविन्द भार्गव ने किया।

तुलसी किड्स स्कूल में गरबा महोत्सव मनाया

» जागरूक जनता @ बालोतरा। नवरात्र महोत्सव को लेकर गरबा आयोजन परवान पर है। इसी क्रम में तुलसी किड्स विद्यालय बालोतरा में भव्य गरबा महोत्सव का आयोजन किया गया। इस अवसर पर कक्षा 1 से 12 तक के विद्यार्थियों ने गुजराती गरबा गीतों पर जमकर डांडिया खेलने का लुत्फ उठाया। इस दौरान बच्चों और अभिभावकों सभी में रौनक व उत्साह का माहौल रहा। सभी विद्यार्थियों ने आकर्षक वेशभूषा व परिधानों में सज धजकर गरबा खेलने का आनंद उठाया। इस अवसर पर विद्यालय के प्रधानाचार्या ने विद्यार्थियों से रूबरू होकर उन्हें नवरात्रा के महत्व व शक्ति की आराधना के बारे में बताकर, उनका उत्साहवर्धन किया। गरबा कार्यक्र म के दौरान स्कूल के प्रधानाचार्या, उप प्रधानाचार्या एवं समस्त स्टाफ गण की उपस्थित रहे।

रक्तकोष के 10 युवाओं ने आपातकाल में किया रक्तदान

» जागरूक जनता @ बालोतरा। रक्तकोष मित्र मंडल सेवा संस्थान द्वारा आपातकाल में 10 युवाओं ने रक्तदान कर मानवता का परिचय दिया। संस्थान सदस्य दिनेश प्रजापत ने बताया की नाहटा अस्पताल ब्लड बैंक में ब्लड की भारी किल्लत के चलते रक्तकोष के युवा हर रोज सेवा में रक्तदान के लिए तत्पर रहकर जीवनदान देने में योगदान देते है। कोषाध्यक्ष मोहम्मद रमजान ने बताया की डेंगू और मलेरिया का प्रकोप और जिले का सबसे बड़ा अस्पताल नाहटा अस्पताल में डिलेवरी मरीजों को ब्लड की जरूरत रहती है ऐसे में रक्तकोष के युवा हर जरूरतमंद के साथ सेवा में रहते है। संस्थान अध्यक्ष पंकज डाभी ने बताया की रक्तदाता जो अपना सारा काम छोड़कर सेवा के लिए तत्पर रहते है उसको दिल से सलाम करता हूं। संस्थापक राजूराम गोल ने बताया की रक्तदाता महेंद्र मेकरना, नगराज गोदारा, मो.शाहील, कैलाश गिरी, शनि, मितेश प्रजापत, प्रवीण घारू, दिनेश, बांका राम, टीकम खेड़ा ने रक्तदान कर मानवता का परिचय दिया। इस कार्यक्रम में राजूराम गोल, दिनेश प्रजापत, अनोप दर्जी, कल्याण सिंह सिनली, जगदीश गहडवाल, ललित बोस, विक्रम चारण, मो रमजान, महेंद्र परिहार, जोगाराम डांगी, देवेंद्र राजपुरोहित, उदय गोदारा सहित कई सदस्य मौजूद रहे।

दो दिवसीय मीरा-महोत्सव का आगाज 17 से

» जागरूक जनता @ चित्तौड़गढ़। मीरा स्मृति संस्थान के सहयोग से मीरा महोत्सव का आयोजन 17 से 18 अक्टूबर को किया जाएगा। कार्यक्रम के अनुसार 17 अक्टूबर रात्रि 8 बजे इंदिरा प्रियदर्शनी ऑडिटोरियम में कत्थक के रायगढ़ घराने की सुविख्यात नृत्य कलानेत्री डॉ. विजय शर्मा एवं सहयोगी कलाकार भोपाल द्वारा 'मेरे तो गिरधर गोपाल' मीरा नृत्य नाटिका की प्रस्तुती दी जाएगी। इसी प्रकार 18 अक्टूबर को प्रातः 8:15 बजे मीरा मंदिर, दुर्ग पर कलाकार स्वर साधिका अमृता काले, डॉ. विजया शर्मा, रंगरूपा बोरा सहित प्रवीण परिहार भक्तिभाव नृत्य, मीरा भजन एवं भक्ति संगीत सभा की प्रस्तुति देंगे।

अंतर्राष्ट्रीय अग्रवाल सम्मेलन ने अग्र बंधुओं के सहायतार्थ कल्याण कोष का गठन

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

अग्र बंधुओ के सहायतार्थ 5 योजनाएं संचालित करने बाली अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर बनी पहली संस्था-राज कुमार मित्तल

कोलकाता। महाराजा श्री अग्रसेन जी के समाजवाद के सिद्धांतो का अनुसरण करते हुए अंतर्राष्ट्रीय अग्रवाल सम्मलेन के अध्यक्ष राजकुमार मित्तल की उत्कट अभिलाषा एवं अथक प्रयासों से आर्थिक रूप से कमजोर अग्रवाल बंधुओं के सहायतार्थ, विविध अग्र कल्याण योजनाओं के माध्यम से सहायता करने के एकमात्र उद्देश्य से, मातृ संस्था- अंतर्राष्ट्रीय अग्रवाल सम्मेलन (पंजी) कोलकाता के अधीन, एक पृथक एवं स्वतंत्र उपक्रम- "अंतर्राष्ट्रीय अग्रवाल सम्मेलन (कल्याण कोष)" का नवगठन, मातृ संस्था की राष्ट्रीय कार्यकारिणी द्वारा किया गया।

"संचालन समिति" के 13 सदस्य

» राजकुमार मित्तल आसनसोल, पश्चिम बंगाल » जगदीश प्रसाद अग्रवाल बिलहा, छत्तीसगढ़ » प्रदीप कुमार सर्राफ जामुड़िया, पश्चिम बंगाल » गणेश कुमारभरतिया रानीगंज, पश्चिम बंगाल » कृष्ण कन्हैया गोयल सक्ती » संगीता सेकसरिया कोलकाता, पश्चिम बंगाल » उमा बंसल कोरबा,छत्तीसगढ़ »बुद्धिश अग्रवाल अमृतसर, पंजाब » पवन कुमार मित्तल जयपुर, राजस्थान » सीएस अनिल कुमार अग्रवाल मुंबई, महाराष्ट्र » जुगल किशोर सुल्तानिया झारसुगड़ा, ओडिसा » कृष्ण कुमार बंसल, दिल्ली। यह उपक्रम एक प्रस्तावित गाईड-लाईन अनुसार गठित विविध परिषद / समितियों के माध्यम से स्वतंत्र रूप से संचालित होगा। गाईड-लाईन की प्रभाव शीलता की तिथि, मातृ संस्था के अध्यक्ष द्वारा यथा समय जारी की जावेगी।

5 योजनाओं का होगा संचालन

1. अग्र शिक्षा कल्याण योजना
2. अग्र लाडली विवाह योजना
3. अग्र स्वास्थ्य कल्याण योजना
4. अग्र वरिष्ठ कल्याण योजना
5. अग्र आपदा कल्याण योजना

विविध अग्र कल्याण योजनाओं के नियमित संचालन हेतु, एक "स्थाई एवं स्वतंत्र वृहत कोष" का निर्माण मूलतः हमारे कूल प्रवर्तक श्री अग्रसेन जी की समाजवादी विचारधारा- "एक रुपया एक ईट के सिद्धांत" का अनुसरण करते हुए (एक सदस्य 'एक रुपया' 365 दिन) = 365/- प्रतिवर्ष निर्धारित सहायता राशि के माध्यम से तथा विविध प्रकार से प्राप्त स्वैच्छिक सहायता राशियों के माध्यम से किया जाना है। सभी अग्र बंधुओं से अपेक्षा है, कि वे अधिक से अधिक स्वैच्छिक सहायता राशि, सीधे यथा निर्दिष्ट बैंक खाते मे जमा करेंगे, ताकि अग्र सहाय योजनाएं अति शीघ्र प्रारंभ हो सके।

इस उपक्रम का, एक पृथक बैंक मे पृथक खाता होगा। जिसकी जानकारी यथा शीघ्र शेयर की जावेगी। इस उपक्रम से सम्बंधित समस्त हिसाब-किताब, मातृ संस्था के कोलकाता स्थित केंद्रीय मुख्यालय मे, पृथक से रखे जावेंगे, जिनका प्रति वित्त वर्षानुसार आडिट कराया जावेगा।

चतुर्थ नेशनल प्रतियोगिता : 25 टीमें लेंगी भाग

राजस्थान दिव्यांग क्रिकेट टीम दिखाएगी प्रतिभा

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

जसोल। राजस्थान की दिव्यांग क्रिकेट टीम (डिफ्रेंटली एबल्ट क्रिकेट एसोसिएशन, राजस्थान) जो डीसीसीआई द्वारा समर्थित है, यह टीम 15 से 26 अक्टूबर तक उदयपुर में आयोजित हो रही चतुर्थ नेशनल प्रतियोगिता में हिस्सा लेगी। इस प्रतियोगिता में देश भर की 25 टीमें भाग लेंगी, जहां यह टीम अपनी खेल प्रतिभा का प्रदर्शन करेगी। राजस्थान दिव्यांग क्रिकेट टीम की पिछली उपलब्धियां भी काफी सराहनीय रही हैं। टीम ने 2017 में जम्मू और कश्मीर में आयोजित सुपर 6 टूर्नामेंट में विजेता का खिताब जीता था। इसके बाद, 2018 में छत्तीसगढ़ में भी विजेता रही और 2022 में पुणे में आयोजित प्रतियोगिता में उपविजेता का स्थान प्राप्त किया। इन कामयाबियों ने टीम को राष्ट्रीय स्तर पर एक पहचान दिलाई है।

इस महत्वपूर्ण प्रतियोगिता में हिस्सा लेने से पहले, टीम ने जसोल स्थित मां के दरबार में जाकर आशीर्वाद लिया। दर्शन के बाद, टीम के सदस्यों ने श्री राणी भटियाणी मंदिर संस्थान समिति सदस्य कुं. हरिश्चन्द्र सिंह जसोल से शिष्टाचार भेंट की। इस मुलाकात में टीम ने अपनी आगामी योजनाओं और तैयारियों पर चर्चा की और मां के आशीर्वाद से प्रतियोगिता में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने का संकल्प लिया। इस दौरान कुं. हरिश्चन्द्र सिंह जसोल ने टीम को उज्ज्वल भविष्य हेतु शुभकामनाएं देते हुए आगामी प्रतियोगिता हेतु हौंसला अफजाई की। यह प्रतियोगिता दिव्यांग क्रिकेट के क्षेत्र में राजस्थान की प्रतिष्ठा को और ऊँचाईयों पर ले जाने का अवसर प्रदान करेगी, और टीम को उम्मीद है कि वे अपने शानदार प्रदर्शन से राज्य का गौरव बढ़ाएगी।

यह रहे मौजूद : इस दौरान जोगसिंह असाड़ा, टीम सचिव इकबाल खान, कप्तान

पठान सामाजिक विकास संस्थान कार्यकारिणी घोषित

» जागरूक जनता @ चित्तौड़गढ़। पठान सामाजिक विकास संस्थान की बैठक गांधी नगर संस्थापक अध्यक्ष तनवीर खान की अध्यक्षता में आयोजित की गई। इस दौरान संस्थापक जावेद खान सहित समाज के जिम्मेदार हजरात से विचार के बाद संस्था की नई कार्यकारिणी का गठन किया गया। जिसमे सरपरस्त अब्दुल हमीद, अमजद खान, उपाध्यक्ष आदम पठान, सिराज खान, महासचिव नासीर खान, सह सचिव आदिल, मुहम्मद युनुस, कोषाध्यक्ष गुलाम सिद्दिक, प्रवक्ता सिकंदर, संगठन मंत्री असलम, सलमान, नसीब, सिद्दिक, शाहरुख खान, शरीफ खान सहित अन्य सदस्यों को शामिल है।

कोट्यार्क इंडस्ट्रीज बनी स्वैच्छिक कार्बन मशीनरी प्रमाणित दुनिया की पहली कम्पनी

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

सिरोही। कोट्यार्क इंडस्ट्रीज लिमिटेड ने एक उल्लेखनीय उपलब्धि हासिल की है! 2008 में भारत में जैव डीजल उद्योग में अग्रणी होने के बाद, हमने 2021 में नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) में सूचीबद्ध होकर एक महत्वपूर्ण कदम आगे बढ़ाया। हमारा विकास और नवाचार जारी रहा, और हम 2024 में 1500 केएल प्रति दिन की उत्पादन क्षमता के साथ भारत में सबसे बड़ी जैव डीजल निर्माण कंपनी बन गए। और अब, हमें यह घोषणा करते हुए गर्व हो रहा है कि कोट्यार्क इंडस्ट्रीज लिमिटेड ने एक और ऐतिहासिक उपलब्धि हासिल की है-हम स्वैच्छिक कार्बन मशीनरी और प्राप्त कार्बन क्रेडिट के तहत प्रमाणित होने वाली दुनिया की पहली कंपनी हैं। यह उपलब्धि स्थिरता और पर्यावरण प्रबंधन के प्रति हमारी प्रतिबद्धता का प्रमाण है। हम आपको हमारी परियोजना और https://registry.verra.org/app/projectDetail/VGS/3095 पर जाकर इस उल्लेखनीय उपलब्धि के बारे में अधिक जानने के लिए आमंत्रित करते हैं।

विजयादशमी पर्व

राष्ट्रीय बजरंग दल का शस्त्र पूजन सम्पन्न

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

चित्तौड़गढ़। अनादि काल से चली आ रही और शास्त्रों में उल्लेखित शस्त्र पूजन परम्परा का निर्वहन करते हुए विजयादशमी पर्व पर अंतर्राष्ट्रीय हिंदू परिषद राष्ट्रीय बजरंग दल द्वारा अभयपुर घाटा स्थित मांगोदड़ा गांव में विधिवत, आधुनिक व परम्परागत शस्त्रों की पूजा कर राष्ट्र धर्म की रक्षा के लिये बजरंगियों ने सदैव तत्पर हो कर तन, मन, धन न्यौछावर करने का संकल्प लिया। इस अवसर पर संगठन द्वारा चलाये जा रहे अभियान के तहत आगामी त्रिशूल दीक्षा कार्यक्रम को भव्य बनाने की रूपरेखा पर भी चर्चा की गई। कार्यक्रम के प्रारम्भ में मुख्य अतिथि लोकेश साहू ने दीप प्रज्ज्वलित कर प्रभु श्रीराम की महाआरती के साथ ही सामूहिक शस्त्र पूजन की। इस मौके पर रतन सिंह, लकी माहेश्वरी, नरपत सिंह, रामप्रकाश वैष्णव, नवलसिंह, बलवंत सिंह, गोपालसिंह, नारायणसिंह, राम सिंह, सत्यनारायणसिंह, हुकमसिंह, कुलदीप सिंह, मानसिंह आदि उपस्थित रहे।

मां भारती सेवा संस्थान एवं बालाजी व्यायामशाला द्वारा शस्त्र पूजन

मां भारती सेवा संस्थान एवं बालाजी व्यायामशाला गांधीनगर बागलेश्वर महादेव परिसर अखाड़े पर प्रति वर्ष की भांति इस वर्ष भी शस्त्र पूजन कार्यक्र म सोमवार को आयोजित किया गया। शस्त्र पूजन करने से पूर्व संस्थान के सभी सदस्यों एवं व्यायामशाला परिवार की ओर से व्यायाम शाला संचालक पहलवान कमलेश गुर्जर द्वारा हनुमान जी की धूप अगरबत्ती एवं फूल मालाओं से पूजा कर विश्व शांति के लिए प्रार्थना की गई। तत्पश्चात सभी सदस्यों द्वारा प्रभु श्री राम एवं मां भारती का जयघोष कर प्रसाद वितरण किया गया। सभी पहलवानों द्वारा व्यायामशाला परिसर में ही प्रदर्शन भी किया गया। इस मौके पर योगेंद्र पाल सिंह, राजेंद्र सिंह चुंडावत, शिव सोनी, राजकुमार कुमावत, विजय कुमार, विनय जैन, सौरभ जैन, विजय गांछा, गोपाल पुरबिया, नाहर सिंह, अनिल मौड़, मनीष पुरी गोस्वामी, रितेश कुमावत, राजेश खटीक, अशोक चौहान, जगपाल सिंह राणावत, रामनिवास गुर्जर, राहुल गुर्जर, कुणाल माली सहित अन्य कार्यकर्ता उपस्थित रहे। राष्ट्र सेविका समिति द्वारा शस्त्र एवं शास्त्र पूजनराष्ट्र सेविका समिति द्वारा विजयादशमी उत्सव का आयोजन विशाल एकेडमी स्कूल गांधीनगर में सम्पन्न हुआ। मुख्य वक्ता अखिल भारतीय व्यवस्था प्रमुख वन्दना वजीरानी ने अपने उद्धबोधन में कहा कि राष्ट्र सेविका की स्थापना 1936 में नागपुर के पास केन्द्र वर्धा में विजयादशमी के दिन वन्दनीय लक्ष्मीबाई केलकर ने की। यह महिला क्षेत्र में संगठनात्मक कार्य करने वाला एक मात्र संगठन है, इसके कार्य का परिचय आज भारत के प्रत्येक प्रान्त एवं नगर-नगर तक पहुँचा गया है। समिति ने अपनी ऐतिहासिक परम्परा का दर्शन करते हुए अपनी सेविकाओं के सामने राष्ट्र कल्याण की आंकाक्षा लेकर लोकमाता अहिल्या बाई का आदर्श कर्तव्य के लिए प्रस्तुत किया जिसका 300वां शताब्दी वर्ष कार्यक्रम पूरे वर्षभर सेविका समिति के द्वारा उनके स्मरण में किया जायेगा।

घर मंगवाये जागरूक जनता हमें कहें.....

सदस्यता फार्म दिनांक .....

जागरूक जनता हिन्दी अखबार एक उद्देश्य, एक मिशन, एक विश्वास के साथ आमजन की समस्याएं, वर्तमान राजनीतिक परिदृश्य, सांस्कृतिक गलियारा, भौगोलिक दृष्टिकोण को एक-दूसरे से साझा करने के लिए एक सेतु का काम कर रहा है। शहरी व ग्रामीण क्षेत्रों में आधुनिकतम एवं तकनीकी जानकारी पहुंचाकर शहरी एवं ग्रामीण विकास को प्रोत्साहित कर रहा है। जागरूक जनता समय-समय पर भिन्न-भिन्न विषयों के साथ- अपने पाठकों के बीच उपस्थित रहता है।

सदस्यता राशि

☐ एक वर्ष रु. 250/- ☐ दो वर्ष रु. 450/- ☐ तीन वर्ष रु. 600/- ☐ पांच वर्ष रु. 1000/-

डाक से नियमित रुप से निम्न पते पर जागरूक जनता भेजने के लिए डिमान्ड ड्राफ्ट/मनीऑर्डर जागरूक जनता के नाम भेज रहा हूं। फोन-पे, पेटीएम-9829329070

नाम / संस्था का नाम .....

पता : .....

.....

फोन ..... पिन कोड

राशि (रुपए) ..... बैंक का नाम .....

डिमान्ड ड्राफ्ट / मनीऑर्डर क्रमांक (डीडी/एमओ जागरूक जनता के नाम भेजें)

● सदस्यता रजिस्ट्रेशन क्रं. .....रसीद क्रं. .....

दिनांक ..... हस्ताक्षर

सदस्यता हेतु लिखे प्रसार प्रभारी →

जागरूक जनता
विश्वसनीय हिन्दी अखबार

बी-132, जे.पी. कॉलोनी, सैक्टर-4, विद्याधर नगर, जयपुर (राज.) मो.- 9829329070, 9928022718

Jagruk Janta World
R.N.I.Regd.No.:RAJHIN/2015/61758 | डाक पंजीयन सं. : jaipurcity/105/2024-26
/jagrukjanta /jagrukjantanews jagruk_janta
जयपुर, बुधवार
16 अक्टूबर - 22 अक्टूबर, 2024
जागरूक दुनिया
08
जागरूक जनता
www.jagrukjanta.net

कलाम का जीवन सभी के लिए प्रेरणा-मोदी

» **जागरूक जनता @ नई दिल्ली।** प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मंगलवार को पूर्व राष्ट्रपति डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम को भावभीनी श्रद्धांजलि देते हुए कहा कि उनका जीवन सभी भारतीयों के लिए प्रेरणा का स्थायी स्रोत है। पीएम मोदी ने एक्स पर एक पोस्ट में लिखा, प्रसिद्ध वैज्ञानिक और पूर्व राष्ट्रपति डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम को उनकी जयंती पर सादर श्रद्धांजलि।

आलू और प्याज की मुद्रास्फीति सितंबर में क्रमशः 78.13 प्रतिशत और 78.82 प्रतिशत पर उच्च स्तर पर बनी रही

खाद्य पदार्थों की कीमतों में उछाल से सितंबर में थोक महंगाई बढ़कर 1.84 प्रतिशत पर पहुंची

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

नई दिल्ली। खाद्य वस्तुओं, विशेषकर सब्जियों के महंगे होने से थोक मूल्य मुद्रास्फीति सितंबर में बढ़कर 1.84 प्रतिशत हो गई। जारी सरकारी आंकड़ों में यह जानकारी दी गई। अगस्त में थोक मूल्य सूचकांक (WPI) आधारित मुद्रास्फीति 1.31 प्रतिशत थी। पिछले साल सितंबर में यह 0.07 प्रतिशत घटी थी। खाद्य मुद्रास्फीति सितंबर में बढ़कर 11.53 प्रतिशत हो गई, जबकि अगस्त में यह 3.11 प्रतिशत थी। इसकी वजह सब्जियों की मुद्रास्फीति रही जो सितंबर में

48.73 प्रतिशत बढ़ी थी। अगस्त में यह 10.01 प्रतिशत घट गई थी। आलू और प्याज की मुद्रास्फीति सितंबर में क्रमशः 78.13 प्रतिशत और 78.82 प्रतिशत पर उच्च स्तर पर बनी रही। ईंधन और बिजली श्रेणी में सितंबर में 4.05 प्रतिशत की अपस्फीति देखी गई, जबकि अगस्त में 0.67 प्रतिशत की अपस्फीति हुई थी। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय ने एक बयान में कहा, सितंबर, 2024 में मुद्रास्फीति की सकारात्मक दर मुख्य रूप से खाद्य पदार्थों, खाद्य उत्पादों, अन्य विनिर्माण, मोटर वाहनों, ट्रेलरों और अर्ध-ट्रेलरों के निर्माण, मशीनरी और उपकरणों के निर्माण आदि की कीमतों में वृद्धि के कारण है। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) मौद्रिक नीति तैयार करते समय मुख्य रूप से खुदरा मुद्रास्फीति को ध्यान में रखता है। आरबीआई ने इसी महीने अपनी मौद्रिक नीति समीक्षा में मुख्य ब्याज दर या रेपो दर को 6.5 प्रतिशत पर यथावत रखा। खुदरा मुद्रास्फीति के आंकड़े दिन में जारी किए जाएंगे।

मंत्रालय ने क्या कहा?

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय ने एक बयान में कहा कि सितंबर, 2024 में मुद्रास्फीति की सकारात्मक दर मुख्य रूप से खाद्य पदार्थों, खाद्य उत्पादों, अन्य विनिर्माण, मोटर वाहनों, ट्रेलरों और अर्ध-ट्रेलरों के निर्माण, मशीनरी और उपकरणों के निर्माण आदि की कीमतों में वृद्धि के कारण है। उधर, आरबीआई मौद्रिक नीति तैयार करते समय मुख्य रूप से खुदरा मुद्रास्फीति को ध्यान में रखता है। आरबीआई ने इसी महीने अपनी मौद्रिक नीति समीक्षा में मुख्य ब्याज दर या रेपो दर को 6.5 प्रतिशत पर बरकरार रखा।

एशिया के सबसे बड़े टेक इवेंट का आगाज

भारत टेलीकॉम और टेक्नोलॉजी के मामले में दुनिया का सबसे हैपनिंग देश-मोदी

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

नई दिल्ली। एशिया के सबसे बड़े टेक इवेंट इंडिया मोबाइल कांग्रेस (IMC) के 8वें संस्करण का आगाज हो गया है। दूरसंचार विभाग और COAI की साझेदारी में आयोजित इस मेगा टेक इवेंट का उद्घाटन पीएम नरेन्द्र मोदी ने किया। इस दौरान केन्द्रीय दूरसंचार मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया भी उनके साथ मौजूद रहे। इससे पहले पीएम मोदी ने दिल्ली के भारत मंडपम में पहली बार आयोजित होने वाले ITU-WTSA का भी उद्घाटन किया। यूनाइटेड नेशन के वर्ल्ड टेलीकम्युनिकेशन स्टेंड्राइजेशन असेंबली और इंटरनेशनल टेलीकम्युनिकेशन यूनियन द्वारा यह इवेंट आयोजित किया जा रहा है।

भारत में बढ़े मोबाइल और ब्रॉडबैंड यूजर्स

केन्द्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने IMC 2024 के दौरान भारत के टेलीकॉम सेक्टर के बढ़ते प्रभाव का जिक्र किया। केंद्रीय संचार मंत्री ने भारत में मोबाइल फोन के जबरदस्त इंफ्रास्ट्रक्चर का जिक्र करते हुए कहा कि यहां जब किसी परिवार में मोबाइल फोन आता है, तो उनके पास कई जरूरी सेवाओं की पहुंच हो जाती है। इनमें बैंकिंग सर्विस से लेकर सरकार के वेलफेयर स्कीम तक शामिल हैं। ज्योतिरादित्य सिंधिया ने भारत की मोबाइल और ब्रॉडबैंड कनेक्टिविटी के बारे में कहा कि इस समय भारत में मोबाइल यूजर की संख्यां 904 मिलियन यानी 90 करोड़ से बढ़कर 1.16 बिलियन यानी 116 करोड़ तक पहुंच गई है। वहीं, भारत में ऑप्टिकल फाइबर (OFC) की पहुंच 11 मिलियन किलोमीटर से बढ़कर 41 मिलियन किलोमीटर तक हो गई है।

भारत में 120 करोड़ मोबाइल यूजर्स

पीएम मोदी ने IMC 2024 का उद्घाटन करने के बाद अपने संबोधन में कहा कि भारत आज टेलीकॉम और टेक्नोलॉजी के मामले में दुनिया के सबसे हैपनिंग देशों में से एक है। भारत जहां 120 करोड़ यानी 1200 मिलियन मोबाइल यूजर्स हैं, भारत जहां 95 करोड़ यानी 950 मिलियन इंटरनेट यूजर्स हैं, भारत जहां दुनिया का 40 प्रतिशत से अधिक का रीयल टाइम डिजिटल ट्रांजेक्शन होता है, भारत जिसने डिजिटल कनेक्टिविटी को लास्ट माइल डिलीवरी का इफेक्टिव टूल बनाकर दिखाया है। वहां, ग्लोबल टेलीकम्युनिकेशन के स्टेंडर्ड और फ्यूचर पर चर्चा ग्लोबल गुण का भी माध्यम बनेगी।

सबसे तेज 5जी रोल आउट करने वाला देश

5जी रोल आउट का जिक्र करते हुए केंद्रीय मंत्री ने कहा कि भारत दुनिया में सबसे तेज 5जी रोल आउट करने वाला देश बन गया है। महज 21 महीने के अंदर देश के 98 प्रतिशत जिलों और 90 प्रतिशत गावों में 5जी सर्विस पहुंच गई है। 4जी और 5जी कनेक्टिविटी की वजह से देश में डिजिटल पेमेंट सिस्टम का जबरदस्त ग्रोथ देखने को मिला है। UPI इंटरफेस और 4जी कनेक्टिविटी की वजह से देश में डिजिटल पेमेंट की संख्यां में इजाफा देखने को मिला है।

राइजिंग राजस्थान प्री समिट में 50 हजार करोड़ से अधिक के होंगे एमओयू

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

जयपुर। माइंस विभाग के प्रमुख शासन सचिव टी. रविकान्त ने बताया है कि 8 नवंबर को जयपुर में आयोजित माइंस व पेट्रोलियम सेक्टर के राइजिंग राजस्थान इंवेस्टमेंट समिट के प्री समिट में 50 हजार करोड़ से अधिक के निवेश प्रस्तावों के एमओयू हस्ताक्षरित कराये जाने की तैयारी है। उन्होंने बताया कि राइजिंग राजस्थान इंवेस्टमेंट समिट में अब तक आयोजित रोड़ शो आदि में माइनिंग सेक्टर के 44 हजार 721 करोड़ रु. से अधिक के निवेश प्रस्ताव

हस्ताक्षरित हो चुके हैं। टी. रविकान्त खनिज भवन में राइजिंग राजस्थान के तहत माइंस व पेट्रोलियम सेक्टर के 8 नवंबर को होने वाले प्री समिट की तैयारियों की समीक्षा बैठक ले रहे थे। उन्होंने कहा कि राज्य का माइनिंग सेक्टर निवेश, रोजगार और राजस्व की दृष्टि से तेजी से आगे बढ़ रहा है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि माइनिंग सेक्टर के स्थानीय स्तर पर और अधिक निवेश लाने के प्रयास किये जाएं ताकि 8 नवंबर को आयोजित प्री समिट में माइनिंग और पेट्रोलियम सेक्टर से और अधिक निवेश प्रस्तावों के एमओयू हस्ताक्षरित हो सके। उन्होंने बताया कि राइजिंग राजस्थान प्री समिट के माध्यम से राजस्थान की खनिज संपदा और खनन क्षेत्र की संभावनाओं से प्री समिट में हिस्सा लेने वाले प्रतिभागियों के साथ ही देश दुनिया के माइनिंग क्षेत्र से जुड़े लोगों को रुबरु कराया जाएगा।

जयपुर एयरपोर्ट पर विमान में बम की सूचना के बाद हुई इमरजेंसी लैंडिंग

» **जागरूक जनता @ जयपुर।** दमाम से लखनऊ जा रही इंडिगो की एक फ्लाइट में बम होने की सूचना मिलने के बाद फ्लाइट की जयपुर हवाई अड्डे पर इमरजेंसी लैंडिंग करवाई गई। घटनाक्रम के बाद हवाई अड्डे पर हड़कंप मच गया। मुस्तैदी के बीच यात्रियों और क्रू मेम्बर्स को नीचे उतारकर विमान की सघन तलाशी ली गई। फिलहाल, विमान में बम जैसी किसी भी वस्तु के मिलने की पुष्टि नहीं हुई है। समाचार लिखे जाने तक एहतियात के तौर पर विमान को आइसोलेशन एरिया में खड़ा किया गया है। जांच पूरी होने के बाद ही इस विमान को आगे लखनऊ के लिए रवाना किया जाएगा।

HBOT जीवन रक्षक प्रणाली द्वारा इलाज
ऑक्सीजन (प्राणवायु) ट्रीटमेंट
»मस्तिष्क चोट, पक्षाघात/लकवा
»सेरेब्रल पाल्सी, ऑटिज्म
»असाध्य घाव/शुगर के घाव
»कैंसर (रेडियो थेरेपी) के साईड इफेक्ट
»अचानक बहरापन (Hearing Loss)
»डाईबेटिक फुट में अम्पुटेशन (पैर कटने) से बचाव
अधिक जानकारी के लिए सम्पर्क करें:-
98290-17133, 70737-77133
9983317133
डॉ. हिमांशु अग्रवाल M.B.B.S. M.D.
नेशनल हायपरबैरिक रिसर्च सेन्टर
594-B-C, जेम्स कॉलोनी, सैक्टर-3, मंदिर मोड, विद्याधर नगर, जयपुर
Dept. of Hyperbaric Medicine
Fortis Escorts Hospital
JLN Marg, Malviya Nagar, Jaipur
E-mail : hbotjaipur@gmail.com
www.nationalhbot.in

इंस्टीट्यूट ऑफ चार्टर्ड अकाउंटेंट की दो दिवसीय इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस

सांस्कृतिक विरासत को बताया जा रहा हमारी कमजोरी, प्रहार जरूरी-उपराष्ट्रपति धनखड़

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

जयपुर। राजधानी जयपुर में मंगलवार को इंस्टीट्यूट ऑफ चार्टर्ड अकाउंटेंट की दो दिवसीय इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस शुरू हुई। इस कॉन्फ्रेंस का आयोजन इंस्टीट्यूट ऑफ चार्टर्ड अकाउंटेंट जयपुर ब्रांच की ओर से किया जा रहा है और कॉन्फ्रेंस का उद्घाटन करने उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ पहुंचे और सीए प्रोफेशनल्स को संबोधित किया।

इस मौके पर उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने कहा कि आपसे बात करने का अर्थ है कि प्रोफेशन ऑफ द नेशन से बात कर रहे हैं। सीए हमारे देश के अनसंग हीरो हैं। आप जैसा रोल कोई और नहीं कर सकता। आप देश के लिए सहयोग करते हैं और ग्लोबल नेशन में अकाउंटेबल बनाते हैं। उन्होंने आगे कहा कि पारदर्शिता आज हमारे वित्तीय सिस्टम की जरूरत है। आप इसके लिए योग्य हैं। विकसित

हमारी संस्कृति को कमजोर बताया जा रहा

उपराष्ट्रपति ने कार्यक्रम के दौरान यह भी कहा कि भारत के सभ्यतागत लोकाचार को विभाजन के खतरों से बचाने के लिए तत्काल कार्रवाई की आवश्यकता है। एक स्थिर और संपन्न राष्ट्र सुनिश्चित करने के लिए सामाजिक एकता को संरक्षित किया जाना चाहिए। हमारी सांस्कृतिक विरासत पर कुठाराघात हो रहा है। उसको हमारी कमजोरी बताने का प्रयास हो रहा है। उसके तहत देश को ध्वंस करने की योजना बनी हुई है। ऐसी ताकतों पर वैचारिक और मानसिक प्रतिघात होना चाहिए।

भारत को लेकर भी धनखड़ ने कहा कि आज पूरे देश में हवन हो रहा है। विकसित भारत के लिए और इसमें पूर्ण आहुति की जरूरत है, जो आपकी फर्टिनिटी द्वारा संभव है।

मुख्यमंत्री दुग्ध उत्पादन संबल योजना : प्रदेश के 3.25 लाख पशुपालक लाभान्वित

92.41 करोड़ की अनुदान राशि डेयरी किसानों के बैंक खातों में ट्रांसफर

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

जयपुर। पशुपालन एवं डेयरी मंत्री जोराराम कुमावत ने मंगलवार को शासन सचिवालय में डेयरी किसानों को दीपावली की सौगात देते हुए मुख्यमंत्री दुग्ध उत्पादक संबल योजना की 92.41 करोड़ रुपए की अनुदान राशि उनके बैंक खातों में सीधे ही डीबीटी के माध्यम से जारी की। इससे प्रदेश के लगभग 3.25 लाख पशुपालक लाभान्वित होंगे।

मीडिया से बातचीत करते हुए कुमावत ने कहा कि दुग्ध उत्पादकों को दूध के मूल्य का भुगतान आरसीडीएफ द्वारा किया जाता है। वहीं मुख्यमंत्री दुग्ध उत्पादन संबल योजना के अंतर्गत 5 रुपए की अनुदान राशि भी दुग्ध उत्पादकों को दी जा रही है, जिससे दुग्ध उत्पादकों को दुगुना फायदा हो रहा है। इस योजना का लाभ सीधे दुग्ध उत्पादकों को उनके बैंक खातों के माध्यम से पहुंचाने के उद्देश्य से प्रत्यक्ष लाभ हस्तांतरण (डीबीटी) सिस्टम द्वारा राशि हस्तांतरित की जा रही है।

पशुपालन एवं डेयरी मंत्री ने कहा कि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में राज्य सरकार किसानों एवं पशुपालकों के कल्याण के लिए प्रतिबद्ध होकर कार्य कर रही है। इसी क्रम में वर्ष 2024-25 के बजट में मुख्यमंत्री दुग्ध उत्पादक संबल योजना के लिए 600 करोड़ रुपए बजट का प्रावधान किया गया। साथ ही हाल ही में दूरदराज के क्षेत्रों में पशुओं के इलाज की समुचित व्यवस्था के लिए 536 मोबाइल वेटरनरी यूनिट और 1962 कॉल सेंटर प्रारंभ किया गया है।

पशुपालन शासन सचिव डॉ समित शर्मा ने कहा कि हमारा प्रयास है कि दुग्ध संग्रहण केंद्र एवं दुग्ध प्रोसेसिंग सेंटर्स की संख्या बढ़ाई जाए, जिससे दुग्ध एवं उससे बने उत्पादों दही, छाछ, मिठाई, आइसक्रीम आदि का उत्पादन बढ़ाया जा सके।

आरसीडीएफ की एमडी श्रुति भारद्वाज ने कहा कि मुख्यमंत्री दुग्ध उत्पादन संबल योजना पशुपालकों के हितार्थ राज्य सरकार की महत्वपूर्ण योजना है। अनुदान राशि से दुग्ध उत्पादकों को संबल मिल रहा है।

जागरूक जनता
www.jagrukjanta.net
विश्वसनीय समाचार पत्र
जी हाँ,यदि आपको अपने प्रतिष्ठान का व्यापार का विज्ञापन देना है तो जागरूक जनता समाचार पत्र द्वारा पूरे राजस्थान के साथ-साथ 4 अन्य राज्यों में आपका विज्ञापन प्रसारित किया जायेगा।
जो दिखेगा वही बिकेगा
आज ही बुक करें विज्ञापन

आपके व्यापार की तरक्की
जागरूक जनता के साथ
विज्ञापन क्लासीफाइड डिस्प्ले प्रॉपर्टी वैवाहिक
विज्ञापन बुक करें : 9928022718 9829329070

संपादक : ज्ञानेन्द्र मिश्रा मो.-9829329070, फोन : 0141-3587886, ईमेल : jagrukjantanews@gmail.com (सभी मामलों का न्याय क्षेत्र जयपुर) * पीआरबी एक्ट के तहत खबर चयन के जिम्मेदार। संपादकीय कार्यालय : 180, जे.पी. कॉलोनी, मैन आपीए रोड, 16 नं. बस स्टैण्ड, विद्याधर नगर, जयपुर (राजस्थान)-302039

सांसद रावत व पैरा ओलंपिक मोना ने किया उद्घाटनः प्लेयर ऑफ़ द सीरीज को मिलेगी कार

नारायण सेवा और डीसीसीआई द्वारा आयोजित चौथी राष्ट्रीय दिव्यांग क्रिकेट का हुआ आगाज

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

उदयपुर। 'हमने अपना कोई अंग हादसे में खोया है लेकिन जिंदगी से लड़ने का जोश और जुनून कायम है। हम अपना सर्वश्रेष्ठ देने का पूरा प्रयास करेंगे।'इस जज्बे के साथ मंगलवार को फील्ड क्लब मैदान पर चौथी नेशनल फिजिकल डिसेबिलिटी ञ्र-20 क्रिकेट चैंपियनशिप का आगाज हुआ। ग्यारह दिवसीय इस चैंपियनशिप का आयोजन नारायण सेवा संस्थान के तत्वावधान में डिफरेंटली एबल्ड क्रिकेट काउंसिल ऑफ इंडिया (डीसीसीआई) के सहयोग से किया जा रहा है। यह पहला मौका होगा जब टूर्नामेंट के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी को कार दी जाएगी।

मुख्य अतिथि सांसद डॉ. मन्नालाल रावत व पेरिस पैरालंपिक निशानेबाजी में कांस्य पदक विजेता मोना अग्रवाल को देश के विभिन्न राज्यों की 24 टीमों के 400 से अधिक खिलाड़ियों और उनके प्रशिक्षकों ने ध्वजा-रोहण के दौरान मार्च फार्स्ट कर सलामी दी। इस अवसर पर मुख्य अतिथि डॉ. ने कहा कि खिलाड़ियों में शारीरिक दृष्टि से किसी कमी के बावजूद उनका उत्साह आसमान छू रहा है। हाल ही में पेरिस में संपन्न पैरालंपिक में भी अब तक का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन कर हमारे दिव्यांग खिलाड़ियों ने साबित भी किया है। निश्चय ही यहां के खेल मैदानों पर भी इस राष्ट्रीय क्रिकेट महाकुंभ में उनका समर्पण उत्कर्ष और नए कीर्तिमान बनाने का होगा। उन्होंने टूर्नामेंट के शुभारम्भ की घोषणा की। संस्थान संस्थापक पद्मश्री कैलाश 'मानव' के सानिध्य में आयोजित उद्घाटन मैच के विशिष्ट अतिथि .पीसीसीआई के अध्यक्ष सुरेंद्र लोहिया, डीसीसीआई की प्रदेश अध्यक्ष ज्योत्सना चौधरी, ऑफिसर कॉर्पोरेट चेयरमैन डीसीसीआई राजेश भारद्वाज, बीसीसीआई मैनेजर एल्विन गायकवाड़, डीसीसीआई हैदराबाद अध्यक्ष सुरेंद्र अग्रवाल एवं नारायण सेवा संस्थान निदेशक वंदना अग्रवाल थे। उद्घाटन मैच राजस्थान व केरल के बीच हुआ। राजस्थान ने पहले खेलते हुए 182 रन बनाए। जिसमें अंतर्राष्ट्रीय खिलाड़ी सुरेंद्र कुमार ने 67 गेंद में शतक को लाँघते हुए 120 रन बनाए।

संस्थान अध्यक्ष प्रशांत अग्रवाल ने अतिथियों, खिलाड़ियों, डीसीआई के अधिकारियों व टीम प्रबंधकों का स्वागत करते हुए कहा के संस्थान वर्ष 2017 से ही राष्ट्रीय स्तर पर दिव्यांग खिलाड़ियों के खेल महाकुंभ आयोजित कर उनके सशक्तीकरण की दिशा में अपने दायित्व का निर्वाह कर रहा है। उन्होंने बताया कि उदयपुर शहर के फील्ड क्लब, बीएन यूनिवर्सिटी ग्राउंड, गीतांजली ग्राउंड, नारायण पैरा स्पोर्ट्स एकेडमी, डबोक और करनपुर क्रिकेट ग्राउंड में कुल 67 मैच होंगे। 24 टीमों को चार ग्रुप में बाटा गया है। प्रतिदिन 8 मैच होंगे। चारों ग्रुप के 60 लीग मैच होंगे। 25 अक्टूबर को फाइनल मैच फील्ड क्लब में खेला जाएगा। सभी खिलाडियों के सुरक्षा, यातायात, भोजन, आवास एवं भ्रमण की उनके अनुकूल श्रेष्ठ व्यवस्था की गई है।

संस्थान दो नेशनल पैरा स्विमिंग, एक नेशनल ब्लाइंड क्रिकेट, एक नेशनल व्हीलचेयर क्रिकेट चैंपियनशिप और थर्ड नेशनल डिसएबल्ड क्रिकेट चैंपियनशिप का पूर्व में सफलता पूर्वक आयोजन कर चुका है। व्हीलचेयर क्रिकेट चैंपियनशिप का आयोजन गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड में दर्ज हुआ है। डीसीसीआई की ओर से स्वागत करते हुए सचिव रविकांत चौहान ने बताया कि चैंपियनशिप में भाग लेने वाले खिलाड़ियों का चयन पिछले एक वर्ष में हुए विभिन्न टूर्नामेंट में प्रदर्शन को आधार मानकर किया गया है। ये सभी खिलाड़ी 18 वर्ष से अधिक आयु वर्ग के हैं।

राष्ट्र सेविका समिति द्वारा शस्त्र एवं शास्त्र पूजन

समाज एवं राष्ट्र निर्माण में अमूल्य योगदान दे महिलाएं-वजीरानी

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

चितोड़गढ़। राष्ट्र सेविका समिति द्वारा विजयादशमी उत्सव का आयोजन विशाल एकेडमी स्कूल, गांधीनगर में सम्पन्न हुआ। मुख्य वक्ता अखिल भारतीय व्यवस्था प्रमुख वन्दना वजीरानी ने अपने उद्बोधन में कहा कि राष्ट्र सेविका की स्थापना 1936 में नागपुर के पास केन्द्र वर्धा में विजयादशमी के दिन वन्दनीय लक्ष्मीबाई केलकर ने की। यह महिला क्षेत्र में संगठनात्मक कार्य करने वाला एक मात्र संगठन है इसके कार्य का परिचय आज भारत के प्रत्येक प्रान्त एवं नगर-नगर तक पहुँचा गया है।

समिति ने अपनी ऐतिहासिक परम्परा का दर्षन करते हुए अपनी सेविकाओं के सामने राष्ट्र कल्याण की आंकाक्षा लेकर लोकमाता अहिल्या बाई का आदर्ष कर्तृव्य के लिए प्रस्तुत किया जिसका 300वां शताब्दी वर्ष कार्यक्रम पूरे वर्षभर सेविका समिति के द्वारा उनके स्मरण में किया जायेगा।

महिलाओं को समाज एवं राष्ट्र निर्माण में योगदान देना चाहिए। मुख्य अतिथि यातायात प्रभारी सीआई सुनीता गुर्जर कहा कि शस्त्र एवं शास्त्र पूजन की ऐसी प्रथा देखकर यह विजयादषमी पर्व शक्ति का महसूस होता है। यदि प्रत्येक नारी शस्त्र उठा ले तो संगठन बड़ा हो सकता है इसका साक्षात उदाहरण सामने है। इस अवसर पर अतिथियों द्वारा शस्त्र एवं शास्त्र पूजन किया गया। कार्यक्रम में विभाग विस्तारिका तनवी कविष्वर, सरोज कुमावत ने अतिथि का स्वागत किया। कार्यक्रम में चितौड़ प्रान्त की सेविकाएं उपस्थित रही। चितौड़ विभाग कार्यवाहिका विमला सेठिया ने धन्यवाद ज्ञापित किया।

नगर परिषद आयुक्त ने की कार्मिकों के साथ बैठक

» जागरूक जनता @ जयपुर। मंगलवार को नगर परिषद सभागार भवन में निवर्तमान आयुक्त जितेन्द्र चौकीदार की अध्यक्षता में नगर परिषद के समस्त अधिकारियों एवं कर्मचारियों के साथ बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में नगर परिषद आयुक्त ने नगर परिषद परिसर के कर्मचारियों को दीपावली पर्व को ध्यान में रखते हुए अपने कार्यालय कक्षों की साफ-सफाई सुदृढ़ करते हुए रेकर्ड व्यवस्थित करने के निर्देश दिये। साथ ही कार्यालय समय में कार्यालय में उपस्थित रहकर आमजन से प्राप्त कार्यों एवं शिकायतों का तुरन्त प्रभाव से निस्तारण करने हेतु पाबंद किया गया।

तंबाकू मुक्त विद्यालय जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

कोटा। कार्यालय मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी कोटा एवं नोडल अधिकारी राष्ट्रीय तंबाकू नियंत्रण प्रकोष्ठ एवं विकल्प इंडिया सोसाइटी जयपुर के संयुक्त तत्वाधान में कोटा जिले के सरकारी व निजी विद्यालयों/ महा विद्यालयों मे राष्ट्रीय तंबाकू नियंत्रण कार्यक्रम के अंतर्गत तंबाकू मुक्त विद्यालय जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है। जिसमें छात्र-छात्राओं को तंबाकू से होने वाले दुष्परिणामों की जानकारी तथा तंबाकू के सेवन से होने वाली बीमारियों के विषय में स्लाइड प्रजेनटेशन, चित्रकला प्रतियोगिता, वाद विवाद प्रतियोगिता, निबंध लेखन प्रतियोगिता के माध्यम से जानकारिया दी गई विधार्थियों व शिक्षकों को तंबाकू उत्पादों का सेवन न करने हेतु शपथ दिलवाई गई, कोटा जिला क्षेत्र में स्कूल में सोसाइटी द्वारा बैनर, पंपलेट वितरण एवं चस्पा कर शिक्षण परिषद मैं 100 गज की परिधि क्षेत्र में तंबाकू विक्रय एवं सेवन को कानूनी अपराध मानते हुए 200 रुपए के जुर्माने का प्रावधान हेतु संदेश देकर अवगत कराया गया, सोसायटी के अध्यक्ष संजय कटारा द्वारा बताया गया की इस क्षेत्र में सोसाइटी के जिला परियोजना अधिकारी बतौर प्रतिनिधि गौरव कुमार मिश्रा, वैभव मिश्रा, अनिल कुमार, दिनेश आदि द्वारा उक्त कार्यक्रमों को आयोजित किया गया है।

भारत में कनाडा के छह राजनयिक निष्कासित

भारत ने बुलाएं अपने उच्चायुक्त व अन्य अधिकारी

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

नई दिल्ली। भारत ने कनाडा के छह राजनयिकों को निष्कासित कर दिया तथा कनाडा से अपने उच्चायुक्त और ''निशाना बनाए जा रहे'' अन्य राजनयिकों एवं अधिकारियों को वापस बुलाने की घोषणा की। सिख अलगाववादी हरदीप सिंह निज्जर की हत्या की जांच से भारतीय राजनयिकों को जोड़ने के कनाडा के आरोपों को सिरे से खारिज करते हुए भारत ने यह कार्रवाई की है।

भारत द्वारा उच्चायुक्त संजय वर्मा और कुछ अन्य राजनयिकों को वापस बुलाने का निर्णय कनाडा के प्रभारी राजदूत स्टीवर्ट व्हीलर्स को विदेश मंत्रालय में तलब किए जाने के कुछ ही समय बाद आया। व्हीलर्स को स्पष्ट रूप से संदेश दिया गया कि भारतीय उच्चायुक्त संजय वर्मा और अन्य राजनयिकों एवं अधिकारियों को निराधार तरीके से निशाना बनाना पूरी तरह अस्वीकार्य है। अमेरिकी अखबार 'वाशिंगटन पोस्ट' ने कनाडा के कुछ अधिकारियों का नाम जाहिर किए बिना उनके हवाले से खबर प्रकाशित की है कि कनाडा ने सोमवार को छह भारतीय राजनयिकों को देश छोड़ने का आदेश दिया है जिनमें वर्मा और टोरंटो में वाणिज्य दूतावास के शीर्ष अधिकारी शामिल हैं। समझा जाता है कि वर्मा और अन्य अधिकारी अगले कुछ दिन में कनाडा से लौट आएंगे। विदेश मंत्रालय ने देर शाम जारी बयान में कहा कि भारत ने प्रभारी राजदूत व्हीलर्स और उप उच्चायुक्त पैट्रिक हेबर्ट सहित कनाडा के छह राजनयिकों को 19 अक्टूबर की रात 11:59 बजे तक या उससे पहले भारत छोड़ने को कहा है। निष्कासित किए गए अन्य राजनयिकों में मैरी कैथरीन जोली, इयान रॉस डेविड ट्राइट्स, एडम जेम्स चूइप्का और पाउला ओरजुएला (सभी प्रथम सचिव) शामिल हैं। भारत ने भारतीय उच्चायुक्त वर्मा के खिलाफ आरोपों को ''मनगढ़ंत'' और ''बेतुका'' बताते हुए इन्हें ट्रूडो सरकार के राजनीतिक एजेंडे से जुड़ा बताया, जो वोट बैंक की राजनीति पर केंद्रित है।

सुधीर ने जीता एशियाई किकबॉक्सिंग चैंपियनशिप में भारत के लिए कांस्य पदक

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

कंबोडिया। कौशल और दृढ़ संकल्प का शानदार प्रदर्शन करते हुए, सुधीर सक्सेना ने 5 अक्टूबर से 14 अक्टूबर, 2024 तक कंबोडिया के ओलंपिक स्टेडियम में आयोजित एशियाई किकबॉक्सिंग चैंपियनशिप में 94 किलोग्राम भार वर्ग में भारत के लिए कांस्य पदक जीता है। पूरे एशिया के कुछ बेहतरीन फाइटर्स के खिलाफ प्रतिस्पर्धा करते हुए, सुधीर ने असाधारण कौशल का प्रदर्शन किया, अपने कठोर प्रशिक्षण और समर्पण का परिचय दिया। उनके प्रदर्शन ने न केवल उन्हें पोडियम पर जगह दिलाई, बल्कि किकबॉक्सिंग के खेल में भारत की बढ़ती उपस्थिति को भी उजागर किया।

सुधीर की भागीदारी पंजाब नेशनल बैंक के उदार प्रायोजन के माध्यम से संभव हुई, जो विभिन्न खेलों में उभरती प्रतिभाओं का दृढ़ समर्थक रहा है। सुधीर ने कहा, "यह उपलब्धि मेरे प्रशिक्षण में लगाई गई कड़ी मेहनत और प्रतिबद्धता को दर्शाती है।" "मैं पंजाब नेशनल बैंक के अटूट समर्थन के लिए उनका आभारी हूँ, और मैं यह पदक उन सभी को समर्पित करता हूँ जिन्होंने मुझ पर विश्वास किया।" एशियाई किकबॉक्सिंग चैंपियनशिप एक महत्वपूर्ण आयोजन है जो विभिन्न देशों के शीर्ष एथलीटों को एक साथ लाता है, और उन्हें उच्चतम स्तर पर प्रतिस्पर्धा करने के लिए एक मंच प्रदान करता है। सुधीर की सफलता भारत भर के कई महत्वाकांक्षी एथलीटों के लिए प्रेरणा का काम करती है, जो साबित करती है कि समर्पण और समर्थन महान ऊंचाइयों को प्राप्त करने की ओर ले जा सकते हैं।पंजाब नेशनल बैंक खेलों को बढ़ावा देने और एथलीटों को सफलता की यात्रा में सहायता करने के लिए दृढ़ प्रतिबद्धता रखता है। पंजाब नेशनल बैंक के प्रवक्ता ने कहा, "हमें सुधीर सक्सेना की उपलब्धि पर अविश्वसनीय रूप से गर्व है। उनकी जीत न केवल उनकी प्रतिभा को प्रदर्शित करती है, बल्कि अंतर्राष्ट्रीय मंच पर भारतीय एथलीटों की क्षमता को भी उजागर करती है।" सुधीर इस कठिन जीत का जश्न मनाते हुए, भारत का प्रतिनिधित्व जारी रखने और किकबॉक्सिंग में अपनी क्षमताओं की सीमाओं को आगे बढ़ाने की महत्वाकांक्षाओं के साथ भविष्य की प्रतियोगिताओं की ओर देखते हैं।

पंचायती के झूठे केस से बरी

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

सिरोही। निकटवर्ती गांव डूँगरी के तथाकथित राजपुरोहित समाज के पंच बताकर माधोराम पुत्र तोलाजी , बाबूराम पुत्र सांकलजी , महेंद्र कुमार पुत्र गुलाबीगजी , सुरेश , प्रताप पुत्र माधोरामजी पर सामाजिक बहिष्कार करने व आर्थिक दण्ड की मांग बाबत दर्ज करवाए प्रकरण में ग्राम न्यायालय पिण्डवाडा (सिरोही) में विचाराधीन मामले में दिनांक - 26/09/2024 को निर्णय देते हुए आरोपीगण को दोषमुक्त कर दिया है। उक्त प्रकरण झूठा होने से मामले में संदेह का लाभ प्रदान करते हुए दोषमुक्त किया है। पूर्व में सामाजिक बहिष्कार को लेकर मामला बहुत चर्चा में रहा था। जो आरोप मुकदमा दर्ज कराने वाले शिवराम पुत्र समरतिंगजी, खीमाशंकर, कान्तिलाल पुत्र चतुर्भुजजी, सोनाराम पुत्र भबुतिंगजी झूठे आरोपो को साबित करने में असफल रहे। माधोराम पुत्र तोलाजी एवं आरोपी गण की तरफ से मुकदमे की पैरवी अधिवक्ता उमेश पटेल के द्वारा कि गई।

यूटीसीएल गोकुल गोशाला के द्वितीय चरण का शुभारम्भ

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

सिरोही। अल्ट्राटेक नाथद्वारा सीमेंट के इकाई प्रमुख सी.पी.एस चौहान के निर्देशन में क्षेत्र वासियो की मांग ध्यान में रखते हुए अल्ट्राटेक प्रबंधन द्वारा आमली रोड पिण्डवाड़ा में UTCL गोकुल गोशाला का निर्माण किया गया।

अल्ट्राटेक सीमेंट लिमिटेड के north cluster के COO एस. के. गुप्ता एवं अल्ट्राटेक नाथद्वारा सीमेंट लिमिटेड के इकाई प्रमुख सीपीएस चौहान द्वारा कान्वी महिला मण्डल की उपस्थिति में द्वितीय चरण का शुभारम्भ किया गया। द्वितीय चरण में 3 काऊ शेड एवं एक चारा गोदाम का निर्माण किया गया जिससे गोशाला में 500 पशुओं के देख भाल की जा सकेगी एवं असहाय गाय हो जिन की देख भाल नहीं हो पा रहीं हो ऐसी गो माता को गोशाला के माध्यम से उचित देखभाल मिलने लगेगी गोशाला के निर्माण से पिण्डवारा क्षेत्र के बेघर गोमाता की समुचित देखभाल की जाएगी एवं सड़क दुर्घटना में बेघर पशुओ के कारण होने वाली दुर्घटनाओं में कमी आएगी। पिंडवारा नगरपालिका क्षेत्र एवं आस पास के गांव के जनप्रतिनिधियों एवं सामाजिक संगठनों द्वारा बताया गया की गोशाला के निर्माण होने से क्षेत्र में जो परिवार गौ माता की किसी कारणवश देखभाल नहीं कर पा रहे ऐसे परिवारों के पशुओ की उचित देखभाल गोशाला के माध्यम से हो सकेगी गोशाला में वर्तमान समय में 335 गायों की देख भाल की जा रही है। जिनके के लिए गोशाला में आवश्यक छायादार शेड, पशुओ के आहार हेतु कमरा, गौ पालक के रहने के लिए आवास का निर्माण साथ ही साथ अन्य आवश्यक बातो को ध्यान में रख कर किया गया है।

केंद्रीय भेड़ एवं ऊन अनुसन्धान संस्थान अविकानगर

किसान-वैज्ञानिक संगोष्ठी एवं रबी की फसलों का बीज वितरण कार्यक्रम का आयोजित

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

टोंक। केंद्रीय भेड़ एवं ऊन अनुसन्धान संस्थान अविकानगर मे निदेशक डॉ अरुण कुमार तोमर की अध्यक्षता मे किसान - वैज्ञानिक संगोष्ठी एवं रबी की फसल चना की जीएनजी-2144 किस्म के बीजो का वितरण कार्यक्रम किसान हॉस्टल सभागार मे किया गया। जिसमे निदेशक द्वारा अपने सम्बोधन मे बताया कि सभी किसानो को संस्थान द्वारा दिये गये ऊनत किस्म बीज वितरण का उदेश्य आपकी खेती की पैदावार बढ़ाना है ताकि अच्छे किस्म के बीज बोने से ज्यादा से ज्यादा उत्पादन लिया जा सके। आप अपनी मिट्टी की स्वास्थ्य जाँच करके ही खाद का प्रयोग करें, जिससे सही पोषक तत्व ही हम खेते मे डाल सके। बीज वितरण कार्यक्रम मे नोडल अधिकारी अनुसूचित जाति उपयोजना डॉ अजय कुमार ने बताया कि मालपुरा तहसील के 16 गांवो के अनुसूचित जाति के 80 से ज्यादा किसानो को 30 किलो जीएनजी-2144 चना की किस्म का बीज एवम इसी प्रकार फार्मर फर्स्ट प्रोजेक्ट के पीआई डॉ सत्यवीर ड़ागी द्वारा बताया की चयनित 6 गांवो के 10 किसानो को भी चना किस्म का बैग भी वितरण कार्यक्रम मे किया गया। बीज वितरण कार्यक्रम मे रबी चना बीज की बुवाई, उपचार एवं विभिन्न समय पर की जाने वाली गतिविधियों के बारे मे विस्तार जानकारी डॉ रंगलाल मीना वैज्ञानिक कृषि द्वारा उपस्थित किसानो को बताई गई। बीज वितरण कार्यक्रम मे डॉ पी के मलिक, डॉ अमरसिंह मीना, महेशचंद मीना,राजेंद्र कुमार मछुपुरिया, रतन लाल बैरवा के साथ टीम एसीएसपी सेल द्वारा भी सहयोग किया गया। अविकानगर के मीडिया प्रभारी डॉ अमर सिंह मीना ने दी जानकारी।

मध्यप्रदेश के अधिकारियों ने देखा राजस्थान में निःशुल्क दवा योजना का प्रबंधन

विभिन्न चिकित्सा संस्थानों का किया भ्रमण, भण्डारण, आपूर्ति एवं वितरण व्यवस्था की ली जानकारी

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

जयपुर। राजस्थान में निःशुल्क दवा योजना के क्रियान्वयन एवं प्रबंधन का अवलोकन करने मध्यप्रदेश पब्लिक हेल्थ सर्विसेज कॉरपोरेशन की टीम मंगलवार को दो दिवसीय दौरे पर जयपुर पहुंची। टीम ने प्रदेश में निःशुल्क दवा योजना का प्रबंधन देखने के लिए जयपुर शहर के चिकित्सा संस्थानों का भ्रमण किया। राजस्थान मेडिकल सर्विसेज कॉरपोरेशन की प्रबंध निदेशक नेहा गिरि ने बताया कि राजस्थान निःशुल्क दवा योजना के प्रबंधन व क्रियान्वयन में लगातार देश में अव्वल बना हुआ है। साथ ही, योजना को और अधिक प्रभावी बनाने के लिए निरंतर नवाचार एवं आवश्यक बदलाव किए जा रहे हैं। मध्यप्रदेश की टीम प्रदेश में निःशुल्क दवा योजना के प्रबंधन के अध्ययन हेतु राजस्थान आई है। टीम ने पहले दिन निःशुल्क दवा योजना के तहत दवाओं की आपूर्ति एवं वितरण प्रक्रिया को समझने के लिए जयपुर

शहर में मानसरोवर में किरण पथ स्थित शहरी प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र एवं सोडाला में देवीनगर प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र का भ्रमण किया। यहां आरएमएससीएल के अधिकारियों ने दवाओं की आपूर्ति प्रक्रिया, वितरण एवं अवधिपार दवाओं के निस्तारण के बारे में विस्तार से जानकारी दी। साथ ही, ई–औषध सॉफ्टवेयर के माध्यम से दवा आपूर्ति के ऑनलाइन प्रबंधन के बारे में भी अवगत कराया। शाम को मध्यप्रदेश के अधिकारियों ने दवाओं की भण्डारण व्यवस्था को समझने के लिए सवाई मानसिंह अस्पताल स्थित मेडिकल कॉलेज ड्रग वेयरहाउस एवं सीएमएचओ कार्यालय स्थित डिस्ट्रिक्ट ड्रग वेयर हाउस जयपुर प्रथम एवं द्वितीय का भ्रमण किया। उन्होंने यहां दवाओं के भण्डारण की व्यवस्था को करीब से देखा और आवश्यक जानकारी ली।

टीम में एमपीपीएचसीएल के प्रबंध निदेशक डॉ. पंकज जैन, महाप्रबंधक प्रोक्योरमेंट डॉ. राजेश गुप्ता, महाप्रबंधक वित्त श्री विशाल शर्मा, महाप्रबंधक गुणवत्ता श्री अभिनव सिंह सहित अन्य अधिकारी शामिल रहे। मध्यप्रदेश की टीम बुधवार को जयपुरिया हॉस्पिटल एवं आमेर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र का भ्रमण करेगी तथा स्वास्थ्य भवन में आयोजित बैठक में निःशुल्क दवा योजना के विस्तृत प्रस्तुतीकरण का अवलोकन एवं मुख्य बिंदुओं पर चर्चा करेगी।

जनजातीय समुदाय द्वारा किये गए उत्कृष्ट कार्य एवं योगदान सामाजिक समरसता की मिसाल है-उइके

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

जयपुर। अन्तर्राष्ट्रीय रोमा सांस्कृतिक विश्वविद्यालय के तत्वाधान में मंगलवार को जवाहर कला केंद्र में केंद्रीय राज्य मंत्री, जनजाति कार्य मंत्रालय दुर्गादास उइके के मुख्य आतिथ्य में मंगलवार को अन्तर्राष्ट्रीय जनजातीय संस्कृति महोत्सव का आयोजन किया गया।

इस अवसर पर उइके ने कहा कि हमारे इतिहास में प्राचीन कालखंड से लेकर रामायण एवं महाभारत के युग तक जनजातीय समुदायों का विशेष महत्व रहा है, इनके द्वारा किये गए उत्कृष्ट कार्य एवं समाज के उत्थान में दिए गए योगदान सामाजिक समरसता की मिसाल है । उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में विभिन्न क्षेत्रों में फैली हुई जनजाति वर्गों की प्रतिभाओं को निखारने के लिए अनेक कार्यक्रमों का संचालन किया जा रहा है। श्री उइके ने कहा कि प्राचीन समय में सोने की चिड़िया कहलाने वाले हमारे राष्ट्र पर समय- समय पर हुए विदेशी आक्रमणों ने देश की संस्कृति को बहुत क्षति पहुँचाई है। ऐसे में अब जरुरी है कि वैश्विक स्तर पर फैले हुए जनजातीय समुदायों को एकत्र किया जाए और देश कि उन्नति में भागीदारी निभाई जाए। इस अवसर पर राजस्व मंत्री हेमंत मीना ने कहा कि जनजातीय समुदाय प्रकृति संरक्षण का एक सर्वश्रेष्ठ उदाहरण है। यह समुदाय हमें प्रकृति के साथ जीवन जीना सिखाता है। उन्होंने कहा कि वर्तमान परिप्रेक्ष्य में जनजातीय संस्कृति और उनकी परंपराओं को संरक्षित करना एवं सहेजना अत्यंत महत्वपूर्ण है। इसी क्रम में केंद्र सरकार द्वारा प्रधानमंत्री जनजातीय उन्नत ग्राम अभियान के अंतर्गत 63 हज़ार से अधिक जनजातीय बहुल गांवों के परिवारों की सामाजिक एवं आर्थिक स्थिति में सुधार लाने के लगभग 80 हज़ार करोड़ की राशि को मंजूरी दी गई है। इस अभियान के तहत अगले 5 वर्षों में जनजातीय समुदायों के लिए पक्के आवास, जल एवं बिजली आपूर्ति, गुणवत्तापूर्ण शिक्षा एवं बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं जैसी आधारभूत जरूरतों को पूरा करने के लक्ष्यों का क्रियान्वयन किया जाएगा।

उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में राज्य सरकार प्रदेश के जनजातीय क्षेत्रों में शिक्षा को बढावा देने के लिए विभिन्न योजनाओं का सफल संचालन कर रही है जिससे जनजातीय समुदाय प्रगति पथ पर अग्रसर हो रहे हैं।

कार्यक्रम में अतिथियों द्वारा जनजातीय क्षेत्रों में रोजगार के अवसर उपलब्ध कराने के लिए निर्मित योजना का पोस्टर विमोचन किया गया। इस अवसर पर प्रतिभा खराड़ी को जनजाति गौरव सम्मान, इंदिरा गाँधी नहर बोर्ड के अध्यक्ष कुंजीलाल मीणा एवं अतिरिक्त महानिदेशक पुलिस, एसडीआरएफ हवा सिंह घुमरिया को प्रशासनिक सम्मान प्रदान किया गया। इसके साथ ही शिक्षा, प्रशासन, कौशल, उद्यमशीलता, विधि, समाजसेवा जैसे विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट कार्य करने वालों को सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में राज्यसभा सांसद चुन्नीलाल गरासिया, अंतर्राष्ट्रद्धय सहयोग परिषद् के महासचिव श्याम परांदे, अंतर्राष्ट्रद्धय रोमा सांस्कृतिक विश्वविद्यालय के चांसलर एम.के.वाजपेयी, विश्वविद्यालय के निदेशक एवं राजस्थान चैप्टर के अध्यक्ष गोविन्द पारीक तथा जनजातीय विभाग के अधिकारी उपस्थित थे।

सावन ही अगन लगाए तो उसे कौन बुझाए...

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

व्यंग्य लेख

पूनम चन्द्रा
वरिष्ठ पत्रकार
@jagrukjanta.net

जयपुर। यूनिवर्सल सूरज, चांद और सितारों की गर कीमत होती तो कमबख्त इंसान उसे भी बेच डालते। वरना छिपकली की तरह निगल जाते इन्हें भी, जिस तरह धरती का इक कोना भी नहीं छोड़ा धूर्त, लालची इंसान ने। यार, बेईमानी की भी हद होती है। गोया इंसान की कोई कीमत नहीं पर, इंसानियत भी पूरी सफाचट्ट। यार ये तो सरासर लूट का लोकतंत्र हो गया। ऐसा फील गुड हो रहा है स्वयंभू, निकम्मों और दबंगों को अभिव्यक्ति की आजादी की तरह लूटने की आजादी जैसा संवैधानिक अधिकार मिल गया हो। बेचारे गरीबों का क्या है नंगे आए थे और नंगे ही रुख्सत हो जाएंगे। लूटने वाले तो जैसे खाली हाथ आए थे और मुठ्ठी को कस कर ले जाएंगे। इन्हें मूर्ख कहें या चतुर, ये तो बड़ी चतुराई से चाहे सरकार में हो या अन्यत्र ठिकानों पर कंटिन्यू चूना ही लगा रहे हैं। अब देखिए! हर तरह की सरकारी नौकरियों में पेपरलीक का मामला 10-15 किलोग्राम के गर्म तवे के मानिंद गर्मा रहा है पर, मजाल है कोई इन मगरमच्छों को पकड़ लें। न जाने इस खेल के मंझे हुए बड़ी तादाद में खिलाड़ी वतन की आजादी से इसका आनंद उठा रहें हैं। खुद ही नहीं पोते-पोती भी अफसर बनकर रिटायर्ड हो गए, न जाने कौनसी कीमती और अच्छी नस्ल का दिमाग है जो सरपट दौड़ता है यार इनका। ऐसे लोगों के चेहरों का नूर तो देखों यार, चांद की लालिमा भी फीकी पड़ जाए। अब तो यार हर कामयाब इंसान भी शक की दरिया में डूबा दिखाई देता है। जब सावन ही अगन लगाए तो उसे कौन बुझाए...। मेहनतकशों को तो जैसे कोरोना महामारी ने घेर लिया हो, बेचारे! कामयाबी की आस में हर वक्त अपने हाथ मलते रहते हैं। बगूला भगत की भांति भक्ति, आस्था दिखाने वाले लोग कामयाबी की गारंटी बनते जा रहे हैं। वहीं मेहनत को भगवान के समान मानने वाले लोग की सच्ची आस्थाभी धूप, अगरबत्ती की धुएं में अस्थमा जैसे रोग को दावत देती दिखाई दे रही हैं। ऐसा नहीं है कि हर कामयाब इंसान निकम्मा, नाकारा हो पर, असल की हूबहू नकल करने वालों की भी कमी नहीं हैं। कमबख्त असल को भी सच जैसा बना डालते हैं। फिर चाहे डिग्री की हेराफेरी हो या पासपोर्ट, आधार या पैनकार्ड, इन सबकी नकल को असल की शक्ल में खूबसूरती से पिरो देते हैं। इतना ही नहीं नकलचियों ने असल रुपयों को भी नहीं छोड़ा। डमी और डाई जैसे अल्फाज से अब तो असल डायन भी अपना दूसरा डेरा तलाश रही है।

विभागीय कार्यों की साप्ताहिक समीक्षा बैठक आयोजित

नोटिस देने के बजाय धरातल पर कार्य करवाये-यादव

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

बालोतरा। जिला कलक्टर सुशील कुमार यादव की अध्यक्षता में मंगलवार को कलेक्ट्रेट सभागार में जिला स्तरीय अधिकारियों के साथ विभागीय कार्यों की साप्ताहिक समीक्षा बैठक आयोजित की गई।

इस दौरान जिला कलक्टर सुशील कुमार यादव ने नगर परिषद को दिपावली के पुर्व शहर की सभी सड़कों के पेचवर्क करने, खराब रोड़ लाइट को दुरूस्त करने के साथ कचरा संग्रहण की स्थिति में सुधार करने के निर्देश दिये। उन्होने कहा कि शहर में गारन्टी पीरियड की सड़को को तुरंत प्रभाव से दुरूस्त करवाने के लिए संबंधित ठेकेदार को सूचित करावें। ठेकेदार द्वारा सडक मरम्मत नही करने की अवस्था में विभागीय कार्यवाही करावें। उन्होने नगर परिषद को निर्देशित करते हुए कहा कि ठेकेदार को नोटिस देने के बजाय धरातल पर कार्य करवाये, ताकि आमजन को राहत मिले।

जिला कलक्टर ने चिकित्सा विभाग को मौसमी बिमारियों, डेगूं एवं मलेरिया रोग के चलते निर्देशित किया कि सभी चिकित्सालयों एवं स्वास्थ्य केन्द्रों पर निःशुल्क दवा एवं जांच सुविधा समेत सभी चिकित्सा सुविधाओं की पर्याप्त उपलब्धता सुनिश्चित की जाए। उन्होंने कहा कि आमजन के मलेरिया, डेंगू आदि मौसमी बीमारियों से बचाव हेतु वृहद स्तर पर एंटी लार्वा गतिविधियां करवाई जाए। आवश्यकता अनुसार फॉगिंग, टेमीफॉस और एमएलओ का छिड़काव करवाया जाए।

उन्होने सपंर्क पोर्टल पर दर्ज प्रकरणों के गुणवत्तापूर्ण निस्तारण के निर्देश देते हुए कहा कि अधिकारी परिवादियों को राहत पहुंचाने का कार्य करें। प्रत्येक विभागीय अधिकारी असंतुष्ट प्रकरण की गुणवत्ता का रिव्यू कर प्रतिदिन अपने स्तर पर संबंधित परिवादियों से बात करें। सभी विभाग संपर्क पोर्टल पर औसत निस्तारण दिवस, राहत प्रतिशत एवं राहत संतुष्टि प्रतिशत में सुधार के लिये गंभीरतापूर्वक कार्यवाही करें। उन्होने राईजिंग राजस्थान के जिला स्तरीय कार्यक्रम तैयारियों की समीक्षा करते हुए उन्होंने कहा कि उद्यमियों को अधिकाधिक निवेश के लिए प्रोत्साहित किया जाए।

इस अवसर पर उपखण्ड अधिकारी अशोक कुमार, मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी वांकाराम चौधरी, प्रमुख चिकित्सा अधिकारी डॉ. संदीप देवात, विद्युत विभाग के अधीक्षण अभियंता सोनाराम पटेल, जिला रसद अधिकारी कंवराराम, सार्वजनिक निर्माण विभाग के अधीक्षण अभियंता मुकेश जोशी, नगर परिषद से अधिशासी अधिकारी अखाराम पंवार एवं जितेन्द्र चौकीदार समेत सभी जिला स्तरीय अधिकारी उपस्थित रहे।

एथलेटिक्स खेल कूद प्रतियोगिता

खेल प्रतिभाएं खेल के साथ शिक्षा का महत्व जरूरी समझे-बेनीवाल

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

रावतसर। सांसद उम्मेदाराम बेनीवाल ने मंगलवार को संसदीय क्षेत्र के बायतु ब्लॉक के भीमडा में 68वीं जिला स्तरीय 14 वर्षीय छात्र छात्रा वर्ग एथलेटिक्स खेल कूद प्रतियोगिता के शुभारंभ कार्यक्रम में शामिल हुए, इस दौरान सांसद बेनीवाल ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा खेल प्रतिभागियों को जीवन जीने और संघर्ष करने के साथ सफलता के प्रति प्रेरित करता हैं।

खेलों को खेल की भावना से खेलना चाहिए, खेलों के दौरान ईमानदारी से अपने खेल कौशल का प्रदर्शन करें खेलों के माध्यम से भी बच्चें अपना सुनहरा भविष्य बना सकते है। खिलाड़ी को अपनी सफलता के लिए मन में जज्बा और निरंतर प्रयत्न होना चाहिए कि मुझे सफलता हासिल करनी है तो अवश्य निश्चित तौर पर सफल होंगे, खेलों से मनुष्य के मानसिक, नैतिक और शारीरिक के साथ बौद्धिक सर्वांगीण विकास होता हैं जिससे मनुष्य का मस्तिष्क स्वस्थ होता हैं तो विचार और ऊर्जा भी सकारात्मक होती हैं।

खेल शिक्षा का एक महत्वपूर्ण हिस्सा मानते हैं, खेल एक ऐसी चीज है जो हमें इन परेशानियों, चिंताओं और तनावों से मुक्त करती है। छात्र जीवन में अपने भविष्य के खेलों में रूचि के साथ अपनी पढ़ाई पर ध्यान देकर शिक्षा को भी महत्व देना चाहिए और हमें संस्कृति तथा संस्कारों को अपने जीवन पर्यन्त सदा बनाएं रखना होगा। जीवन को सफल और सुदृढ़ बनाने में संस्कारों की अहम भूमिका होती हैं। उन्होंने अपने व्यक्तव्य के माध्यम सभी प्रतिभागी छात्र-छात्रा वर्ग के खिलाडियों को अच्छे प्रदर्शन एवं उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं प्रेषित की।

जैसलमेर में एक दिवसीय इन्वेस्ट समिट आज

25000 करोड़ से अधिक राशि के निवेश से मिलेगा 15000 को रोजगार

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

जैसलमेर। राइजिंग राजस्थान इन्वेस्ट समिट के तहत जैसलमेर में बुधवार को एक दिवसीस इन्वेस्टर मीट प्रातः 10 बजे होटल मेरीयट में आयोजित किया जाएगा। इस दौरान जिले के प्रभारी मंत्री जोराराम कुमावत की मौजूदगी में जिले में विभिन्न क्षेत्रों में निवेश के लिये एम.ओ.यू. किए जायेगें। इससे हजारों करोड़ के निवेश से जिले में प्रगति के नए प्रतिमान स्थापित होगें।

जिला कलक्टर प्रताप सिंह ने बताया कि इन्वेस्टर मीट के लिए जिला स्तर पर सभी प्रशासनिक तैयारियॉ पूर्ण कर ली गई है। उन्होंने बताया कि इन्वेस्ट समिट राइजिंग राजस्थान को लेकर निवेशकों में भारी उत्साह देखा जा रहा है। जिसका परिणाम है कि उर्जा, माइंनिग, पर्यटन एम.एस.एम.ई लॉजिस्टिक आदि क्षेत्रों में भारी निवेश के प्रस्ताव जिले में प्राप्त हो रहे है। न केवल राजस्थान बल्कि दिल्ली, छतीसगढ तथा गुजरात आदि राज्यों से भी निवेशक निवेश के लिए उत्साह दिखा रहे है। जिला कलक्टर ने बताया कि कार्यक्रम स्थल पर जिले के हस्तशिल्प एवं विशिष्ट उत्पादों पर आधारित एक प्रदर्शनी भी लगाई जाएगी। इसमें दस से अधिक स्टालों पर जिले के उत्पादों को प्रदर्शित किया जाएगा। जिला उद्योग एवं वाणिज्यक केन्द्र की महाप्रबन्धक संतोष ने बताया कि जिलें में अब तक कुल 76 एमओ.यू. प्रस्ताव प्राप्त हो चुके है जिनसें जिलें में कुल निवेश 25,940 करोड़ प्राप्त होगा तथा 15,310 लोगों को रोजगार प्राप्त होगा। उन्होंने बताया कि जैसलमेर का पीला पत्थर न केवल स्थानीय व्यापारियों और कारीगरों के लिए रोजगार के अवसर पैदा कर रहा है, बल्कि इसकी बढ़ती मांग राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर निवेशकों का ध्यान आकर्षित कर रहा है।

डॉ प्रियंका चौधरी की अनुशंसा की पर छह सड़कें की होगी स्थाई मरम्मत

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

रावतसर। बाड़मेर विधायक डॉ प्रियंका चौधरी की अनुशंसा व अथक प्रयासों से बाड़मेर विधानसभा क्षेत्र में एसडीआरएफ के अन्तर्गत छह सड़कों की स्थाई मरम्मत होगी। जानकारी अनुसार सम्पर्क सड़क हरुपेचाणियो की ढाणी 1.6 किमी, रावतसर से वाया गुले का नाडिया 6.25 किमी, जोगेशवर कुआं से हरखोणी बेनिवालो की ढाणी प्रोटेक्शन कार्य,कवास से भाडखा दो किमी, महाबार बक्शे का तला से भूरोणी मेघवालों की ढाणी प्रोटेक्शन कार्य,चवा-सिणधरी सड़क से भीलो की बस्ती प्रोटेक्शन कार्य स्वीकृत हुए हैं। डॉ चौधरी ने मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा व उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी का आभार व्यक्त किया है।

निम्स विश्वविद्यालय राजस्थान के फाउंडर डॉ. बलवीर एस. तोमर बने 'वर्ल्ड हेल्थ समिट' के अंतरराष्ट्रीय अध्यक्ष

» जागरूक जनता @ जयपुर। निम्स विश्वविद्यालय राजस्थान के संस्थापक प्रो. (डॉ.) बलवीर एस. तोमर को वर्ल्ड हेल्थ समिट के अंतरराष्ट्रीय अध्यक्ष के रूप में नियुक्त किया गया है।

यह नियुक्ति न केवल प्रो. तोमर के असाधारण नेतृत्व और योगदान को मान्यता देती है, बल्कि निम्स विश्वविद्यालय और पूरे देश के लिए एक महत्वपूर्ण उपलब्धि भी है। यह पहली बार है जब कोई भारतीय वर्ल्ड हेल्थ समिट के वैश्विक सम्मलेन में एक अध्यक्ष के रूप में प्रतिनिधित्व करेगा। इसी के साथ पहली बार कोई भारतीय संस्थान, भारत में 2025 में वर्ल्ड हेल्थ समिट की मेजबानी, में करेगा। समिट के मुख्य संरक्षक जर्मन चांसलर, ओलाफ स्कोल्ज़, फ्रांसीसी राष्ट्रपति- इमैनुएल मैक्रॉन, और विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) के महानिदेशक टेड्रोस एडनोम घेब्रेयेसस हैं ।

किसानों के चेहरे पर मुस्कान का अंबार

रावतसर @ जागरूक जनता। इस साल अच्छी बरसात से जिले के किसानों के चेहरे पर मुस्कान है। जिले भर में अच्छे सुकाल की उम्मीद है। और किसानों के खेतों में फसलें पककर तैयार है और किसान कटाई कर रहे हैं। ग्राम पंचायत रावतसर के जाखड़ो की ढाणी में एक किसान के घर के आगे बाजरे की फसल कटाई का ढेर। **फोटो-डालू जाखड़ रावतसर**

कला एवं शिल्प कार्यशाला आयोजित

विरासतों का संरक्षण करना सबका दायित्व-जसोल

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

बालोतरा। बाड़मेर इन्टेक चैप्टर संयोजक रावल किशन सिंह के नेतृत्व में लुणी नदी किनारे बालोतरा में कला एवं शिल्प कार्यशाला का आयोजन किया गया। जिसमें कुं. हरीशचन्द्र सिंह जसोल ने मुख्य अतिथि के रुप में भाग लिया। उन्होंने इस अवसर पर कहा कि विरासतों का संरक्षण करना हम सब का सामूहिक दायित्व है। हमारे चारों ओर कला संस्कृति परम्पराऐं आदि विरासतें विद्यमान है। आवश्यकता इस बात की है कि इन विरासतों को हम पहचाने और लुप्त हो रही विरासतों का संरक्षण स्वयं हम करें। आधुनिक जीवन शैली की होड़ में हम अपनी परम्पराऐं भूल रहे हैं। कला संस्कृति को बढ़ावा देने की बजाय आधुनिकता को बढ़ावा दे रहे हैं इससे हमारे विरासतों को खतरा है। कला एवं शिल्प कार्यशाला में विजेता टीमों को बधाई देते हुए कहा कि यह नई पीढ़ी आगे आकर विरासतों के संरक्षण में महत्वपूर्ण भूमिका अदा कर सकती है।

इस अवसर पर इंटेक चैप्टर बाड़मेर के पूर्व संयोजक यशोवर्धन शर्मा ने इंटेक स्थापना के उद्देश्यों पर प्रकाश डालते हुए कहा कि लोक परम्पराऐं और स्थानीय संस्कृति को हम अपने जीवन में अपनाएँ ताकि विरासतों का संरक्षण भी हो और कला पर्यटन को भी बढ़ावा मिले।

उन्होंने कहा कि हमारी संस्कृति के अनेक आयाम है जिससे हम अपनी कला संस्कृति परम्पराओं को आगे बढ़ते हुए विरासतों के संरक्षण में महत्वपूर्ण भूमिका अदा कर सकते हैं।

वन विभाग के अधिकारी सहायक वनपाल घनश्यामजी ने इस अवसर पर कहा कि पृथ्वी पर सभी जीव एक दूसरे से जुड़े हुए है वन्य जीव संरक्षण को बढ़ावा देने की आवश्यकता है इनका संरक्षण पेड़ो और अन्य प्राकृतिक संसाधनों की सुरक्षा जितना ही महत्वपूर्ण है। हालांकी, वन्य जीव और जंगल का अस्तित्व एक दूसरे से जुड़ा हुआ है। यदि हम वन्य जीवों को बर्बाद करते है तो हम परिणामस्वरुप पृथ्वी के प्राकृतिक पर्यावरण को बर्बाद कर रहे है।

विधान सभा के अक्टूबर माह के विद्युत बिल में पेनल्टी शून्य सतत निगरानी का आया सकारात्मक परिणाम

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

जयपुर। विधान सभा में अक्टूबर माह के बिजली के बिल में विद्युत पेनल्टी शून्य होने से विद्युत खर्च की राशि में कमी आई है। इससे विद्युत खर्च का बिल निर्धारित सीमा में आने पर विधान सभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने संतोष व्यक्त किया है।

विधान सभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी के निर्देश पर गत दो माह से आदर्श पॉवर फैक्टर संधारित करने के लिये की गई सतत निगरानी से विद्युत खर्च के नियंत्रण करने के प्रयासों से सकारात्मक परिणाम आये है। इससे अक्टूबर माह के बिल में पेनल्टी शून्य आयी है। गत अगस्त माह में विधान सभा में पॉवर फैक्टर संधारित नहीं होने से विद्युत बिल में पेनल्टी लगने से विद्युत खर्च का बिल अधिक राशि का प्राप्त हुआ था। इस पर विधान सभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने नाराजगी व्यक्त की थी। देवनानी ने सार्वजनिक निर्माण विभाग और विद्युत वितरण कम्पनी के अधिकारियों को एक बैठक में विधान सभा में उत्पादित विद्युत के गुणवत्तापूर्ण एवं अधिकतम उपयोग को सुनिश्चित करने के साथ आदर्श पॉवर फैक्टर को संधारित करने के लिए निरन्तर निगरानी रखने के लिये निर्देश दिये थे। विधानसभा अध्यक्ष देवनानी ने राजस्थान विधानसभा के गत माहों में विद्युत का अधिक राशि का बिल आने पर चिंता प्रकट करते हुए अधिकारियों को विद्युत खर्चे के बिलों की गहराई से जांच करने और संबंधित अधिकारी की जिम्मेदारी तय करने के साथ पेनल्टी की राशि उससे पुनर्भरण करने के निर्देश दिये थे।

देवनानी ने भविष्य में विद्युत खर्चे पर मॉनिटरिंग की पुख्ता व्यवस्था करने के भी निर्देश दिए थे। देवनानी ने कहा था कि विधानसभा में स्थापित 33 के वी ग्रिड में आदर्श पावर फैक्टर को बनाए रखने के हर संभव प्रयास किए जाएं।

भूमि विकास बैंक की 33वी. साधारण सभा सम्पन्न

सदस्यों को मिलेगा 5% लाभांश

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

चित्तौड़गढ़। सहकारी भूमि विकास बैंक लि. की वार्षिक साधारण सभा की बैठक मंगलवार को बैंक अध्यक्ष बद्रीलाल जाट की अध्यक्षता में सरस्वती वन्दना कर शुरू की गई। आयोजित कार्यक्रम में अध्यक्ष द्वारा उपखण्ड अधिकारी बीनू देवल का स्वागत अभिनन्दन किया गया। उपखण्ड अधिकारी ने राज्य में प्रथम स्थान पर ऋण वितरण एवं अच्छी ऋण वसूली के लिए अध्यक्ष को शुभकामनाए व्यक्त करते हुये कहा कि राज्य सरकार व भारत सरकार की कई अनुदानित ऋण योजनाऐं है, जिनका व्यापक प्रचार-प्रसार करते हुये बैंक इच्छुक सदस्यों को लाभान्वित करें। बैठक में बैंक उपाध्यक्ष, संचालक मण्डल पदाधिकारी एवं लघुत्तर निकाय के सदस्य उपस्थित थे।

बैंक अध्यक्ष द्वारा वार्षिक प्रतिवेदन को पढ़ कर सुनाया गया। सुनील कुमार व्यास ने बताया कि बैठक मे ऑडिट रिपोर्ट स्वीकार करने, ऑडिट आक्षेपों का अनुमोदन करने, लाभ-हानि खाता, सन्तुलन चित्र, ऑडिट रिपोर्ट भाग 'अ' का अनुमोदन एवं सदस्यों की जमा हिस्सा पूंजी में 5 प्रतिशत लाभांश राशि रू. 41.49 लाख बैंक के सदस्यों को देने का निर्णय लिया गया।

साधारण सभा की बैठक में पूर्व संचालक व लघुत्तर निकाय के सदस्य भगवतीप्रसाद व्यास ने बैंक की अच्छी ऋण वसूली पर होने पर शुभकामनाएं व्यक्त की। मदन गोपाल धाकड, सीताराम अहीर, मदनलाल जोशी, भगवानलाल रेगर के अलावा लघुत्तर निकाय के सदस्यों ने विचार व्यक्त किये। बैंक के 8 ऐसे ऋणी किसान जिन्होने बैंक से ऋण लेकर समय पर ऋण की अदायगी कर रहे है, उनको साधारण सभा में प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया तथा साथ ही शाखा बेगूं की ऋण वसूली 96.28 प्रतिशत सबसे अधिक रहने पर सचिव प्रवीण कुमार सोनी को प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया। बैठक के दौरान सीताराम अहीर, भैरूलाल जाट, भगवानलाल अहीर, प्रहलाद गुर्जर, गोपाललाल धाकड, मदनलाल जोशी, केसरबाई जाट, भगवानलाल रेगर, नारायणलाल भील, इन्द्राबाई कुमावत आदि उपस्थिति थे।

खुदरा उर्वरक विक्रेता सर्टिफिकेट पाठ्यक्रम प्रशिक्षण का शुभारम्भ

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

चित्तौड़गढ़। कृषि विज्ञान केन्द्र द्वारा आयोजित 15 दिवसीय खुदरा उर्वरक विक्रेता पाठ्यक्रम प्रशिक्षण के शुभारम्भ अवसर पर मुख्य अतिथि संयुक्त निदेशक दिनेश जागा कृषि विभाग ने प्रशिक्षणार्थियों से आव्हान किया कि वे सच्ची लग्न व निष्ठा से अपने व्यवसाय के साथ किसानों को सही समय पर सही सुझाव देकर अप्रत्यक्ष रूप से उनके लिए बदलाव अभिकर्ता या कृषि जानकार के रूप में सहायता करें। उन्होने यह भी कहा कि इस प्रशिक्षण को प्राप्त करने के उपरान्त सभी उर्वरक विक्रेताओं को किसानों से सीधा सम्पर्क स्थापित कर विभिन्न प्रकार की नवीनतम एवं आधुनिक कृषि तकनीकियों को अपनाने के लिए भी प्रेरित करना चाहिए और उनकी आमदनी को बढ़ाने में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभानी चाहिए। इस अवसर पर जागा ने सभी प्रतिभागियों से आह्वान किया कि ज्ञान को सीखने की कोई उम्र नहीं होती है। अतः प्रतिभागियों को कृषि सम्बन्धित नवीनतम साहित्व एवं विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों के सम्पर्क में रहना चाहिए ताकि कृषि में हो रहे नवाचारों द्वारा आप लोग किसानों को अप्रत्यक्ष रूप से लाभान्वित कर सकते है। इस अवसर पर उप निदेशक उद्यान डॉ. शंकर लाल जाट ने प्रशिक्षणार्थियों को उर्वरकों के सन्तुलित उपयोग एवं मृदा परीक्षण के महत्व पर प्रकाश डालते हुए मृदा स्वास्थ्य कार्ड, पोषक तत्व प्रबन्धन, समन्वित पोषक तत्व के लाभ, जैविक खेती और उसके लाभ, कार्बनिक खेती आदि के बारे में भी चर्चा की।

जसोलधाम में आश्विन शुक्ल त्रयोदशी पर उमड़े श्रद्धालु

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

जसोल। बालोतरा जिले के शक्तिपीठ जसोलधाम में आस्था का अद्वितीय दृश्य देखने को मिला। हजारों श्रद्धालु मां राज राजेश्वरी राणीसा भटियाणीसा के दर्शन और पूजा-अर्चना के लिए उमड़े। प्रातः मंगला आरती के दौरान मंदिर के पट खुलते ही श्रद्धालुओं में दर्शन की होड़ मच गई। हर ओर उत्साह और आस्था का माहौल रहा, जिसमें बच्चे, बुजुर्ग, युवा और महिलाएं शामिल थीं। श्रद्धालुओं ने राणीसा भटियाणीसा सहित रावल कल्याणसिंह जी, बायोसा, सवाईसिंहजी, लाल बन्नासा, खेतलाजी, और भैरूजी के मंदिरों में भी दर्शन किए। भक्तों ने परिवार की खुशहाली और समृद्धि के लिए मंगल कामनाएं की। मंदिर के मुख्य द्वार से लेकर प्रवेश मार्ग तक श्रद्धालुओं की लंबी कतारें लगी रहीं, जिनमें सभी मां के दर्शन के लिए बेसब्री से प्रतीक्षा करते नजर आए।

आस्था की लहर दूर दूर से जातरू पहुंचे

श्रद्धालुओं का मंदिर पहुंचने का सिलसिला ब्रह्ममुहूर्त से ही प्रारंभ हुआ, जो देर रात तक अनवरत जारी रहा। देश-प्रदेश के विभिन्न हिस्सों से आए हजारों श्रद्धालु पैदल जत्थों के रूप में मां माजीसा के जयकारे लगाते, भजन गाते और नृत्य करते हुए मंदिर पहुंचे। नवविवाहित दंपतियों ने सुखी दांपत्य जीवन की कामना की, जबकि नवजात शिशुओं के झड़ूले उतारकर उनके स्वस्थ जीवन की प्रार्थना की गई। देर शाम हजारों श्रद्धालुओं ने मंदिर में पहुंच दर्शन किए और माता के चरणों में नमन किया।

सुरक्षा और व्यवस्था के कड़े बंदोबस्त

श्रद्धालुओं की भारी भीड़ को देखते हुए मंदिर संस्थान की ओर से सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए। मंदिर प्रांगण में व्यापक सुरक्षा व्यवस्था हेतु सुरक्षाकर्मियों की तैनाती की गई, ताकि भीड़ को नियंत्रित किया जा सके और सभी श्रद्धालुओं को सुचारू रूप से दर्शन लाभ मिल सके।

ढोल-धमाकों के साथ महाआरती

त्रयोदशी के अवसर पर जसोलधाम में प्रातः कालीन मंगला एवं संध्याकालीन आरती का मालाणी सांस्कृतिक कला केन्द्र -जसोल के गैर नृत्य कलाकारों, पुष्कर के नगारची कलाकारों व स्थानीय कलाकारों के ढोल-धमाकों के साथ महाआरती का आयोजन किया गया। इस विशेष आरती में हजारों श्रद्धालुओं ने भाग लिया और माता के चरणों में अपनी आस्था प्रकट की।

रातभर ज्योत जलाकर राती जोगा का आयोजन

मां माजीसा के दरबार में रातभर ज्योत जलाकर 'रातीजोगा' का आयोजन किया गया। श्रद्धालुओं ने रात भर भजन-कीर्तन करते हुए जागरण किया और माता के प्रति अपनी श्रद्धा अर्पित की।

अन्न पूर्णा प्रसादम एवं छप्पन भोग लाभ

संस्थान की ओर से श्रद्धालुओं को अन्न पूर्णा प्रसादम एवं छप्पन भोग सेवा लाभ हेतु शुरू की गई पहल के तहत आश्विन शुक्ल त्रयोदशी के अवसर पर मां माजीसा को अन्नपूर्णा प्रसादम एवं छप्पन भोग अर्पित किया गया। इस सेवा का लाभ दिनेश जैन द्वारा लिया गया। लाभार्थी परिवार ने भोग लगाने के उपरांत कन्या पूजन व अन्न प्रसादम करवाया।

दो दिवसीय भव्य मीरा महोत्सव 17 व 18 को

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

चित्तौड़गढ़। भक्त शिरोमणि मीराबाई के 525 में जन्मोत्सव वर्ष में चित्तौड़गढ़ में मीरा महोत्सव का आयोजन 17 व 18 अक्टूबर को होगा। मीरा स्मृति संस्थान अध्यक्ष प्रो. सत्यनारायण समधाणी ने बताया कि भक्ति शक्ति त्याग एवं बलिदान की पावन स्थली चित्तौड़गढ़ पूरे भारत में ही नहीं अपितु संपूर्ण विश्व में मीराबाई की साधना स्थली के रूप में विख्यात है। इसलिए राष्ट्र का जनमानस चित्तौड़गढ़ को मीराबाई का देश के नाम से श्रद्धापूर्वक संबोधित करता है। प्रो. ने बताया कि चित्तौड़गढ़ का इतिहास एवं सांस्कृतिक विरासत को विश्व विभूति मीराबाई की स्मृति में मीरा महोत्सव का आयोजन शरद पूर्णिमा पर करने की परंपरा का सूत्रपात सन् 1990 में चित्तौड़गढ़ की तत्कालीन जिला कलेक्टर डॉ मालोविका पंवार ने किया था विगत 33 वर्षों से यह परंपरा अनवरत चली आ रही है। मीरा स्मृति संस्थान सचिव डॉ अर्जुन मूंदड़ा ने बताया कि इस वर्ष मीरा महोत्सव के दोनों दिवस में रात्रि समारोह इंदिरा प्रियदर्शनी ऑडिटोरियम में आयोजित किया जाएगा। इसके अतिरिक्त प्रतिवर्ष की भांति 18 अक्टूबर प्रातः 8:15 बजे दुर्ग स्थित मीरा मंदिर के प्रांगण में भक्ति रसौत्सव समारोह का भी आयोजन किया जाएगा।

उन्होंने बताया कि भारत सरकार के संस्कृति मंत्रालय के अंतर्गत कार्यरत उत्तर क्षेत्र सांस्कृतिक केंद्र पटियाला एवं पश्चिमी क्षेत्र सांस्कृतिक केंद्र उदयपुर और उत्तर मध्य क्षेत्र सांस्कृतिक केंद्र प्रयागराज मीरा महोत्सव की परंपरा के आरम्भ से ही मीरा महोत्सव का आयोजन से सन् 1990 से जुड़े है। उनकी सहभागिता से देश के नृत्य एवं संगीत जगत के राष्ट्रीय अंतरराष्ट्रीय कलाकारों की विगत 33 वर्षों में प्रस्तुतियां करवाई गई है। इसी प्रकार राजस्थान सरकार का पर्यटन एवं संस्कृति विभाग का भी निरंतर सहयोग प्राप्त होता रहा है, जिले के औद्योगिक एवं व्यवसायिक प्रतिष्ठानों और जिला प्रशासन का भी सक्रिय सहयोग प्राप्त होता रहा है। मीराबाई के 525 में जन्मोत्सव वर्ष को गरिमामयी समारोह का रूप देने के लिए उत्तर क्षेत्र सांस्कृतिक केंद्र पटियाला के सौजन्य से देश की विख्यात भजन एवं भक्ति संगीत गायिका मुंबई की अमृता काले को मीरा महोत्सव के लिए आमंत्रित किया गया है। मीरा नृत्य नाटिका की प्रस्तुति के लिए पश्चिम क्षेत्र सांस्कृतिक केंद्र उदयपुर के सौजन्य से देश की सुप्रसिद्ध कथक नृत्य नेत्री भोपाल की डॉ विजय शर्मा के नृत्य दल को आमंत्रित किया गया है। उक्त दोनों ही कलाकार दल 17 अक्टूबर के रात्रि समारोह के साथ-साथ 18 अक्टूबर को प्रातः मीरा मंदिर में भी मीरा भजनों एवं भाव नृत्य की मनमोहक प्रस्तुतियां देंगे। मेवाड़ विश्वविद्यालय गंगरार के सौजन्य से भी देश के विभिन्न अंचलों के नर्तक कलाकार और स्थानीय प्रतिभाएं 18 अक्टूबर को मीरा नृत्य नाटिका भक्ति नृत्य एवं संगीत के कार्यक्रम प्रस्तुत करेंगे।

संस्थान अध्यक्ष प्रो. समधाणी के नेतृत्व में उपाध्यक्ष डॉ ए एल जैन एवं अनिल सिसोदिया, सचिव डॉ अर्जुन मूंदड़ा, कोषाध्यक्ष विनायक द्विवेदी, सहसचिव ओम प्रकाश औदिच्य, सुनील दिल्लीवाल, सदस्य जयप्रकाश भटनागर, करनल रणधीर सिंह, अब्दुल जब्बार, राकेश मंत्री, प्रदीप दीक्षित, रमेश जोशी, राजेंद्र सिंह भाटी, विट्ठल पांडे, पेंशनर समाज के अध्यक्ष लक्ष्मी नारायण दशोरा, रूप सिंह शक्तावत, गिरिराज गिल, डॉ डी पी चतुर्वेदी, कैलाश शर्मा आदि कार्यकर्ता महोत्सव की तैयारी को अंतिम रूप दे रहे है।

कृष्णा सेवा संस्थान द्वारा 81 किलो गुड़ व सूखा चारा किया भेंट

गौ सेवा में सदैव समर्पित है कृष्णा सेवा संस्थान- दवे

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

बालोतरा। कृष्णा सेवा संस्थान द्वारा पुरे वर्ष गौ सेवा हेतु विभिन्न सेवाएं प्रदान की जा रही है संस्थान द्वारा कृष्णा एनिमल केयर में 81 किलो गुड़ व सूखा चारे की एक गाड़ी भेंट की गई। संस्थान अध्यक्ष धर्मेंद्र दवे ने बताया कि संस्थान मार्गदर्शक पारस भंडारी द्वारा भामाशाह के सहयोग से 81 किलो गुड़ व सूखे चारे की एक गाड़ी भेंट की गई। कृष्णा सेवा संस्थान द्वारा हर वर्ष प्रत्येक गौशाला में हरा चारा व पानी की व्यवस्था की जाती है व इसके साथ ही गौ सेवार्थ पानी की खेलिया भी जगह जगह लगाई गई है। पारस भंडारी ने भामाशाह का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि संस्थान द्वारा मानव हितार्थ व प्राणी सेवार्थ के अपने उद्देश्य की पूर्ति हेतु हर रोज अनेक सेवा में सहभागिता निभाई जा रही है। इसके साथ कृष्णा सुन्दर काण्ड समिति द्वारा प्राप्त राशि को गौ सेवा में भी लगाया जाता है जो अनुकरणीय है। इस अवसर पर कृष्णा अणुव्रत सेवा समिति अध्यक्ष गौतम चौपड़ा, कोषाध्यक्ष आनंद दवे, अशोक सिंह, जयप्रकाश सोनी सहित सदस्य मौजूद रहे।

जिले में परख राष्ट्रीय सर्वेक्षण की तैयारियां प्रारम्भ

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

चित्तौड़गढ़। जिले में दिसम्बर माह में होने वाले परख राष्ट्रीय सर्वेक्षण की तैयारियां शिक्षा विभाग ने अभी से शुरु कर दी हैं। मुख्य जिला शिक्षाधिकारी प्रमोद कुमार दशोरा ने बताया कि यह परीक्षण राष्ट्रीय स्तर पर एन सी ई आर टी द्वारा तथा राज्य स्तर पर समग्र शिक्षा व आर एस सी ई आर टी के समन्वय से आयोजित किया जा रहा है। इस परीक्षण में कक्षा 3, 6 एंव 9 के विद्यार्थियों का गणित, विज्ञान, सामाजिक विज्ञान एवं भाषा का परीक्षण होना है। इस परीक्षण में सीखने के प्रतिफल, दक्षताओं एवं उच्च स्तरीय सोच आधारित प्रश्न समाहित होंगे। यह देश के समस्त मान्यता प्राप्त विद्यालयों के लिए छात्रों के मूल्यांकन और समीक्षा के लिए मानदण्ड, मानक तथा दिशा-निर्देश तय करेगा। यह राज्य उपलब्धि सर्वेक्षण का मार्गदर्शन करेगा। यह एक न्यायसंगत और व्यापक परीक्षा प्रणाली स्थापित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। सहायक परियोजना समन्वयक प्रथम लीला चतुर्वेदी ने बताया कि परिषद के निर्देशानुसार जिला स्तर पर जिला स्तरीय मॉनिटरिंग कमेटी का गठन कर लिया गया है, जिसमें जिला स्तरीय अधिकारियों को मॉनिटरिंग का दायित्व सौंपा गया है। सर्वेक्षण में मुख्य जिला शिक्षाधिकारी को जिले का कॉआर्डिनर नियुक्त किया गया है, जिनके निर्देशन में सर्वेक्षण का कार्य किया जाना है। सहायक परियोजना समन्वयक द्वितीय योगेश चन्द्र अडानिया ने बताया कि प्रत्येक ब्लॉक में पीईईओ, यूसीईई ओ क्षेत्र से 7 विषयाध्यापकों का प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया।

सर्वेक्षण दिसम्बर माह में आयोजित किया जाना है, परन्तु इससे पूर्व स्थानीय जिले के समस्त विद्यालयों, जिनमें कक्षा 3, 6 तथा 9 संचालित है, उनके विद्यार्थियों को अनिवार्य रुप से नियमित अभ्यास करवाया जाना आवश्यक है। सर्वेक्षण का कार्य ओ एम आर शीट पर सम्पादित किया जाना है एवं उक्त कक्षाओं के छात्रों हेतु ओ एम आर शीट एक नया उत्तर पत्रक होने से नियमित अभ्यास कराया जाएगा। कार्यक्रम अधिकारी नफीस अहमद ने बताया कि जिले के सभी ब्लॉक में मॉनिटरिंग यूनिट का गठन करवाया गया है, साथ ही प्रत्येक ब्लॉक में प्रशिक्षित मास्टर ट्रेनर्स की बी एम टी सी का गठन करवाया गया है जो ग्राम पंचायत स्तर पर समस्त कार्यो में ब्लॉक अधिकारियों के साथ विद्यार्थियों के अभ्यास की मॉनिटरिंग करेगी।

जयपुर से कुल्लू की सीधी हवाई सेवा शुरू, सिर्फ 2 दिन ही होगी संचालित

» जागरूक जनता @ जयपुर। अब जयपुर से कुल्लू-मनाली जाना आसान हो गया है। सिर्फ 1 घंटा 55 मिनट में जयपुर से कुल्लू-मनाली से आ-जा सकते हैं। जयपुर इंटरनेशनल एयरपोर्ट से सोमवार से कुल्लू-मनाली के लिए सीधी हवाई सेवा शुरू हो गई है। इस हवाई उड़ान से अब राजस्थान व हिमाचल प्रदेश के पर्यटन कारोबार को भी काफी फायदा मिलेगा और सैलानियों को काफी कम कीमत में हवाई उड़ान का भी मजा मिलेगा।

उधर, जयपुर इंटरनेशनल एयरपोर्ट से सोमवार से कुल्लू-मनाली के लिए सीधी हवाई सेवा शुरू हो गई है। पहले दिन 72 सीटर विमान से 21 यात्री कुल्लू से जयपुर आए, जबकि यहां से 50 यात्री कुल्लू के लिए रवाना हुए। एयरपोर्ट प्रबंधन के अनुसार एयरपोर्ट पर यात्रियों का स्वागत किया गया। साथ ही फ्लाइट के जयपुर से रवाना होने से पहले पायलट व क्रू मैंबर्स के साथ केक भी काटा गया।

जागरूक खबरें

एबीवीपी महाविद्यालय इकाई ने डॉ कलाम को दी श्रद्धांजलि

» जागरूक जनता @ चित्तौड़गढ़। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद चित्तौड़ कॉलेज ईकाई द्वारा डॉ एपीजे अब्दुल कलाम को उनके जन्मदिन पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दी गई। सावन पटवा ने बताया कि डॉ एपीजे अब्दुल कलाम का विद्यार्थियों के जीवन में काफी महत्व है। उन्हीं के सम्मान में उनको याद करते हुए उनकी जन्म जयंती पर महाराणा प्रताप राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय परिसर में पुष्प अर्पित कर अभिवादन किया गया। इस दौरान कमल प्रजापत, विपुल सिंह राणावत, सौरभ राठौर, अर्पित वैष्णव, राजेश गायरी, सुनिल गाड़िया लौहार, सुमन जाट, धर्मेन्द्र सुखवाल, परी साहू, बबलू माली, रानू खण्डेलवाल, अजय पारीख, मनीष पटवा, कमल पंड्या आदि कार्यकर्ता व छात्र छात्राएं उपस्थित रहे।

जिला कारागृह का किया निरीक्षण

» जागरूक जनता @ चित्तौड़गढ़। राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण एवं जिला विधिक सेवा प्राधिकरण अध्यक्ष महेन्द्र सिंह सिसोदिया के निर्देशानुसार सचिव सुनील कुमार गोयल द्वारा मंगलवार को जिला कारागृह का निरीक्षण किया गया। प्राधिकरण सचिव द्वारा रसोईघर, बैरक, शौचालय, स्नानागार का एवं महिला बन्दी वार्ड का निरीक्षण कर आवश्यक निर्देश दिये गये तथा बंदियों की विधिक सहायता के लिए संचालित प्रिजन लीगल एड क्लिनिक रजिस्टर की जाँच गई। प्राधिकरण सचिव द्वारा सभी बंदियों को जेल में संचालित विधिक सहायता क्लिनिक के बारे मे जानकारी देते हुए बताया गया कि यदि कोई वकील बंदी की तरफ से पैरवी नहीं कर रहा है अथवा उसे निःशुल्क अधिवक्ता की आवश्यकता है तो वह विधिक सहायता क्लिनिक के माध्यम से सहायता प्राप्त कर सकता है। जिन बंदियों के जमानत आवेदन हो चुके हैं, उनके परिजनों से संपर्क कर जमानती पेश करवाने हेतु निर्देशित किया। इस दौरान कारापाल ओंकारलाल जोशी, चीफ लीगल एड डिफेंस काउंसिल सावन श्रीमाली, असिस्टेंट गौरव टेलर, वैशाली अहीर एवं अंकुश तिवारी उपस्थित रहे।

विशेष रेस्क्यू अभियान, आश्रयहीन लोगों को मिलेगा सहारा

» जागरूक जनता @ चित्तौड़गढ़। राज्य में कोई भी व्यक्ति आश्रयहीन, असहाय, निःशक्त और लावारिस रुप में सार्वजनिक स्थलों पर अपना जीवन व्यतीत न करें, इस उद्देश्य से मां माधुरी बृज वारिस सेवा सदन 'अपना घर' संस्था भरतपुर एवं सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग के संयुक्त तत्वाधान में 17 एवं 18 अक्टूबर को विशेष रेस्क्यू अभियान चलाया जाएगा। अभियान के तहत शहर के रेलवे स्टेशन, बस स्टैंड, सार्वजनिक स्थलों, धार्मिक स्थलों और ग्रामीण क्षेत्रों में टीमें निराश्रित लोगों की पहचान कर उन्हें संभाग स्तर पर संचालित आश्रम में प्रवेश दिलवाया जाएगा।

सक्रिय सदस्यता अभियान की कार्यशाला आज

» जागरूक जनता @ चित्तौड़गढ़। भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय नेतृत्व की ओर से सदस्यता अभियान का द्वितीय चरण पूरा होने के पश्चात सक्रिय सदस्यता अभियान चलाया जाएगा। आज दोपहर 12 बजे ओछड़ी स्थित जिला कार्यालय पर सक्रिय सदस्यता अभियान को लेकर कार्यशाला का आयोजन किया जाएगा। कार्यशाला जिलाध्यक्ष मिठ्ठू लाल जाट की अध्यक्षता में आयोजित होगी। प्रदेश महामंत्री श्रवण सिंह बगड़ी मुख्य वक्ता होंगे। अभियान के लिए रणजीत सिंह भाटी को सक्रिय सदस्यता अभियान का जिला संयोजक मनोनीत किया गया है। कार्यशाला में सांसद, विधायक, जिला पदाधिकारी, मंडल अध्यक्ष, मंडल महामंत्री, मंडल प्रभारी, सदस्यता अभियान के मंडल संयोजक, सह संयोजक भाग लेंगे।

दो दिवसीय महिला व पुरुष जिला वालीबॉल प्रतियोगिता 19 से

» जागरूक जनता @ चित्तौड़गढ़। जिला वॉलीबॉल संघ की मेजबानी में 19 से 20 अक्टूबर तक पुरुष व महिला वर्ग की सीनियर वालीबॉल प्रतियोगिता प्रताप वालीबॉल स्टेडियम में होगी। लालसिंह डूडी ने बताया कि जिला प्रतियोगिता में भाग लेने वाले महिला व पुरुष खिलाड़ी अपना पंजीयन 18 अक्टूबर को शाम 6 बजे तक करा सकेंगे। संघ द्वारा पंजीयन सुविधा मनीष कुमार सोनी, तुषार कंडारा से उपलब्ध रहेगी। जिला स्तरीय प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ी 24 अक्टूबर से भीलवाड़ा में आयोजित होने वाली राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में भाग लेंगे।

स्वास्थ्य भवन में वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से विभिन्न विषयों पर समीक्षा बैठक आयोजित

चिकित्सा संस्थानों में साफ-सफाई और रखरखाव के लिए चलेगा अभियान

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

जयपुर। प्रदेशभर के सभी चिकित्सा संस्थानों में साफ–सफाई एवं आधारभूत रख–रखाव में सुधार के लिए अभियान चलाया जाएगा। सभी संस्थानों को मिशन मोड में 30 अक्टूबर तक निर्धारित मानकों के अनुरूप स्वच्छता, अनुपयोगी वस्तुओं की नीलामी एवं मेंटीनेंस सुनिश्चित करना होगा। उन्होंने कहा कि निर्धारित अवधि के बाद राज्य स्तर से अधिकारियों की टीमें प्रदेशभर के चिकित्सा संस्थानों का निरीक्षण करेगी। अपेक्षा अनुरूप सुधार नहीं पाए जाने पर संबंधित प्रभारी की जिम्मेदारी तय की जाएगी।

चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग की प्रमुख शासन सचिव गायत्री राठौड़ ने मंगलवार को स्वास्थ्य भवन में वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से विभिन्न विषयों पर समीक्षा करते हुए ये निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार प्रदेशवासियों को बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध करवाने के लिए प्रतिबद्ध है। सभी अधिकारी–कार्मिक इसी सोच के साथ चिकित्सा संस्थानों में मानकों के अनुरूप सुधार सुनिश्चित करें। ?कहीं भी लापरवाही सामने आने पर संबंधित अधिकारी एवं कार्मिक के विरुद्ध नियमानुसार अनुशासनात्मक कार्रवाई अमल में लाई जाएगी। राठौड़ ने कहा कि सभी चिकित्सा संस्थानों के प्रभारी सुनिश्चित करें कि अस्पताल का परिसर, शौचालय, सार्वजनिक स्थान, गलियारे आदि साफ–सुथरे हों। भवन में विद्युत उपकरण क्रियाशील हों एवं बिजली के तार व्यस्थित हों। दरवाजे–खिड़कियां आदि टूटे हुए नहीं हों। दीवारों एवं छतों पर पर प्लास्टर एवं रंग–रोगन ?की स्थिति ठीक हो। अस्पताल में रोगियों की सुविधा के लिए साइनेज आवश्यक रूप से लगे हों। बायो मेडिकल वेस्ट की निस्तारण की समुचित व्यवस्था हो। अस्पताल परिसर में कबाड़ आदि जमा नहीं हो। अनुपयोगी वस्तुओं की नियमानुसार तुरंत प्रभाव से नीलामी की जाए।

तत्काल प्रभाव से करवाएं मेंटीनेंस, उपलब्ध बजट का करें उपयोग

प्रमुख शासन सचिव ने कहा कि संस्थान प्रभारी अस्पताल की स्थिति में सुधार के लिए मेंटीनेंस के कार्य तत्काल प्रभाव से करवाएं। इसके लिए वार्षिक रख–रखाव के लिए उपलब्ध बजट का समुचित उपयोग किया जाए। तात्कालिक आवश्यकताओं की पूर्ति के लिए आरएमआरएस में उपलब्ध बजट का उपयोग किया जा सकता है। उन्होंने कहा कि अस्पतालों में सुविधाओं के विस्तार एवं आधारभूत रख–रखाव के कार्यों के लिए स्थानीय दानदाताओं एवं स्वयं सेवी संस्थाओं से भी सहयोग प्राप्त किया जा सकता है।

मौसमी बीमारियों पर करें प्रभावी नियंत्रण

राठौड़ ने कहा कि विगत दिनों में प्रदेश के विभिन्न जिलों में मौसमी बीमारियों का प्रसार हुआ है। इस पर प्रभावी नियंत्रण एवं रोकथाम के लिए अधिकारी पूरी मुस्तैदी के साथ दायित्वों का निर्वहन करें। सभी चिकित्सा संस्थानों में जांच एवं उपचार व्यवस्थाएं सुदृढ़ रखी जाएं। संक्रमण की रोकथाम के लिए एंटीलार्वा, सोर्स रिडक्शन, फोगिंग आदि गतिविधियां सघनता के साथ की जाएं। जिन जिलों में केस ज्यादा आ रहे हैं, वहां विशेष रूप से फोकस किया जाए। राज्य स्तरीय अधिकारियों के साथ ही संयुक्त निदेशक जोन, सीएमएचओ एवं अन्य अधिकारी नियमित मॉनिटरिंग करते हुए प्रभावी प्रबंधन सुनिश्चित करें। प्रमुख शासन सचिव ने बजट घोषणाओं की भी समीक्षा करते हुए निर्देश दिए कि स्वास्थ्य से जुड़ी सभी बजट घोषणाओं को टाइमलाइन में पूरा किया जाए। नए भवनों के निर्माण के लिए भूमि आवंटन की कार्यवाही को प्राथमिकता के साथ पूरा किया जाए।